शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 44 | गुवाहाटी | गुरुवार, 7 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कई संगठनों के साथ राज्यभर में मची श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम पेज 3
वायुसेना की मेजबानी में हिंडन एयरबेस पर 25-26 को होगा स्वदेशी ड्रोन का प्रदर्शन पेज 4
इंटरनेशनल ट्रेड शो के जरिए पूरी दुनिया में गूंजेगा प्रभु श्रीराम का नाम पेज 5
गहलोत सरकार में सुशासन के बजाए कुर्सी बचाए रखने के कारण फैली अराजकता... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अस्थिर मन वाले की सोच स्थिर नहीं रहती।

- आचार्य चाणक्य

पेप्सिको असम में खोलेगी फूड मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट

भूमि पूजन में शामिल मुख्यमंत्री भी

नई दिल्ली/नलबाड़ी (ऐजे /हि.स.)। पेय और खाद्य निर्माण की लीडिंग कंपनी पेप्सिको ने आज कहा कि वह असम के नलबाड़ी में अपना पहला खाद्य विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 778 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। पेप्सिको के एक बयान में कहा गया है कि 44.2 एकड़ में फैले इस प्लांट को 2025 में चालू करने का प्रस्ताव है और इसका लक्ष्य असम के 500 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान करना है। पेप्सिको का असम के साथ-साथ पूर्वोत्तर में यह पहला निवेश है। कंपनी के पोर्टफोलियो में पेप्सी, 7अप, माउंटेन ड्यू, स्लाइस, ट्रॉपिकाना, मिरिंडा, लेज, कुरकुरे, अंकल चिप्स और क्वेकर ओट्स सहित अनेक पेय और खाद्य ब्रांड है। पेप्सिको इंडिया ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और क्षेत्र में महिलाओं की रोजगार -शेष पृष्ठ दो पर

किशोर को मारपीट करने के आरोप में भाजपा नेता गिरफ्तार

सिलचर। असम के कछार जिले में चोरी के संदेह में 19 वर्षीय किशोर पर हमला करने के आरोप में एक भाजपा नेता को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। कथित घटना 14 अगस्त को हुई और इसका एक वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता के परिवार ने फिर एफआईआर दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई। आरोपी मनोज साहू कछार जिले के धोलाई विधानसभा क्षेत्र में एक पंचायत अधिकारी है। 14 अगस्त -शेष पृष्ठ दो पर

चीन के मेगा बिजली प्रोजेक्ट से अरुणाचल के सीएम चिंतित

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन की मेगा बिजली परियोजना को लेकर सवाल उठाए हैं। सीएम पेमा खांडू ने दावा किया है कि चीन की बिजली परियोजना भारत और बांग्लादेश पर असर पड़ेगा। साथ ही उन्होंने जलविद्युत परियोजना को लेकर चिंता भी जताई है। दरअसल, तिब्बत में सियांग नदी पर चीन की मेगा जलविद्युत परियोजना प्रस्तावित है। कांग्रेस विधायक लोम्बो तायेंग ने विधानसभा में शून्यकाल की चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने सियांग घाटी में आने वाली बाढ़ को प्राकृतिक आपदा घोषित करने की मांग की। हालांकि, इसके जवाब में सीएम पेमा खांडू ने कहा कि हम इस परियोजना को लेकर चिंतित हैं। सीएम खांडू ने बताया कि चीन ने सियांग नदी पर 60,000 मेगावाट की बिजली परियोजना को -शेष पृष्ठ दो पर

भीषण सड़क हादसे में सात की मौत 12 घायल

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले के काकोपथार के बोर-डिराक में मंगलवार रात करीब 10.30 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। ट्रक और टाटा मैजिक की आमने-सामने की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में तिनसुकिया सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें डिब्रूगढ़ असम मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के शिकार लोग टाटा मैजिक में सवार थे। हादसे के वक्त वे लोग दुमदुमा के साप्ताहिक बाजार से -शेष पृष्ठ दो पर

जोरामथंगा से मिले दस कुकी विधायक

एजल। मणिपुर के 10 कुकी विधायकों, नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) और राज्य के पहाड़ी इलाकों के संचालन निलंबन (एसओओ) समूहों ने बुधवार को यहां मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथंगा से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जोरमथंगा ने कहा कि वह मणिपुर में हिंसा के कारण लोगों की पीड़ा से बहुत आहत हैं। उन्होंने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

एडिटर्स गिल्ड को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया को सुप्रीम कोर्ट से राहत की खबर मिली है। उच्चतम न्यायालय बुधवार को एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की उस याचिका पर दिन में सुनवाई करने पर सहमत हो गया जिसमें उसने अपने कुछ सदस्यों के खिलाफ मणिपुर में दर्ज दो प्राथमिकियों में दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए उल्लेख किया गया था। सीजेआई ने गिल्ड के लिए मामले का उल्लेख करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान से कहा कि हम मामला स्वीकार होने के बाद इस पर सुनवाई करेंगे। दीवान ने कहा कि मणिपुर में गिल्ड सदस्यों के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और वे इन मामलों में दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग कर -शेष पृष्ठ दो पर

24 घंटे में 1 करोड़ पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाएंगे : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार फिर से विश्व रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रही है। बिहू नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाने के बाद इस बार असम सरकार पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सरकार कुल नौ विश्व रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेगी। इनमें से तीन नए रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की जाएगी और बाकी छह पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश की जाएगी। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम इसी बीच असम -शेष पृष्ठ दो पर

इंदिरा गांधी ने भी भारत के पीएम के रूप में शपथ लिया था : हिमंत

नई दिल्ली / गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह इंडिया बनाम भारत कोई बहस नहीं है क्योंकि दोनों एक ही हैं और इंदिरा गांधी ने *भारत के प्रधान मंत्री* के रूप में शपथ ली थीं, इंडिया के प्रधान मंत्री के रूप में नहीं। विपक्षी गठबंधन द्वारा अपने नाम के रूप में इंडिया चुनने के बाद हिमंत विश्व शर्मा अपने ट्विटर बायो को भारत में बदल लिया था। वह ऐसा करने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले अमित शाह ने संसद में भारतीय न्याय संहिता रखी। तब किसी ने विरोध नहीं किया। भारत और इंडिया विनिमेय हैं और यह 2016 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। हिमंत विश्व शर्मा ने अपने बयान में कहा कि इंडिया और भारत कोई बहस का मुद्दा नहीं है...इंडिया और भारत एक दूसरे के पूरक हैं, यही सुप्रीम कोर्ट का 2016 का फैसला है। उन्होंने कहा कि चाहे मनमोहन सिंह हों या इंदिरा गांधी सभी ने *मैं भारत का प्रधानमंत्री* के रूप में शपथ ली, इंडिया के प्रधानमंत्री के रूप में नहीं जबकि देवेगौड़ा ने इंडिया के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली... तो यह कोई बहस नहीं है। हिमंत ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जगह रिजर्व बैंक ऑफ भारत करने की भी वकालत की। उन्होंने कहा कियह नवजागरण का दौर है। शर्मा ने कहा कि असम ने कई पुरानी विरासतें बदली हैं और केंद्र में भी कई बदलाव किए गए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज कहा कि हमने समान विचार वाले लोगों को एक साथ लाकर एक संगठन बनाया -शेष पृष्ठ दो पर

कार्बी और डिमासा भवन-निर्माण कार्य का सीएम ने किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा और कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलीराम रोंगहांग ने नई दिल्ली के द्वारका में निर्माणाधीन कार्बी भवन और डिमासा भवन के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 21 जुलाई को नई दिल्ली में कार्बी भवन और डिमासा भवन की आधारशिला रखी थी। नई दिल्ली में कार्बी भवन और डिमासा भवन क्रमशः यूनाइटेड पीपुल्स डेमोक्रेटिक सॉलिडेरिटी और डिमा हालम दाओगाह के साथ समझौता ज्ञापन का हिस्सा है। भवनों का निर्माण 100 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है।

विहंगम योग संस्थान की मर्यादा हुई तार-तार, चौकीदार दोषी करार

• गुनाह में शामिल भ्रष्ट चंदाजीवियों ने लगाई अदालत • आश्रम में जिस्मफरोशी व शराबखोरी करने वाले को बताया जायज

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वांचल विहंगम योग प्रचार केंद्र के तथाकथित स्वयंभू नेताओं ने अपनी बचकानी हरकतों से संस्थान की मर्यादा और सम्मान को तार-तार कर दिया है। उन्होंने गत 5 सितंबर को पूर्वांचल विहंगम योग प्रचार केंद्र की एक आपातकालीन सभा का आयोजन कर राकेश शर्मा और उनके परिवार पर संस्थान में प्रवेश करने पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया। उल्लेखनीय है कि यह वही राकेश शर्मा हैं, जिन्होंने गत 15 अगस्त की शाम को महानगर के फटासील आमबाड़ी स्थित विहंगम योग संस्थान में अमृत भोग भंडारे के नाम से अपनी दुकानदारी चलाने वाले अपराधी प्रवृत्ति के भागचंद जैन को जिस्मफरोशी व शराबखोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। यह सारी घटना बाकायदा कैमरे में कैद है। राकेश शर्मा ने इस घटना के वक्त संस्थान से जुड़े अन्य सदस्यों को भी बुला लिया था। उन सभी की उपस्थिति में भागचंद जैन से एक कबूलनामा लिखवाया गया, जिसमें उसने अपने अपराध को स्वीकार किया। इस कबूलनामे पर दीपक शर्मा तथा चंद्र प्रकाश शर्मा और रामजी गुप्ता जैसे संस्थान के सदस्यों ने गवाह के रूप में हस्ताक्षर भी किए थे। मौके पर जमा हुए संस्थान के लोगों ने अपराधी भागचंद जैन को पुलिस के हवाले नहीं करने दिया था। लोगों का कहना था कि ऐसा करने पर विहंगम योग संस्थान की बेइज्जती होगी और पुलिस में नहीं देने का संत नामदेव जी का आदेश भी आया है। उल्लेखनीय है कि संत नामदेव जी के साथ इस संपूर्ण घटनाक्रम पर हुई वार्तालाप और पुलिस में नहीं जाने के उनके आदेश की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग हमारे पास है। आवश्यक होने पर उसे भी जारी किया जाएगा। इसके अलावा सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्र देव महाराज के आदेश की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग जोगेंद्र गुप्ता के द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा की गई थी। उसमें स्वामी जी ने क्या आदेश दिया और क्या-क्या आशंकाएं व्यक्त की इनका खुलासा भी हम सभी साधक शिष्यों के सामने रखेंगे। इसके बाद इन दुष्ट चक्र के लोगों के षड्यंत्र का पर्दाफाश और अच्छे से होगा। किस तरह से यह लोग गुरुद्रोह करके गुरु के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। आश्चर्यजनक रूप से घटना के वक्त से ही विहंगम योग संस्थान के चंद्र प्रकाश शर्मा की अगुवाई में एक लाबी भागचंद जैन को बचाने में सक्रिय हो गई। इन्होंने अपनी तरफ से भागचंद की काली करतूतों को ढकने का हर संभव प्रयास किया। पर मामला सोशल, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में इतना उछल चुका था कि इनकी एक नहीं चली। उल्टे ये लोग समाज के सामने नंगे हो गए। जब बात चली तो चंद्र प्रकाश शर्मा की विहंगम योग संस्थान के नाम पर चंदे के रूप में भारी उगाई की घटनाएं भी सामने आईं। इसके बावजूद इनकी बेशर्मी में कहीं कोई कमी नहीं दिखी। ये इस हद तक गिर गए कि अभियुक्त भागचंद जैन के द्वारा संस्थान को 2 सितंबर को दिए गए पत्र पर संज्ञान लेते हुए इन्होंने 5 सितंबर को एक आपातकालीन बैठक बुला ली। भागचंद जैन के पत्र पर इतनी हड़बड़ी में मीटिंग बुलाना भी लोगों को हजम नहीं हो रहा है। कुछ को इस सारी कवायद में दाल में काला नजर आ रहा है तो कई अन्य कह रहे हैं की सारी दाल ही काली है। बहरहाल, उक्त बैठक में चौकीदार यानी राकेश शर्मा को दोषी ठहराने और भागचंद जैन को आश्रम के अंदर जिस्मफरोशी और शराबखोरी करने को जायज ठहराते हुए उसे दूध का धुला साबित करने की नाकाम कोशिश की गई। चंद्र प्रकाश शर्मा और योगेंद्र गुप्ता की भागचंद जैन के साथ संलिप्तता के भ्रष्टाचार को ढकने के भी प्रयास हुए। उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत को सही साबित करते हुए इन्होंने राकेश शर्मा और उनके परिवार पर आश्रम में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया और इस आशय का एक पत्र (सभा के प्रतिवेदन का हिस्सा) सोशल मीडिया पर जारी कर दिया। शायद यहीं उनसे चूक हो गई। उक्त पत्र में तथ्यगत और तकनीकी दोनों तरह की खामियां भरी पड़ी हैं। मजे की बात तो यह है कि गत 15 अगस्त को भागचंद जैन के खिलाफ हुई कार्रवाई को मीटिंग बुलाने वाले स्वयंभू नेताओं ने गलत मंशा, नकारात्मक सोच व व्यक्तिगत एजेंडा से प्रेरित करार दिया। पत्र में लिखा गया है कि राकेश शर्मा और उनके परिजनों की कार्रवाई से संस्थान की छवि को अपूरणीय क्षति पहुंची है। अब लोग सवाल उठा रहे हैं कि जोगेंद्र गुप्ता और चंद्र प्रकाश शर्मा के सहयोग से भागचंद जैन आश्रम में जिस्मफरोशी और शराबखोरी का जो अड्डा चला रहा था, उससे क्या संस्थान की इज्जत बढ़ रही थी? उक्त प्रतिवेदन में एक जगह लिखा गया है कि राकेश शर्मा ने कई बार कहने के बाद भी भागचंद जैन द्वारा दिए गए लिखित कबूलनामे को संस्थान के पदाधिकारियों के सुपुर्द नहीं किया। इससे साफ जाहिर होता है कि वे लोग कबूलनामे को अपने कब्जे में लेकर मामले को रफा-दफा करने के मूड में थे। इस सारी घटना से समाज के सामने यह बात तो साफ हो गई है कि भागचंद जैन को बचाने के पीछे इन लोगों के निहित स्वार्थ है और अब तो ऐसा प्रतीत होता है कि भागचंद जैन जो कुछ कर रहा था वह चंद्र प्रकाश शर्मा, योगेंद्र गुप्ता व दीपक शर्मा की मिली-भगत से हो रहा था। इस पूरे मामले में और विस्फोटक खुलासों के लिए अगले अंक का इंतजार कीजिए...

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

उदयनिधि के बयान पर सख्ती से जवाब देना होगा : पीएम

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में होने जा रहे जी-20 समिट से पहले मंत्रियों के साथ बैठक की और उनको कुछ खास हिदायतें दीं। पीएम मोदी ने सनातन धर्म पर हो रहे विवाद पर कहा कि उदयनिधि स्टालिन को उचित जवाब देना होगा। पीएम मोदी ने मंत्रियों से कहा कि उदयनिधि के सनातन धर्म वाले बयान पर सही से जवाब दें। साथ ही पीएम मोदी ने मंत्रियों से इंडिया बनाम भारत पर कुछ नहीं बोलने को कहा है। पीएम मोदी ने मंत्रियों से कहा कि जी-20 समिट के दौरान वीआईपी क्लचर को न अपनाएं और जिसको जो ड्यूटी दी गई है वहां मंत्री समय पर पहुंचें। बता दें कि तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन सनातन धर्म को लेकर दिए अपने बयान के कारण देशभर में निशाने पर है। उदयनिधि ने एक सम्मेलन में कहा था कि सनातन धर्म डेंगू, मलेरिया की तरह है जिसे मिटाना जरूरी है। उदयनिधि ने कहा कि मच्छरों, डेंगू, मलेरिया और कोरोना की तरह ही सनातन धर्म को बढ़ने से रोकना है।

खालिस्तान समर्थक एक्टिविटी पर ऋषि सुनक की दो टूक, कहा-

ब्रिटेन में किसी तरह का उग्रवाद स्वीकार्य नहीं

लंदन। ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों पर भारत की चिंताओं का समर्थन करते हुए, ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि उग्रवाद का कोई भी रूप स्वीकार्य नहीं है, उन्होंने कहा कि वैध विरोध करने का अधिकार हिंसक या धमकी भरे व्यवहार तक नहीं है। एक विशेष साक्षात्कार में सुनक ने कहा कि वह हिंसक, विभाजनकारी विचारधाराओं को बाधित करने और उनका मुकाबला करने के सरकार के कर्तव्य को बहुत गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन खालिस्तान समर्थक उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ब्रिटेन में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की गतिविधियों को लेकर भारत में चिंताएं बढ़ गई हैं, खासकर मार्च में लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले के बाद। सुनक की टिप्पणी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने से कुछ दिन पहले आई है। ब्रिटेन में उग्रवाद का कोई भी रूप स्वीकार्य नहीं है और मैं हिंसक, विभाजनकारी विचारधाराओं को बाधित

करने और उनका मुकाबला करने की सरकार की जिम्मेदारी को बहुत गंभीरता से लेता हूं, चाहे वे कुछ भी हों। इस मुद्दे पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हम खालिस्तान समर्थक चरमपंथ के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का दावा- वैश्विक स्तर पर सबसे टॉप पर पहुंच गया भारत

वाशिंगटन। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर भारत का स्थान काफी ऊंचा हो गया है और वह खुद को एक ऐसे देश के रूप में स्थापित कर रहा है, जो अन्य देशों को एक साथ लाता है। जी-20 के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में भारत 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में इस प्रभावशाली समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। प्रतिष्ठित हडसन इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक की अपर्णा पांडे ने कहा कि इस सप्ताह भारत जी-20 की मेजबानी करेगा, पहली बार कोई दक्षिण एशियाई देश इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत लंबे समय से वैश्विक स्तर पर ऊंची जगह हासिल करने की कोशिश कर रहा था और इन शिखर सम्मेलनों की मेजबानी इस बात का प्रमाण है कि भारत उस स्थान पर पहुंच गया है। पांडे ने कहा कि वर्ष 2023 भारत का वर्ष है, क्योंकि इस दौरान दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश नौ महीने से अधिक समय तक वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में रहा है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2022 में भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अध्यक्ष था। जनवरी 2023 में भारत ने ग्लोबल साउथ समिट बुलाया और मई 2023 में उसने जापान में जी-7 और क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। पांडे ने कहा कि जुलाई में भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह) शिखर सम्मेलन के विस्तार में शामिल हुआ। उद्यमी, समाजसेवी और इंडियास्पोरा के संस्थापक एम आर रंगास्वामी ने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता इससे बेहतर समय पर नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा कि भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है और खुद को एक ऐसे देश के रूप में स्थापित कर रहा है, जो अपनी कथनी और करनी से अन्य देशों को एक साथ लाता है।

दो साल बाद लुधियाना से एनसीआर के लिए हवाई सेवा शुरू

लुधियाना (हिंस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के साथ पंजाब के हवाई संपर्क को और अधिक सुचारू बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को हिंडन-लुधियाना-हिंडन उड़ान की शुरुआत की। इसके साथ ही दो साल से अधिक समय के बाद में एक बार फिर लुधियाना के हवाई अड्डे से हवाई यातायात बहाल हो गया। पहले तीन महीनों के लिए लुधियाना से एनसीआर के हवाई सफर का किराया केवल 999 रुपये तया किया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि राज्य सरकार की पुरजोर कोशिशों से लुधियाना के हवाई अड्डे से दो साल से अधिक समय के बाद उड़ान सेवा शुरू हुई है, जिससे औद्योगिक शहर के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह उड़ान मैसर्ज बिग चार्टर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के फ्लाई बिग एयरलाइन्ज के नाम पर चलाई जाएगी। शुरू में यह उड़ान सप्ताह में पांच दिन के लिए होगी, परन्तु अगले महीने से यह उड़ान पूरे सप्ताह उड़ेंगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लुधियाना से हिंडन एयरपोर्ट गाजियाबाद की उड़ान में 90 मिनट का समय लगेगा। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि एयरलाइन शुरुआत तोहफ़े के रूप में पहले तीन महीन तक 999 रुपये प्रति टिकट की पेशकश करेगी, जो बस सफर की अपेक्षा सस्ता होगा।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में छिड़ी जंग! तोरखम बार्डर पर फायरिंग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि बुधवार को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच मुख्य सीमा पर गोलीबारी हुई, जिसके बाद अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा बंद कर दी गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान को जोड़ने वाली तोरखम सीमा पर गोलियों की आवाज सुनी गई। उन्होंने बताया कि गोलियों की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग घबरा गये। इस घटना के बाद तोरखम सीमा को बंद कर दिया गया। एक सुरक्षा अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि तालिबान और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई. हालांकि, इस गोलीबारी में किसी जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इस बीच, अफगानिस्तान के पूर्वी नंगाहार प्रांत में सरकार के एक प्रवक्ता, जबकि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के एक प्रवक्ता ने अभी तक गोलीबारी पर कोई बयान जारी नहीं किया है। मालूम हो कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। दोनों देशों के नागरिक तोरखम सीमा से ही आते-जाते हैं। लाँकि, दोनों देशों के बीच कई विवादों के कारण इस सीमा को बंद करना पड़ा। इस साल फरवरी में तोरखम सीमा भी बंद कर दी गई थी। परिणामस्वरूप, सीमा के दोनों ओर हजारों ट्रक रोक दिए गए।

वाराणसी : सड़कें खुद बताएंगी ओवरलोडिंग और गलत साइड ड्राइविंग पर चालकों को देंगी चेतावनी

वाराणसी। आने वाले समय में सड़कों पर वाहन चालकों की मनमानी और विभागीय भ्रष्टाचार का गठजोड़ नहीं चलेगा। सड़कें भी स्मार्ट और सेंसरयुक्त होंगी। अभी तो महज सीट-बेल्ट न लगाने पर कार बीप देने लगती है, भविष्य में यदि आप सड़क पर ओवरलोड वाहन लेकर निकले या गलत दिशा में गाड़ी चलाए तो सड़कें ही शिकायत करने लगेंगी। पहले वे बीप या डैशबोर्ड पर मैसेज भेजकर आपको चेतावनी देंगी नहीं मानने पर कार्रवाई भी करेंगी और आपके वाहन का ब्रेक जाम करने लगेंगी। फिर भी नहीं चेते तो विभागीय कार्यालय में मैसेज भेजकर आपके वाहन का आटोमेटिक चालान भी कटवा देंगी। विश्वास नहीं हो रहा न, लेकिन आईआईटी बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विज्ञानी प्रो. बृंद कुमार व उनकी टीम ऐसी ही सेंसरयुक्त *भविष्य की सड़क* पर काम कर रहे हैं। प्रो. बृंद कुमार बताते हैं आने वाले दिनों में बढ़ती जनसंख्या के चलते सड़कों पर भीड़ और लोड दोनों बढ़ेगा। जमीन कम होने से सड़कों की चौड़ाई एक सीमा तक ही बढ़ाई जा सकेगी। ऐसे में सड़कें सबके लिए सुरक्षित यातायात का माध्यम बनें, विज्ञानी इस दिशा में काम कर रहे हैं। उनकी योजना है कि भविष्य में बनने वाली सड़कें सेंसरयुक्त हों। यदि कोई रांग साइड चले तो उसे तत्काल उसके डैश बोर्ड पर मैसेज भेजकर उसे चेतावनी तो देंगी ही, विभागीय कार्यालय में मैसेज भेजकर उसका चालान भी आनलाइन कटवा देंगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए वाहन निर्माता कंपनियों को भी सेंसरयुक्त सड़कों के अनुकूल वाहन तैयार करने होंगे। वाहन में लगे जीपीएस व सेंसर कैचर मैसेंजर परिवहन विभाग कार्यालय, यातायात पुलिस व वाहन मालिक की मोबाइल से भी जुड़े होंगे ताकि जब भी नियम भंग हो, तत्काल आटो जेनरेटेड मैसेज तीनों स्थानों पर पहुंच जाएं। ओवरलोड होने की स्थिति में मिलने वाले मैसेज के बाद भी यदि वाहन चालक ने कहीं किनारे लगाकरलोड कम नहीं किया तो ये सेंसर कैचर वाहन के ब्रेक से भी जुड़े होंगे जो चेतावनी की निर्धारित संख्या पूर्ण होते ही आटोमेटिक ब्रेक लगाना आरंभ कर देंगे, इससे वाहन की गति धीमी हो जाएगी। भविष्य की सेंसरयुक्त सड़क पर काम करने के लिए प्रो. बृंद कुमार ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। परियोजना को आर्थिक स्वीकृति मिलते ही कार्ययोजना व्यावहारिक रूप में सामने आ जाएगी। प्रो. बृंद कुमार बताते विदेशों में मिलने वाले सेंसर काफी महंगे हैं। उनसे देश में सेंसरयुक्त सड़कें बनाने में काफी खर्च आएगा, ऐसे में संस्थान के विज्ञानियों की एक अन्य टीम इस कार्ययोजना को वास्तविक रूप देने के लिए सस्ते किंतु उत्तम कोटि के सेंसर निर्माण में लगी हुई है। ऐसे सेंसरों के बन जाने से परियोजना काफी सस्ती हो जाएगी। शीघ्र ही इस शोध के परिणाम सामने आने लगेंगे।

सिलचर-कोयंबटूर एक्सप्रेस भयानक हादसे से बची

कछार (हिंस)। सिलचर-कोयंबटूर एक्सप्रेस भयानक हादसे से आज बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरखोला चंद्रनाथपुर स्टेशन के पास बिजली का तार टूटकर ट्रेन के पहियों के नीचे आ गई। तार समेत कई खंभे ट्रेन के डब्बे के ऊपर गिरे। यात्रियों में भगदड़ मच गई। हालांकि इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

विकास के मामले में हरियाणा ने बनाया है रिकार्ड : ओम प्रकाश

रोहतक (हिंस)। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पवित्र ग्रन्थ गीता के संदेश को पूरे विश्व में पहुंचाने का कार्य किया है। आज भारत के साथ-साथ विश्व में भी भगवान कृष्ण द्वारा कुरुक्षेत्र में गीता के दिए गए उपदेश के ग्रंथ को पढ़ा जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी गीता के प्रचार प्रसार के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। वे बुधवार को रोहतक पहुंचे और श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहरलाल के नेतृत्व देश और प्रदेश की सरकार हर वर्ग का भला करने की दिशा में अग्रसर हैं। यादव ने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है, सरकार जनता से जो वायदा करती है, उसे पूरा करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के नौ वर्ष का कार्यकाल मुख्य रूप से सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। भारतीय जनता पार्टी सेवा ही संकल्प के मंत्र के साथ जन कल्याण के कार्य में लगी है। सरकार द्वारा सभी वर्गों के कल्याण के लिए योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा अंत्योदय परिवारों के उत्थान की दिशा में कार्य किया जा रहा है तथा गरीब परिवारों को स्वास्थ्य बीमा देने के लिए चिरायु हरियाणा योजना क्रियान्वित की जा रही है। मंत्री ओम प्रकाश यादव ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल पूरे प्रदेश में बराबर विकास करवा रहे हैं। खेल मंत्री संदीप सिंह के इस्तीफे के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि संदीप सिंह का मामला न्यायालय में है, इसलिए इस पर कोई टीका टिप्पणी करना गलत है। कानून अपना कार्य करेगा। पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने दावा किया कि प्रदेश में तीसरी बार ही भाजपा की सरकार बनेगी और कांग्रेस का हाल आज प्रदेश की जनता के सामने है।

पृष्ठ एक का शेष

पेप्सिको असम में ...

क्षमता बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित और सहायक कार्य वातावरण बनाने के लिए असम कौशल विकास मिशन और रोजगार और शिल्पकार प्रशिक्षण निदेशालय के साथ एक त्रिपक्षीय एमओयू साइन किया है। कंपनी का लक्ष्य कम से कम 75 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व का है। नलबाड़ी ग्रीनफील्ड सुविधा अगले कुछ वर्षों में 5,000 से अधिक किसानों की आजीविका में सहायता और सुधार करने के पेप्सिको के प्रयासों को और मजबूत करेगी। पेप्सिको इंडिया ने कहा कि यह किसानों को अपने प्रतिष्ठित ब्रांड लेज चिप्स का उत्पादन करने के लिए राज्य से 50,000 टन आलू प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ प्रौद्योगिकी, उच्च गुणवत्ता वाले बीज और सस्ती मशीनरी का उपयोग करके विकास के अवसर भी प्रदान करेगा। कंपनी अगले कुछ वर्षों में इस प्लांट में 60,000 टन की कोल्ड स्टोरेज क्षमता की मांग भी पैदा करेगी। आपको बता दें कि पेप्सिको के प्लांट निर्माण के लिए सबसे पहले भारतीय परंपरा के अनुसार पेप्सिको इंडिया की ओर से भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया। कंपनी के एक बयान के मुताबिक असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ राज्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति समारोह में शामिल हुए। पेप्सिको ने 1989 में भारत में प्रवेश किया था और आज भारत में सबसे बड़े खाद्य और पेय व्यवसायों में से एक बन गया। उधर आज नलबाड़ी जिले में बहुराष्ट्रीय कंपनी पेप्सिको की खाद्य उत्पादन इकाई के भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शरमा शामिल हुए। बाद में ट्वीट कर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें शामिल होकर मुझे (मुख्यमंत्री को) बहुत खुशी हो रही है। आज का कार्यक्रम राज्य के औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में हमारे निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 778 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली विनिर्माण इकाई लगभग 500 व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा करेगी। इसके अलावा, इस परियोजना के माध्यम से हमारे राज्य के किसानों को काफी हद तक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि वे असम में एक अत्याधुनिक खाद्य विनिर्माण इकाई स्थापित करने की दिशा में उठाए गए कदमों के लिए पेप्सिको को अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, पेप्सी को कंपनी के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में अन्य गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

किशोर को मारपीट ...

की दोपहर को, मनोज साहू ने कथित तौर पर पीड़ित अजय को एक दुकान के सामने बंधक बना लिया और उसके साथ मारपीट की। सोमवार को अजय की मां चंदा ने एफआईआर दर्ज कराई, जिसके बाद साहू के खिलाफ मामला चलाया गया। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता के परिवार ने फिर एफआईआर दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई। आरोपी मनोज साहू कछार जिले के धोलाई विधानसभा क्षेत्र में एक पंचायत अधिकारी है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता को गंभीर हालत में सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेजा गया और बाद में छुट्टी दे दी गई। लड़के को अस्पताल से छुट्टी मिलने के तुरंत बाद, उसकी मां ने शिकायत दर्ज कराई और उसी समय घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। अधिकारी ने कहा कि हमने शिकायत और उपलब्ध सबूतों के आधार पर साहू को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित की मां ने संवाददाताओं को बताया कि साहू समेत लोगों के एक गिरोह ने उसके बेटे को प्रताड़ित किया और उस पर चोरी का गलत आरोप लगाया। वे इलाके की जानी-मानी हस्तियां हैं। महिला ने दावा किया कि उन्होंने मेरे बेटे को फिर से पीटिने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर हमने पुलिस को फोन किया तो वह मेरे बेटे के साथ फिर से मारपीट करेंगे। उन्होंने हमें चुप रहने को कहा। इस बीच, पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और कुछ अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

चीन के मेगा बिजली ...

प्रस्तावित किया है। हमारी सरकार इस परियोजना को लेकर काफी चिंतित है। इससे पहले कांग्रेस विधायक लोम्बो तायेंग ने विधानसभा में कहा था कि सियांग नदी बार-बार अपना रास्ता बदलती है, जिसका असर लाखों हेक्टेयर की खेती पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि चीन के फैसलों के कारण सियांग नदी प्रभावित होती है। जिससे यहां बार-बार बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। इसलिए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर इसे आपदा घोषित नहीं किया जाता है तो उचित कदम उठाए जाएं। हाल ही में चीन के 60,000 मेगावाट की बिजली परियोजना को लेकर ब्रह्मपुत्र बोर्ड की एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी। केंद्र सरकार ने सियांग नदी पर बैराज बनाने का प्रस्ताव दिया है। ताकि चीन की गतिविधियों का नदी पर असर न पड़े। सीएम खांडू ने कहा कि प्रस्तावित प्रोजेक्ट को लेकर एक सर्वे किया जाएगा और इसके बाद केंद्र सरकार अगले कदम पर फैसला करेगी।

भीषण सड़क हादसे ...

डिराक सोंजन गांव स्थित अपने घर जा रहे थे। तभी रास्ते में ट्रक और टाटा मैजिक के बीच आमने सामने की टक्कर हो गई। स्थानीय सूत्र ने बताया कि ट्रक का ड्राइवर भारी मात्रा में शराब पीकर अरुणाचल प्रदेश की ओर से आ रहा था। पुलिस मामला दर्ज कर घटना की जांच कर रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान बिनीता (बिली) बरुआ, रीना गोगोई, मिहिधर नेउग, पवन मोरान, कुलाई मेश, पल्लवी दहोतिया के रूप में की गई है। घायलों में अतुल गोगोई, बुरांजीत मोरान, जोनाली मोरान, बिकाश नेउग, गोलेश्वर मारन, मोनो मारन, यशोदा मोरान, लक्ष्मीमणि मोरान, इलाता मोरान, पिंकी मारन शामिल हैं। बता दें कि पिछले वर्ष नवंबर में नगांव जिले में कलियाबोर के हटियेखोवा में एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा उस समय हुआ जब एक कार और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

जोरामथंगा से मिले ...

जोरामथंगा ने कहा कि मिजोरम के लोग अपने भाइयों और बहनों की मदद करने के लिए तैयार हैं और भविष्य की कार्रवाई विभिन्न संगठनों और जनता के परामर्श से की जानी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में मंत्री, विधायक, मिजो पीपुल्स कन्वेंशन, कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन, हमार इनपुई, कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी, जोमी काउंसिल स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन और अन्य संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। मणिपुर के पहाड़ी जिलों के कुकी विधायक एसओओ समूहों और कुकी सीएसओ के साथ मिलकर पूर्वोत्तर राज्य में तीन मई से जातीय हिंसा भड़कने के बाद से एक अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं। मणिपुर मई में उच्च न्यायालय के उस आदेश को लेकर हिंसा के भंवर में फंस गया था, जिसमें राज्य सरकार को गैर आदिवासी मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया गया था। इस आदेश के कारण बड़े पैमाने पर जातीय संघर्ष हुए। राज्य में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से अब तक 160 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। हिंसक झड़पें तब शुरू हुईं, जब बहुसंख्यक मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* का आयोजन किया गया था।

24 घंटे में 1 करोड़ ...

पहुंच चुकी है। अमृत वृक्षारोपण कार्यक्रम 9 से 17 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। पेप्सी ने नलबाड़ी के बानेकुची में 778 करोड़ रुपए की लागत से पौधे लगाए हैं। अब तक, 47,34,465 लोगों ने पोर्टल पर पंजीकरण किया है। सरकार 9 सितंबर को 3 लाख पौधों के साथ खानापाड़ा में विश्व रिकॉर्ड स्थापित करेगी। 10 सितंबर को पौधे वितरित करके एक और रिकॉर्ड कदम उठाए जाएंगे। 17 सितंबर को 24 घंटे में 1 करोड़ पौधे लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। 14 तारीख को उदालगुड़ी में 24 घंटे में पौधे लगाने का रिकॉर्ड, 15 तारीख को नाहरकटिया में 1 घंटे में पौधे लगाने का रिकॉर्ड, 17 तारीख को शिवसागर में 50 हजार पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

इंदिरा गांधी ने भी ...

जिसका नाम इंडिया रखा गया। वह इंडिया को देखकर घबरा रहे हैं और वे अब इंडिया का नाम भारत रखने जा रहे हैं। संविधान में *इंडिया दैट इज भारत* है। हम पहले ही *भारत जोड़ो* बोल रहे हैं लेकिन आप रोज कुछ नया ला रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमारे संविधान में दोनों नाम दर्ज हैं... हम कहां-कहां से इंडिया शब्द हटाएंगे? एसबीआई, आईआईटी, ईसरो इन सबके नाम बदलने होंगे। अगर आपको इस बात से दिक्कत है कि विपक्ष की पार्टियों ने अपना नाम इंडिया रखा है और आप इसलिए देश का नाम बदल रहे हैं, तो हम अपना (पार्टी) का नाम बदल लेंगे। हम मुल्क को मुसीबत, तकलीफ में नहीं डालना चाहते। अगर हमें थोड़ा सा भी इशारा भी मिलता है तो हम यह करेंगे।

एडिटर्स गिल्ड को ...

रहे हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 4 सितंबर को कहा था कि एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और तीन सदस्यों के खिलाफ एक शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है और उन पर राज्य में *संघर्ष भड़काने* की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। मानहानि के अतिरिक्त आरोप के साथ गिल्ड के चार सदस्यों के खिलाफ दूसरी प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। सीएम एन बीरेन सिंह ने एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों को चेतावनी देते हुए कहा कि मैं एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों को भी चेतावनी देता हूं, अगर आप कुछ करना चाह रहे हैं, तो मौके पर जाएं, जमीनी हकीकत देखें, सभी समुदायों के प्रतिनिधियों से मिलें और फिर जो मिलें, सिर्फ उसे प्रकाशित करें। गिल्ड ने शनिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में, राज्य में इंटरनेट प्रतिबंध को मीडिया रिपोर्टों के लिए हानिकारक बताया था, कुछ मीडिया आउटलेट्स द्वारा एकतरफा रिपोर्टिंग की आलोचना की थी और दावा किया था कि ऐसे संकेत हैं कि राज्य का नेतृत्व *बदल गया है* पक्षपातपूर्ण संघर्ष समय के दौरान। आपको बता दें कि जिन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है उनमें एडिटर्स गिल्ड की अध्यक्ष सीमा मुस्तफा और तीन सदस्य हैं जिनके नाम हैं- सीमा गुहा, भारत भूषण तथा संजय कपूर शामिल हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल तृतीय अध्याय अध्याय

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(14)

लक्षण लक्षित लक्ष में, गुरुगम भेद अनाम।
परम देव अस्कम्भ है, उपदेश व सत्य नाम॥ 41॥

शब्दार्थ : (लक्षण) चिह्न, पहचान (लक्षित) जाना हुआ (लक्ष) उद्देश्य (अनाम) नामरहित।

भाष्य : निःशब्द, परम पुरुष सत्यनाम स्कंभ है। सद्गुरु-भेदमार्ग से सब लक्षणों से युक्त वह परम अक्षर, परमदेव प्राप्त होता है।

(15)

अमर मृत्यु जेहि आश्रिता, मय महान ब्रह्माण्ड।
पुरुष देह नाड़ी बने, सिन्धु अकाशप माण्ड॥ 42॥

शब्दार्थ : (अमर) अमृत, अमर जीवन (मृत्यु) मरण।

भाष्य : अमर, मृत्यु एवं समस्त महान ब्रह्मांड जिसके आश्रित हैं। समुद्र और आकाश पुरुष के शरीर में नाड़ियों के समान स्थित है।

तीन दिवसीय विस सत्र संपन्न

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश विधान सभा का 12वां तीन दिवसीय सत्र आज एक सरकारी विधेयक, अरुणाचल प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 पारित करने के साउ ही संपन्न हो गया। सत्र के आखिरी दिन आज राज्य में सरकारी नौकरियों में जिला कोटा जैसे विषयों पर विधायक वांगलिन लोवागंदोगं द्वारा उठाए गए सवालों पर चर्चा हुई, जिसमें मुख्यमंत्री पेमा खांडू समेत कई सदस्यों ने हिस्सा लिया। मुख्य मंत्री खांडू ने जिला कोटा पर जबावा देते हुए कहा कि सरकार ने अरुणाचल प्रदेश स्टाप सेलेक्शन बोर्ड (एएबी) को राज्य में सरकारी नौकरी भर्ती पारदर्शिता के लिए लाया गया और राज्य के भौगोलिक समस्या को देखते हुए जिला कोटा प्रणाली को भी रखा गया था मगर कुछ लोगों ने इस जिला कोटा मामले को कोर्ट तक लेकर गए। मामला अभी न्यायिक विचाराधीन है। कोर्ट ने अभी इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं सुनाया है। हालांकि सरकार मामले पर जोर दे रही है कि जिला कोटा होना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि कोर्ट में मामला पेश होने के कारण लगभग 700 जिला कोटा के पद खाली पड़े हुए हैं।

कई संगठनों के साथ राज्यभर में मची श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम

गुवाहाटी (हिंस)। आज सुबह 9 बजे से विश्व हिंदू परिषद का श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव शुरू हुआ। यह आयोजन राजधानी गुवाहाटी के फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला परिसर में हो रहा है। इस अवसर पर लड्डू गोपाल का जलाभिषेक किया गया। आज कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर गुवाहाटी के साथ ही राज्य भर में पूरे हर्षोलास एवं धूमधाम से विभिन्न प्रकार से उत्सव का आयोजन किया गया है। गुवाहाटी स्थित इस्कॉन मंदिर में इस दौरान विशेष रूप से उत्सव का आयोजन किया गया है। मंदिर में सुबह से ही कृष्ण भक्त श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही है। वहीं राज्य के सभी कृष्ण मंदिरों को भव्य तरीके से सजाया गया है। राज्यभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम मची हुई है। राज्य के विभिन्न नामघरों, सत्रों तथा कृष्ण भगवान के मंदिरों में अलग-अलग तरीके से कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज केंद्रीय रूप से विश्व हिंदू परिषद द्वारा फैंसी बाजार के सांगानेरिया धर्मशाला परिसर में श्रीकृष्ण जलाभिषेक का आयोजन किया गया। वहीं, इस्कॉन मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति तथा मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया। आज सुबह से ही देर रात तक श्रद्धालु भक्तों का तांता इस्कॉन मंदिर में लगा रहा। एक अन्य समाचार के अनुसार धुबड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव के महाप्रयाण के पावन तीर्थ स्थल कोचबिहार के मधुपुर सत्र में आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। सत्र समिति के प्रचार सचिव जुगांत बायन ने बताया कि मधुपुर सत्र के सत्राधिकार पितांबर भकत ने भागवत पाठ कार्यक्रम से जन्माष्टमी कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर उत्तर बंगाल के विभिन्न नामघरों से पहुंची आयती ने नाम कीर्तन की प्रस्तुति की। इसके साथ ही सत्र समिति द्वारा आयोजित सत्रीय नृत्य कार्यशाला में भाग लेने वाले कई बंगाली भाषी युवा2ओं ने सत्रीया नृत्य प्रस्तुत किया और श्रीकृष्ण की जीवन गाथा सुनाई। जन्माष्टमी के विभिन्न कार्यक्रमों में कोचबिहार क्षेत्र में गुरुजन की विचारधारा को मानने वाले सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और सत्र परिसर को गुरु वंदना से झंकृत कर किया।

एयर होस्टेस से बदसलूकी का आरोपी हुआ गिरफ्तार

कछार (हिंस)। सिलचर में एलायंस एयरलाइंस की फ्लाइट होस्टेस के साथ यात्रियों के दुर्व्यवहार के चलते उन्हें विमान से उतार दिया गया। जानकारी के अनुसार सुजीत दास नामक यात्री अपने मोबाइल फोन पर बात कर रहा था। जिसे देखएक एयर होस्टेस ने मोबाइल फोन बंद करने को कहा। इसपर नाराज व्यक्ति एयर होस्टेस के साथ बदसलूकी करने लगा। बाद में शिकायत के आधार पर सुजीत दास समेत 10 यात्रियों को विमान कानूनों का उल्लंघन करने पर विमान से उतार दिया गया और सुजित दास को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

सदन में पेश नहीं हुआ अरुणाचल प्रदेश मोनोगेमी चुनाव पात्रता विधेयक

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश महिला कल्याण संघ ने अरुणाचल प्रदेश मोनोगेमी चुनाव पात्रता विधेयक, 2023 को पेश नहीं करने पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए अरुणाचल प्रदेश विधान सभा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। यह विधेयक विधायक निनॉन्ग एरिंग ने सत्र के पहले दिन निजी सदस्यता संकल्प प्रस्ताव के रूप में लाया गया था लेकिन सदन में चर्च नहीं हो पयी और आज सत्र के आखिरी दिन विधायक की अनुपस्थिति के कारण यह विधेयक फिर से पेश नहीं हो सका। अरुणाचल प्रदेश महिला कल्याण संघ की अध्यक्ष कानी नाडा मॉलिंग ने महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा कराने में विफल रहने के लिए राज्य विधानमंडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य विधानसभा के इस सत्र में लैंगिक भेदभाव किया गया। उन्होंने सदन में इस मुद्दे को उठाने में महिला विधायिकाओं की चुप्पी पर भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि हम अरुणाचल प्रदेश मोनोगेमी चुनाव पात्रता विधेयक- 2023 का समर्थन करते हैं और राज्य सरकार को एक दिन बिल लाना ही होगा, हम यहीं नहीं रुकेंगे। हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखेंगे। उन्होंने राज्य सरकार से यह भी अपील की कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं और बालिकाओं का कल्याण चाहती है तो उन्हें महिलाओं से संबंधित मामलों में व्यावहारिक रूप से आना होगा, केवल कागजी कार्रवाई से बात नहीं बनेगी।

खेत्री में 57 मवेशी बरामद, नौ गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है। इसी कड़ी में खेत्री पुलिस की टीम ने तलाशी अभियान चलाकर 58 मवेशियों को लेकर जा रहे चार वाहन को जब्त किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना इलाके के राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर चलाए गए अभियान के दौरान तीन ट्रक और एक पिकअप वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों में अवैध तरीके से 57 मशियों की मेघालय के पशु बाजार तक तस्करी की जा रही थी। जब्त किए गए पशुओं को बड़े ही क्रूर तरीके से ट्रक के भीतर ले जाया जा रहा था। इस मामले में नौ पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गोदाम में लगी आग में लाखों का नुकसान

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका सोनापुर थाना क्षेत्र के चौदह माइल इलाके में लगी आग में देखते ही देखते एक गोदाम पूरी तरह जल गया। पुलिस ने बताया कि बुधवार तड़के 3.30 बजे चौदह माइल इलाके में स्थित एक गोदाम में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की कई टीमों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक गोदाम में मौजूद कार्टून, प्लास्टिक और शीशे की बोतलें जल गयी। आग बुझाने में 10 दमकल कर्मियों को कई घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। इस आगजनी को के चलते लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रेनों को किया गया रद्द और मार्ग-परिवर्तन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत गोरखपुर छावनी और कुसम्ही स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन की कमीशनिंग और गोरखपुर छावनी यार्ड के रिमॉडलिंग के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों के मद्देनजर उक्त सेक्शन से गुजरने वाली पूसी रेलवे की कुछ ट्रेनों को निम्नानुसार रद्द या मार्ग परिवर्तन किया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया है कि जि ट्रेनों की सेवाएं रद्द होंगी उनमें 07 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15621 (कामाख्या - आनंद विहार टर्मिनल) और 08 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15622 (आनंद विहार टर्मिनल - कामाख्या) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 07 और 11 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15705 (कटिहार - दिल्ली) एक्सप्रेस तथा 08 और 12 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15706 (दिल्ली - कटिहार) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 08 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15654 (जम्मू तवी - गुवाहाटी) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 04653 (न्यू जलपाईगुड़ी - अमृतसर जंक्शन) स्पेशल रद्द रहेगी। 09 और 10 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15707 (कटिहार - अमृतसर) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15708 (अमृतसर - कटिहार) एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 09 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05734 (कटिहार - अमृतसर जंक्शन) स्पेशल और 11 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05733 (अमृतसर जंक्शन - कटिहार) स्पेशल रद्द रहेगी। 10 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15655 (कामाख्या - श्री माता वैष्णो देवी कटरा) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 05616 (गुवाहाटी - उदयपुर सिटी) स्पेशल रद्द रहेगी। 11 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15078 (गोमती नगर - कामाख्या) एक्सप्रेस; 12 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15077 (कामाख्या - गोमती नगर) एक्सप्रेस और 13 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05615 (उदयपुर सिटी - गुवाहाटी) स्पेशल रद्द रहेगी। ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन - 06 से 08 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15707 (कटिहार जंक्शन - अमृतसर जंक्शन) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया छपरा जंक्शन, गाजीपुर सिटी, वाराणसी जंक्शन, बनारस, प्रयागराज जंक्शन और कानपुर सेंट्रल होकर चलाई जाएगी। 06 से 08 सितंबर तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15708 (अमृतसर जंक्शन - कटिहार जंक्शन) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, बनारस, वाराणसी जंक्शन, गाजीपुर सिटी और छपरा जंक्शन होकर चलाई जाएगी।

होजाई के अप्रादेशिक विद्यालयों मे भी शिक्षक दिवस मनाया गया

होजाई (विभास)। राज्य के अप्रदेशिक विद्यालयों के साथ होजाई जिले के अप्रादेशिक विद्यालयों मे भी शिक्षक दिवस मनाया गया। स्थानीय राष्ट्रभाषा विद्यालय हाईस्कूल के छात्र-छात्राओं ने धूमधाम के साथ शिक्षक दिवस का पालन किया। जिसमें विद्यालय कार्यकारिणी समिति के सचिव विद्यासागर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिका को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि यह विद्यालय 30 वर्षों से छात्र-छात्राओं को पाठ दान देते आ रहे हैं लेकिन शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को इसके बदले हम कुछ नहीं दे पा रहे हैं फिर भी यह शिक्षक शिक्षिकाएं 25- 30 वर्ष से पाठ दान करके अपनी सेवा दे रहे हैं। सरकार उनके साथ अन्याय कर रही है। हमें शिक्षक शिक्षिकाओं की आर्थिक दशा को देखकर बहुत ही दुख होता है लेकिन सरकार के आगे कुछ नहीं कर पा रहे हैं। सरकार हमारी बात ही नहीं सुन रही है। हमें इन शिक्षकों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकते ,क्योंकि यह अपना सब कुछ गवा कर हमारे बच्चों को पाठ दान दे रहे हैं। इतनी सेवा अगर कोई दूसरे देश में देता तो उसे *देश पत्न* सम्मान मिलता। वही विद्यालय के प्रधान अध्यापक शिवदयाल सिंह ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस के उपलक्ष में बधाई दी और शिक्षकों से अनुरोध किया चाहे कितनी भी मुश्किल आ जाए वह छात्र-छात्राओं को इसी तरह पाठ दान देते रहे। कर्म का फल अवश्य एक न एक दिन उन्हें प्राप्त होगा। सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधन करते हुए कहा जिस तरह किसान अपनी फसलों को देखकर खुश होता है उसी तरह शिक्षक भी अपने बच्चों की उन्नति को देखकर बहुत खुश होते हैं। छात्र-छात्राओं को अपनी पढ़ाई से मतलब रख कर आगे अपने भविष्य को उज्जवल बनाएं। अपने माता-पिता और गुरुजनों को कभी ना भूले उनके दिखाए गए मार्ग पर चले। वहीं दूसरी तरफ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अपने शिक्षक शिक्षकों का सम्मान देकर कुछ क्षण के लिए उनके दुखों को भुला दिया और उन्हें शिक्षक होने का गौरव प्रदान किया। उक्त जानकारी राष्ट्रभाषा हिंदी हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक शिवदयाल सिंह ने दी। वहीं शहर के मारवाड़ी हिंदी प्राथमिक विद्यालय व गांधी विद्यापीठ हाई स्कूल सहीत सभी स्कूलों में भी शिक्षक दिवस का पालन किया गया।

शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस

गुवाहाटी (विभास)। नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षक दिवस को उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल व प्राचार्य श्रीमती रीना भौमिक ने अपने अपने संबोधन में शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य व लघु नाटिका जैसे विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्कूल प्रबंधन ने शिक्षकों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। विद्यार्थी ने भी हस्तनिर्मित ग्रीटिंग कार्ड और अन्य उपहार के माध्यम से शिक्षकों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न नृत्य व नाटिका के प्रदर्शन से शिक्षकों के जीवन को दर्शाया गया था। अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन के माध्यम से शिक्षकों को भी प्रेरित किया, जिससे सभी शिक्षकों में एक नई उर्जा का संचार हुआ। उन्होंने शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से स्कूल को आने वाले वर्षों में और अधिक समृद्ध होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, शिक्षक व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

बाघमारा चर में प्रतिबंधित भांग की खेती के खिलाफ पुलिस का छापा

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के आलोपतिचर पुलिस थाने के अंतर्गत बाघमारा चर में आज अवैध गांजे की खेती के खिलाफ एक अभियान शुरू किया गया। लंबे समय से, उक्त क्षेत्र में परिवारों का एक वर्ग गुप्त रूप से वाणिज्यिक आधार पर भांग के पेड़ों की खेती कर रहा है। आज आलोपति चर थाना प्रभारी प्रकाश डेका की देखरेख में पुलिस की एक टीम ने बाघमारा चर में भांग की खेती के खिलाफ अभियान चलाया। एक ही गांव के आठ परिवारों के घरों में भांग की खेती के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान लगभग सौ भांग नष्ट कर दिए गए और उनमें आग लगा दी गई। प्रतिबंधित भांग की खेती के खिलाफ इस तरह की पुलिस कार्रवाई को क्षेत्र के जागरूक लोगों ने काफी सराहा है।

चाबुआ में बिजली कर्मी की करंट लगने से मौत

तिनसुकिया (हिंस)। जिले के चाबुआ के मोकालबाड़ी में बिजली कर्मी की काम के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रहमरिया चापरी गांव के प्रशांत दास के रूप में हुई है। हादसे के दौरान मृतक प्रशांत दास बिजली विभाग की मरम्मत का काम कर रहे थे। काम करते समय संबंधित विभाग के प्रभारी कर्मचारी द्वारा कथित तौर पर बिजली की आपूर्ति बहाल करने की वजह से यह दुर्घटना हुई। घटना को लेकर बिजली नियंत्रण कक्ष में अफरा-तफरी मच गई। आक्रोशित लोगों ने कंट्रोल रूम कार्यालय को घेर लिया। आक्रोशित लोग दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

विवेकानंद कल्याण केंद्र जातीय विद्यालय में शिक्षक दिवस आयोजित

गुवाहाटी। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर के अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका के नेतृत्व में क्लब द्वारा प्रायोजित *लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी* एवं *लियो क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर सम्राट* के साथ संयुक्त रूप से शिक्षक दिवस का कार्यक्रम धूमधाम के साथ पालन किया गया। गुवाहाटी शहर के उदालबाकरा में स्थित क्लब द्वारा अधिग्रहित विद्यालय *विवेकानंद कल्याण केंद्र जातीय शिक्षा निकेतन* के प्रांगण में लायन नीरू काबरा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम की शुरुआत में लायन अलका जैन के संयोजन में *लायंस क्लब ऑफ मुंबई सियोल* द्वारा प्रायोजित 10 पंखे स्कूल को प्रदान किए गए। आज के कार्यक्रम के विशेष अतिथि लायंस के भूतपूर्व जिलापाल लायन एम एल अग्रवाल ने विद्यालय को 11 000 रुपए का आर्थिक अनुदान प्रदान किया। कार्यक्रम की संयोजिका लायन शिवानी शर्मा के संयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षकों को फुलाम गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया एवं प्रत्येक शिक्षक को भेट स्वरूप बेडशीट एवं 1100 की आर्थिक भेट प्रदान की गई। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी स्मार्ट सिटी की अध्यक्ष लायन श्वेता अग्रवाल एवं सचिव लायन मधु खाखोलिया के सौजन्य से सभी शिक्षकों को छाते प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय के सभी छात्रों के बीच चाकलेट आदि बांटी गई। इसके साथ ही लायन बबीता चौधरी के संयोजन में *वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी* के तहत लायन मीनाक्षी माथुर, लायन रोमील गग्गड और लायन ममता मुरारका के संचालन में *जरूरतमंदों को भोजन* कार्यक्रम के अंतर्गत 200 लोगों को भोजन भी प्रदान किया गया। लियो क्लब की अध्यक्ष बंदिता देशमुख सहित लियो सदस्यों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर काफी उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यालय के प्रबंधको एवं शिक्षकों ने आज के कार्यक्रम के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलिया ने बताया कि क्लब की भूतपूर्व अध्यक्ष लायन बेला नाउका सहित लायन अशोक अग्रवाल, लायन विजय शर्मा, लायन ललिता चौरडिया, लायन शिल्पा जैन, सहित क्लब के सदस्यों की भारी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के समापन पर क्लब के अध्यक्ष लायन प्रमोद हरलालका ने सभी पदाधिकारीयो और सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

वायुसेना की मेजबानी में हिंडन एयरबेस पर 25-26 को होगा स्वदेशी ड्रोन का प्रदर्शन

- भारतीय ड्रोन उद्योग की पूरी क्षमता के साथ 50 से अधिक लाइव हवाई प्रदर्शन करेगा
- मेहर बाबा प्रतियोगिता की पहल से दो साल के भीतर भारत में ड्रोन का प्रचलन बढ़ा

नई दिल्ली, (हि.स.)। रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया के कई देशों ने ड्रोन की अहमियत समझी है और पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता पूरे विश्व में तेजी से बढ़ी है। भारत समेत कई देश खुद ड्रोन बनाना शुरू कर चुके हैं, जिससे देश की ताकत बढ़ेगी। भारत के सैन्य क्षेत्र में ड्रोन तकनीक ने क्रांति ला दी है। भारत का ड्रोन उद्योग 25-26 सितंबर को वायु सेना के हिंडन एयरबेस पर लाइव हवाई प्रदर्शन करेगा। भारतीय सशस्त्र बल खुफिया निगरानी और टोही कार्यों के लिए बड़े पैमाने पर दूर से संचालित विमान का उपयोग करते हैं। इधर, दो साल के भीतर भारत में भी ड्रोन का इस्तेमाल और विकास क्षमताओं में इसका विश्वास मेहर बाबा स्वार्म ड्रोन प्रतियोगिता जैसी पहलों से पैदा हुआ है। इस प्रतियोगिता का नाम दिवंगत एयर कमोडोर मेहर सिंह के सम्मान में रखा गया था।

स्वदेशी क्षमता का इस्तेमाल करके इस प्रतियोगिता के तीसरे चरण की तैयारियां भी चल रही हैं। सबसे पहले अक्टूबर 2018 में लॉन्च की गई मेहर बाबा स्वार्म ड्रोन चुनौती का उद्देश्य आपदा राहत कार्यों की प्रतिक्रिया सहित विभिन्न डोमेन के उपयोग के लिए स्वार्म ड्रोन के विकास को प्रोत्साहित करना था। स्वार्म ड्रोन-आधारित प्रणाली विकसित करने को लेकर स्टेट-अप्स के लिए 'मेहर बाबा' स्वार्म ड्रोन प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण 6 अप्रैल 2022 को लॉन्च किया गया था। इन

मानवरहित प्लेटफार्मों का उपयोग करने में अपने समृद्ध अनुभव का फायदा उठाने के लिए वायुसेना भारत ड्रोन शक्ति 2023 की सह-मेजबानी ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी कर रही है। वायुसेना के विंग कमांडर आशीष मोघे के मुताबिक 25 और 26 सितंबर को यह कार्यक्रम वायु सेना के हिंडन (गाजियाबाद) एयरबेस पर आयोजित किया जाएगा, जहां भारतीय ड्रोन उद्योग लाइव हवाई प्रदर्शन करेगा। इसमें भारतीय ड्रोन उद्योग की पूरी क्षमता के साथ 50 से अधिक लाइव हवाई प्रदर्शन करेगा, जिसमें सर्वेक्षण ड्रोन, कृषि ड्रोन, आग दमन ड्रोन, सामरिक निगरानी ड्रोन, हेवी-लिफ्ट लॉजिस्टिक्स ड्रोन, लोटरिंग मूनिशन सिस्टम प्रदर्शित होंगे। विंग कमांडर मोघे के मुताबिक इस कार्यक्रम में केंद्र सरकार, राज्य विभागों, सार्वजनिक और निजी उद्योगों, सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों, मित्र देशों के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, छात्रों और ड्रोन उत्साही लोगों सहित लगभग 5,000 लोगों के आने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 'भारत ड्रोन शक्ति' 2030 तक वैश्विक ड्रोन हब बनने की भारत की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देगा।

भारत मंडपम में नटराज की मूर्ति भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं का प्रमाण होगी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत मंडपम में भव्य नटराज प्रतिमा भारत के समृद्ध इतिहास और संस्कृति के पहलुओं को जीवंत करती है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आ-ईजीएनसीए) द्वारा एक्स पर साझा एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, भारत मंडपम में भव्य नटराज प्रतिमा हमारे समृद्ध इतिहास और संस्कृति के पहलुओं को जीवंत करती है। जैसे ही दुनिया जी20 शिखर सम्मेलन के लिए एकत्रित होगी, यह भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं के प्रमाण के रूप में खड़ा होगा।" आईजीएनसीए ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत मंडपम में अष्टधातु से बनी नटराज की मूर्ति

स्थापित है। 27 फीट ऊंची, 18 टन वजनी यह मूर्ति अष्टधातु से बनी सबसे ऊंची मूर्ति है और इसे तमिलनाडु के स्वामी मलाई के प्रसिद्ध मूर्तिकार राधाकृष्णन स्थापति और उनकी टीम ने रिकॉर्ड 7 महीने में तैयार किया है। चोल साम्राज्य काल से ही राधाकृष्णन की 34 पीढ़ियाँ मूर्तियाँ बना रही हैं। ब्रह्मांडीय ऊर्जा, रचनात्मकता और शक्ति का महत्वपूर्ण प्रतीक नटराज की यह प्रतिमा जी20 शिखर सम्मेलन में आकर्षण बनने जा रही है। यह प्रतिष्ठित परियोजना संस्कृति मंत्रालय की टीम आईजीएनसीए द्वारा संचालित की जाती है।

संसद के विशेष सत्र में बुनियादी मुद्दों पर हो चर्चा : सोनिया गांधी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व सांसद सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि संसद के विशेष सत्र में जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर चर्चा कराई जाए। सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर नौ मुद्दों पर चर्चा की मांग की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सोनिया गांधी ने संसद के विशेष सत्र बुलाने को लेकर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर से बुलाए गए संसद के विशेष सत्र को लेकर सरकार ने विपक्ष से चर्चा नहीं की और न ही सत्र के दौरान चर्चा के विषयों को साझा किया है। सरकार को बताना चाहिए कि वह विशेष सत्र क्यों बुला रही है और इस-का एजेंडा क्या है? सोनिया गांधी के कहा कि हम निश्चित रूप से विशेष सत्र में भाग लेना चाहते हैं, क्योंकि इससे हमें सार्वजनिक मुद्दों को उठाने

का अवसर मिलेगा। सोनिया गांधी ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि सत्र के दौरान आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों, बढ़ती बेरोजगारी, असमानताओं में वृद्धि और एमएसएमई के संकट पर ध्यान देने के साथ वर्तमान आर्थिक स्थिति पर चर्चा होगी। सोनिया गांधी ने कहा कि वह चाहती हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य सहित किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों, अडानी विषय, मणिपुर हिंसा और हरियाणा जैसे विभिन्न राज्यों में सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि, भारत-चीन सीमा मुद्दा, जातिगत जनगणना की तत्काल आवश्यकताओं, केंद्र-राज्य संबंधों को पहुंचाये जा रहे नुकसान सहित कुछ राज्यों में अत्यधिक बाढ़ और कुछ में सूखे के कारण प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव आदि के मुद्दों पर सदन में चर्चा हो।

प्रधानमंत्री मोदी 14 सितंबर को रायगढ़ आएंगे, कोड़ातराई में जनसभा को संबोधित करेंगे

रायगढ़, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रायगढ़ आएंगे। पीएम मोदी की सभा के मद्देनजर बुधवार 6 सितंबर को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद अरुण साव व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल रायगढ़ आएंगे। मोदी कोड़ातराई में जनसभा को संबोधित करेंगे। विदित हो कि पहले बीते 17-19 अगस्त को पीएम की सभा प्रस्तावित थी, लेकिन ऐन मौके पर उनका कार्यक्रम टल गया था। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व बेहद सतर्क है। रायगढ़ शहर से पांच से सात किलोमीटर दूर कोड़ातराई में पीएम मोदी की ये सभा होने वाली है। शनिवार को बीजेपी के दिग्गज नेताओं ने सभा स्थल का निरीक्षण किया। इसमें प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव शामिल थे। पीएम दौरे को लेकर बीजेपी की तैयारियां पिछले एक सप्ताह से तेज हुई हैं। सभास्थल की व्यवस्था से

लेकर भीड़ जुटाने तक को लेकर लगातार मीटिंग हो रही है। दो दिन पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और छत्तीसगढ़ के सह चुनाव प्रभारी मनसुख मंडाविया ने जिले की पांच विधानसभा की कोर कमेटी की बैठक ली है। पार्टी सूत्रों एवं जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार 14 सितंबर को पीएम मोदी रायगढ़ आएंगे। पीएम के दौरे की आरंभिक सूचना जिला कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा व एसएसपी सदानंद कुमार को मिल गई है। मोदी विशेष विमान से जिंदल एयरपोर्ट आएंगे। जहां से हेलिकॉप्टर से कोड़ातराई जाएंगे। प्रदेश नेतृत्व ने पीएम मोदी की आमसभा के लिए कोड़ातराई का चयन किया क्योंकि कोड़ातराई की आमसभा के माध्यम से रायगढ़ विधानसभा के अलावा खरसिया व चन्द्रपुर विधानसभा क्षेत्र को भी फोकस किया जा सके। इस सिलसिले में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष 6 सितंबर को जिला भाजपा कार्यालय में एक आवश्यक बैठक लेंगे।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी बोले, विपक्ष को भारत नाम से आपत्ति क्यों है?

देहरादून, (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इंडिया बनाम भारत पर भारत के विरुद्ध शब्दजाल बुनने पर विपक्ष को आड़े हाथों लिया है। मुख्यमंत्री ने इंडिया बनाम भारत पर मचे भारत पर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। बुधवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट कहा कि विपक्ष को भारत शब्द से परेशानी क्या है? उन्होंने कहा कि हम सभी बचपन से भारत माता की जय ही कहते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के जो बयान आ रहे हैं वो बताते हैं कि सनातन धर्म के प्रति उनकी क्या सोच है? उन्होंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि गठबंधन में शामिल तमाम बड़े नेताओं के बयानबाजी के बावजूद सोनिया और

राहुल गांधी का मौन रहना, इस बयान का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि भारत ही सही शब्द है। राष्ट्रपति का भारत शब्द का प्रयोग किया जाना सर्वथा उचित है। जी-20 शिखर सम्मलेन के दौरान राष्ट्रपति की ओर से दिए जाने वाले रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखे जाने पर राजनीतिक महाभारत छिड़ गई है। इसको लेकर विपक्ष ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार देश के दोनों नामों इंडिया और भारत में से इंडिया को बदलना चाहती है।

जी-20 शिखर सम्मेलन के रात्रि भोज में ममता बनर्जी को भी निमंत्रण, शेख हसीना से होगी मुलाकात

कोलकाता, (हि.स.)। जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले राष्ट्राध्यक्षों के लिए आयोजित रात्रि भोज में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के इस रात्रि भोज में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भी शामिल होंगी। राज्य सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कि रात्रिभोज में ममता बनर्जी की मुलाकात शेख हसीना से होगी। यह रात्रिभोज नौ सितंबर को होगा। इससे अलावा 13 सितम्बर को आईएनडीआईए गठबंधन की बैठक भी होनी है। इसमें भी ममता को शामिल होना है। यहां विपक्षी नेताओं के संग ममता की मुलाकात होगी। इस-

के पहले दिल्ली में हसीना संग ममता की बैठक पर भी निगाहें टिकी हैं। हालांकि शेख हसीना के साथ ममता बनर्जी की मुलाकात का कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं है लेकिन दोनों के बीच तालमेल इतना बेहतर है कि वे अलग से मुलाकात के लिए समय निकाल लेती हैं। खास बात यह है कि पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी जल समझौता को लेकर लंबे समय से सहमति नहीं बन पा रही है। ऐसे में दोनों के बीच क्या कुछ बात होगी इस पर निगाहें टिकी हुई हैं।

पं. बंगाल के कन्याश्री विश्वविद्यालय के अंतरिम कुलपति होंगे प्रो. काजल दे, राज्यपाल ने की नियुक्ति

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए राज्यपाल डॉक्टर सीवी आनंद बोस ने नदिया जिले के कृष्ण नगर स्थित कन्याश्री विश्वविद्यालय में प्रोफेसर काजल दे को अंतरिम कुलपति नियुक्त किया है। वह इसी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। राजभवन ने मंगलवार रात जारी बयान में यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर भी राज्यपाल और ममता सरकार के बीच टकराव बढ़ सकता है। उल्लेखनीय है शिक्षक दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता ने कहा था कि राज्यपाल अगर इसी तरह डिस्टर्ब करते रहेंगे तो राज्य सरकार को बाध्य होकर कड़ा फैसला करना पड़ेगा। जो विश्वविद्यालय राज्यपाल के आदेश का अनुपालन करेंगे उनका फंड रोक दिया जाएगा। इस समय राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों में स्थायी कुलपति नहीं होने की वजह से छात्र- छात्राओं को डिग्री लेने और अन्य प्रशासनिक फैसले लेने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। इस वजह से राज्यपाल ने घोषणा की थी कि पदेन कुलाधिपति होने के नाते वह ऐसे विश्वविद्यालयों के लिए कुलपति की भी जिम्मेवारी निभाएंगे। इस पर शिक्षा मंत्री ने सवाल खड़े कर कोर्ट जाने की चेतावनी दी थी। राज्यपाल दो दिन पहले 16 विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति कर चुके हैं।

दिल्ली मेट्रो का परिचालन 8, 9, 10 सितंबर को सुबह 4 बजे से हो

- पुलिस कमिश्नर ने डीएमआरसी को लिखा पत्र

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) से जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर मेट्रो का परिचालन 8, 9, 10 सितंबर को सुबह 4 बजे से करने को कहा है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने डीएमआरसी को पत्र लिखा है। पुलिस कमिश्नर अरोड़ा ने कहा है कि 8, 9 और 10 सितंबर को तीन दिन मेट्रो सुबह 4 बजे से चलाई जाए, जिससे आम लोगों के साथ ड्यूटी पर जानेवाले पुलिसकर्मियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा है कि इस दौरान ट्रैफिक रिस्ट्रिक्शन के कारण नई दिल्ली और दक्षिणी पश्चिमी-

दिल्ली में परेशानी हो सकती है। इसलिए ऐसा करना जरूरी है, जिससे पुलिसकर्मी समय से पहुंचकर ड्यूटी पर रिपोर्ट कर पाए। पत्र में साफ किया गया है कि दिल्ली पुलिस के 40 हजार से ज्यादा जवान जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा और अन्य तरह की ड्यूटी में लगाए गए हैं। यह पुलिसकर्मी और अन्य स्टाफ समय पर तय जगह पर पहुंच जाए, इसलिए मेट्रो का परिचालन सुबह 4 बजे से किया जाए।

जी-20 में जो भी प्रतिनिधि शामिल होगा, वह बेहद गंभीर होगा : एस. जयशंकर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि जी-20 में जो भी प्रतिनिधि शामिल होगा वह अपने देश की स्थिति को गंभीरता से रखेगा। उन्होने यह बात पुतिन और जिनपिंग के जी-20 में शामिल नहीं होने को लेकर कही। बता दें कि भारत की राजधानी दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को जी-20 समिट होने जा रहा है। इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग हिस्सा नहीं लेंगे। इन दोनों नेताओं के जी-20 समिट में हिस्सा न लेने पर भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुझे लगता है कि जी-20 में अलग-अलग समय पर कुछ ऐसे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री रहे हैं, जिन्होंने किसी वजह से न आने का फैसला किया है। लेकिन उस अवसर पर जो भी उस देश का प्रतिनिधि होता है, वह अपने देश और उसकी स्थिति

को सामने रखता है। मुझे लगता है कि हर कोई बहुत गंभीरता के साथ आ रहा है। दरअसल, भारत में हो रही जी-20 समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल नहीं होंगे।

उनकी जगह चीनी पीएम ली कियांग के नई दिल्ली में 9-10 सितंबर की बैठक में बीजिंग का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह भारत नहीं आ रहे हैं और उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जी-20 समिट में हिस्सा लेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से जब शी जिनपिंग के भारत न आने की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा, चीनी प्रीमियर ली चियांग भारत में होने वाले जी-20 सम्मेलन में देश का नेतृत्व करेंगे। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए जी-20 एक अहम मंच है। इस सम्मेलन के कार्यक्रमों में शामिल होना चीन के लिए बेहद अहम है। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के भारत न आने के पीछे की वजह नहीं बताई।

भारत इंडिया विवाद को लेकर थरूर ने सत्ता पक्ष पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत इंडिया विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दल सरकार पर अनेक आरोप लगा रहे हैं। विपक्ष का तर्क है कि मोदी सरकार इंडिया गठबंधन से डरी हुई है। इसलिए सरकार अब इंडिया कहने की बजाय भारत कहना शुरू कर रही है। इसी क्रम में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी सरकार की आलोचना की है। थरूर ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि विपक्ष खुद को अलायंस फॉर बेटरमेंट, हार्मनी एंड

रिस्पॉन्सिबल एडवांसमेंट फॉर टुमॉरो (भारत) कहने लगे तो शायद सत्ता पक्ष नाम बदलने की कोशिश छोड़ दे। थरूर ने एक अन्य बयान के माध्यम से भी सत्ता पक्ष पर हमला किया। उन्होंने कहा कि इंडिया शब्द को लेकर पाकिस्तान से संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने भी आपत्ति जताई थी। अब सत्ता पक्ष भी उसी रास्ते पर है। उल्लेखनीय है कि जी-20 से संबंधित एक पत्र मंगलवार को राष्ट्रपति ने जारी किया। जिसमें उन्होंने प्रेसीडेंट ऑफ भारत (भारत के राष्ट्रपति) के तौर पर संबोधित किया। इसको लेकर विपक्ष ने विवाद खड़ा कर दिया। विपक्ष का कहना है कि इंडिया गठबंधन से सरकार डर गई है। इस लिए इंडिया नाम से परहेज कर रही है।

धरती की दूसरी कक्षा में पहुंचा आदित्य एल-1, सूर्य की ओर बढ़ाया अगला कदम

नई दिल्ली। अदित्य एल1 को धरती की दूसरी कक्षा में पहुंचा दिया गया है। इसरो से मिली जानकारी के मुताबिक देश के पहले सूर्य मिशन आदित्य एल1 की पृथ्वी की कक्षा से संबंधित दूसरी प्रक्रिया मंगलवार तड़के सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई। इसरो के मुताबिक, कक्षा संबंधी दूसरी प्रक्रिया को बेंगलुरु स्थित इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क से अंजाम दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया कि पृथ्वी की कक्षा से संबंधित दूसरी प्रक्रिया (ईबीएन#2) आईएसटीआ-

रएसी, बेंगलुरु से सफलतापूर्वक निष्पादित की गई। मॉरीशस, बेंगलुरु और पोर्ट ब्लेयर में आईएसटीआरएसी तथा इसरो के केंद्रों ने इस अभियान के दौरान उपग्रह की निगरानी की। प्राप्त की गई नयी कक्षा 282 किलोमीटर ७ 40225 किलोमीटर है। इसरो ने बताया कि आदित्य एल1 की पृथ्वी की कक्षा से संबंधित तीसरी प्रक्रिया 10 सितंबर, 2023 को भारतीय समयानुसार देर रात लगभग ढाई बजे निर्धारित है। आदित्य एल1 पहली भारतीय अंतरिक्ष आधारित वेधशाला है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर स्थित पहले सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु (एल-1) में रहकर सूरज के बाहरी वातावरण का अध्ययन करेगी। गौरतलब है कि इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी57) ने दो सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) के दूसरे लॉन्च पैड से आदित्य एल1 का सफल प्रक्षेपण किया था। इस उपग्रह की कक्षा संबंधी पहली प्रक्रिया को तीन सितंबर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया था। आदित्य एल1 को लैग्रेंज बिंदु एल-1 की तरफ स्थानांतरण कक्षा में प्रवेश करने से पहले कक्षा संबंधी दो और प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इस उपग्रह के लगभग 127 दिनों के बाद एल-1 बिंदु पर इच्छित कक्षा में पहुंचने की संभावना है।

राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखा जाना गौरवमयी क्षण : अतुल कोठारी

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति भवन की ओर से भेजे गये जी-20 डिनर के निमंत्रण पत्र पर "प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया" के स्थान पर प्रेसिडेंट ऑफ भारत" लिखा जाना भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव का प्रसंग है। हम चिरकाल से इंडिया नहीं भारत ही हैं। यह बात शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कही। अतुल कोठारी ने कहा कि इस प्रकार के प्रयोगों से ही भारत की जनता का स्वाभिमान और अधिक मजबूत होगा। विद्यार्थी जीवन से बच्चों में स्व का गौरव जगे, इसके लिए हमारी सभी शिक्षण संस्थाओं में तथा पाठ्यक्रमों में भारत नाम का ही प्रयोग हो, इस पर विचार करना चाहिए। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास कुछ वर्षों से लगातार यह विषय उठाता रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के संविधान में इंडिया दैट इज भारत के स्थान पर केवल "भारत" का ही प्रयोग किया जाना चाहिए। अब समय आ गया है इस सकारात्मक प्रयास को संवैधानिक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। आने वाले समय में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास इस विषय को अभियान के रूप में लेकर देशभर में जन-जागरण करेगा। साथ ही आगामी विश्व कप में भारतीय टीम की वेशभूषा पर भारत लिखने की बात का न्यास समर्थन करता है तथा भारतीय क्रिकेट बोर्ड से आग्रह करता है कि टीम इंडिया के स्थान पर टीम भारत शब्द का प्रयोग करना चाहिए। न्यास ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अभिनंदन पत्र के साथ यह निवेदन किया है कि सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आईआईटी और एम्स आदि सभी संस्थानों के नामों में इंडिया के स्थान पर क्रमशः भारत का प्रयोग प्रारंभ करें।

राहुल गांधी एक सप्ताह के लिए यूरोपी दौरे पर रवाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक सप्ताह के लिए यूरोपीय देशों के दौरे पर रवाना हो गए हैं। इस दौरान वह यूरोपीय संघ (ईयू) के वकीलों, छात्रों और भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी सात सितंबर को ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के वकीलों के एक समूह से मिलेंगे और हेग में भी इसी तरह की एक बैठक करेंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष आठ सितंबर को पेरिस के एक विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार उनका नौ सितंबर को पेरिस में फ्रांस के श्रमिक संगठन की बैठक में भी भाग लेने का कार्यक्रम है। इसके बाद

वह नॉर्वे जाएंगे, जहां पर वह 10 सितंबर को ओस्लो में प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जी-20 शिखर सम्मेलन समाप्त होने के एक दिन बाद 11 सितंबर तक लौट आने की संभावना है। गौरतलब है कि जी-20 शिखर सम्मेलन नौ-10 सितंबर को दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

'भारत बनाम इंडिया' के मसले पर हस्तक्षेप करे सुप्रीम कोर्ट : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि 'भारत बनाम इंडिया' के मसले पर सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए। मायावती ने आरोप लगाया कि यह सबकुछ सत्तापक्ष और विपक्ष की मिलीभगत का नतीजा है। मायावती ने पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत अर्थात इंडिया देश का चिर-परिचित एवं गरिमामय संवैधानिक नाम है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के इस पवित्र संविधान से अपने देश के सभी जाति एवं धर्मों के लोगों का बेहद लगाव है। इसके साथ बदलाव अथवा छेड़छाड़ करना उचित और न्यायसंगत नहीं है। इस मामले में हमारी पार्टी का यह मानना है कि यह घोर अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के नाम को लेकर भाजपा-नीत राजग सरकार को यह मौका खुद विपक्ष ने सोची-समझी रणनीति के तहत अपने गठबंधन का नाम 'आईएनडीआईए' रखकर दिया है। यह सबकुछ सत्तापक्ष व विपक्ष की मिलीभगत से हो रहा है। मायावती ने कहा कि बसपा की मांग है कि सुप्रीम कोर्ट को खुद इसका संज्ञान लेकर यहां ऐसे सभी संगठनों, पार्टियों व गठबंधनों आदि पर तुरंत रोक लगाना चाहिए, जो विशेषकर अपने देश के नाम पर बने हैं। वर्ना फिर अपने देश की गरिमा को भी काफी ठेस पहुंचेगी।

इंटरनेशनल ट्रेड शो के जरिए पूरी दुनिया में गूंजेगा प्रभु श्रीराम का नाम

लखनऊ, (हि.स.)। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर व मार्ट में 21 से 25 सितम्बर के मध्य आयोजित हो रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित होने वाले सांकृतिक कार्यक्रमों के केंद्र में प्रभु श्रीराम होंगे। योगी सरकार का मानना है कि भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के कई अन्य देशों की आस्था का केंद्र भी प्रभु श्री राम ही हैं। ऐसे में, इंटरनेशनल ट्रेड शो के आयोजन में भी इसे पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ सांस्कृतिक विरासत के तौर पर समूचे विश्व के आगे प्रदर्शित करने की विस्तृत कार्ययोजना पर योगी सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप, यह कार्यक्रम व्यवसायिक अवसरों को विस्तार देने के मंच से बढ़कर विश्व को एक सांस्कृतिक डोर में बांधने का माध्यम भी बनेगा।

दुनिया की आस्था के केंद्र हैं श्रीराम – राज्य सरकार के एक प्रवक्ता का कहना है कि बात चाहे थाइलैंड की हो, मलेशिया की हो, इंडोनेशिया की हो या फिर साउथ कोरिया की, इन सभी देशों की आस्था के केंद्र में प्रभु श्रीराम रहे हैं। ऐसे में, इंटरनेशनल ट्रेड शो में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रभु श्रीराम से जुड़े संस्मरणों, लोक कलाओं, गायन व नृत्य नाटिकाओं का मंचन कर उन्हें वैश्विक पटल पर व्यापकता के साथ दशार्ने की कार्ययोजना तैयार कर उसके क्रियान्वयन की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रवक्ता ने बताया कि इंटरनेशनल ट्रेड शो में हिस्सा लेने जो अतिथि विश्व भर से आ रहे हैं उनकी आवभगत के लिए भी योगी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती।

कार्ययोजना के अनुरूप, माना जा रहा है कि कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विशिष्ट अतिथियों का स्वागत कल्चरल ग्रुप के आर्टस्ट्स करेंगे और उनके लोक गीतों प्रभु श्रीराम से जुड़े लोकगीत प्रमुख होंगे। इतना ही नहीं, कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे हस्तशिल्पियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों में भी प्रभु श्रीराम की झलक देखने को मिलेगी। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के इनॉगरल सेशन में एक कल्चरल टैब्ल्यू का प्रेजेंटेशन होगा जिसमें ब्रज, पूर्वांचल, अवध, पश्चिमांचल, रूहेलखंड व बुंदेलखंड के कलाकारों की प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। इनमें से 12 कलाकार मंच पर अतिथियों को लेकर आएंगे और उनका स्वागत भी करेंगे। निश्चित तौर पर अवध और बुंदेलखंड के कलाकारों में प्रभु श्रीराम से जुड़े लोक गीतों की प्रमुखता रहेगी। इसके अतिरिक्त, लोक गायन, राम गान और रामायण पर आधारित कथक नृत्य नाटिका का मंचन भी सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रमों के दौरान किया जाएगा।

संगीत के सुरों से सजेगी सांस्कृतिक संध्या – ट्रेड शो के दौरान 5 दिनों में आयोजित होने वाले कुल 6 सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अलग-अलग परफॉर्मेंसेस के आधार पर चिह्नित किया गया है। इस क्रम में कल्चरल टैब्ल्यू के अतिरिक्त स्वर संगम सेशन के दौरान जुगलबंदी और सूफी गायन के जरिए समां बांधा जाएगा। जबकि उत्तर प्रदेश के रंग लोक के संग सेशंस के दौरान अलग-अलग दिनों में रिदम रसरंग, सुगम संगीत, अनुराद म्यूजिकल बैंड की प्रस्तुति, लोक गायन, श्रीराधा-माधव नृत्य, राम गान, रामायण पर आधारित कथक नृत्य नाटिका व गायन प्रस्तुति के जरिए ट्रेड शो में आए लोगों को सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराते हुए मनोरंजन सुलभ कराने की कार्ययोजना पर कार्य हो रहा है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार इंटरनेशनल ट्रेड शो में ईशा फाउंडेशन के फाउंडर व स्पीरिचुअल गुरू सद्गुरू भी एक सेशन में हिस्सा ले सकते हैं। माना जा रहा है कि इस कार्यक्रम में वह शिरकत करके इंटरैक्टिव सेशन के माध्यम से न केवल आध्यात्म से जुड़े कुछ गूढ़ विशयों पर चर्चा कर सकते हैं बल्कि व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक गुणों से संबंधित व्यवहारिक ज्ञान व सूक्ति को लेकर भी चर्चा कर सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सम्मिलित होंगी। वहीं, कई अन्य केंद्रीय मंत्री भी ट्रेड शो के विभिन्न सेशंस में बतौर चीफ व स्पेशल गेस्ट अपनी भूमिकाओं का निर्वहन करेंगे।

लगातार तीसरे दिन हड़ताल पर रहे अधिवक्ता, निकाला पैदल मार्च

मुरादाबाद, (हि.स.)। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद का आंदोलन लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। बुधवार दोपहर को बार के अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सेना व महासचिव अभय ठाकुर के नेतृत्व बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य ठप कर अपना रोष जताते हुए पैदल मार्च निकाला। दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के महासचिव अभय ठाकुर ने बताया कि हापुड़ में हुई घटना को लेकर यदि हमारी मांगें 7 सितंबर तक नहीं मानी गई तो बार काउंसलिंग के आह्वान पर 8 सितंबर से प्रदेश भर के अधिवक्ता बेमियादी हड़ताल पर चले जाएंगे। अभय ठाकुर ने कहा कि हमारी मुख्यमंत्री से मांग की है कि हापुड़ के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक अविलंब स्थानांतरण किया जाए, दोषी पुलिस कर्मियों जिन्होंने बर्बरतापूर्वक लाठी चार्ज किया है और महिला अधिवक्ताओं को भी पीटने का काम किया है, उन पर मुकदमा दर्ज हो। प्रदेश में अधिवक्ताओं के खिलाफ पुलिस द्वारा मनगढ़ंत झूठी कहानी बनाकर जो मुकदमें दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस किया जाए, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पारित कर तुरंत प्रदेश में लागू किया जाए, हापुड़ के घायल अधिवक्ताओं को तुरंत मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर पैदल मार्च में अभिषेक भटनागर, मयंक श्रोत्रिय, दिनेश चंद्र तिवारी, आदेश श्रीवास्तव, सुरेश चंद्र गुप्ता, अमीरूल हसन जाफरी, आनंद मोहन गुप्ता, विनय कौशिक, प्रदीप सिन्हा, पारुल अग्रवाल, विनीत भटनागर, खलील अहमद, हरिशंकर आर्य, सीता सैनी, रमा पांडे, अलका शर्मा, ओमप्रकाश सिंह,कमल कौशल सिंह, मनीष प्रताप सिंह, संजीव राघव, रवि कुमार सिंह सहित अन्य अधिवक्ता शामिल रहे।

स्मार्ट होगी क्लास तो स्मार्ट होंगे छात्र, उप्र की शिक्षा प्रणाली में होगा बड़ा बदलाव

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश को निपुण प्रदेश बनाने तथा कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए योगी सरकार डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा दे रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर चयनित 18,381 परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया है। साथ ही, उन्होंने 880 विकासखंडों में आईसीटी लैब बनाए जाने की कार्यवाही का भी उद्घाटन किया है। इसके माध्यम से छात्रों को कंप्यूटर और डिजिटल शिक्षा से अवगत कराया जा सकेगा। कुल मिलाकर योगी सरकार की योजना स्मार्ट क्लास के साथ ही शिक्षकों और छात्रों को भी स्मार्ट बनाने की है।

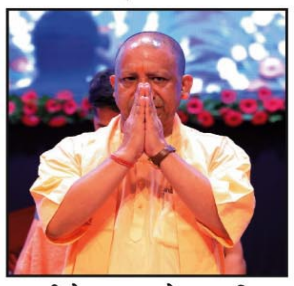

इसलिए जरूरी है स्मार्ट क्लास – विद्यालयों में बच्चों को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कक्षा शिक्षण कराए जाने के लिए स्मार्ट क्लास स्थापित किए जा रहे हैं। इन स्मार्ट क्लासेज में 75 इंच का आधुनिक टच स्क्रीन पैनल, हाई डेफिनेशन वेब कैमरा, डिजिटल कोर्स कंटेंट, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, इण्टरनेट कनेक्टिविटी, पावर बैकअप उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही कक्षाओं में स्मार्ट क्लास के निर्बाध रूप से संचालन के लिए सेवाप्रदाता द्वारा ऑनसाइट ऑपरेशन और मेंटीनेंस सपोर्ट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

साल 2027 तक दलहन के मामले में आत्मनिर्भर होगा उप्र

लखनऊ, (हि.स.)। योगी सरकार की मंशा वर्ष 2026-2027 तक दलहन की खपत के मामले में उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की है। इस चुनौतीपूर्ण काम के लिए सरकार ने मुकम्मल रणनीति भी तैयार की है। इसमें प्रति हेक्टेयर उपज और फसल क्षेत्र में वृद्धि भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता राज्य है। पर, अभी उपभोग का आधा ही उत्पादन प्रदेश में होता है। रणनीति के अनुसार तय समयावधि में प्रति हेक्टेयर उपज 14 से बढ़ाकर 16 कुंतल करने का है। कुल उपज का लक्ष्य 30 लाख टन है। इसके अलावा करीब 1.75 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त रकबे को दलहन की फसलों से आच्छादित करने की भी तैयारी है। सरकार इसके लिए दलहन की परंपरागत फसलों की उन्नत और अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराएगी। कुछ प्रगतिशील किसानों के वहां इनका प्रदर्शन भी होगा। किसानों को बड़ी संख्या में बीज के निशुल्क मिनीकिट भी दिए जाएंगे। यह क्रम जारी भी है। साथ ही फोकस कम समय में होने वाली मूंग, उर्द (उड़द) आदि की फसलों पर होगा। इनकी सहफसली खेती को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा असमतल भूमि पर स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली का प्रयोग करते हुये उत्पादन में वृद्धि, फरो एंड रिज मेथड से खेती कर उत्पादन में वृद्धि और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी भी सरकार दे रही है। दरअसल खाद्यान्न में रिकॉर्ड उत्पादन के बाद सरकार अब खाद्यान्न सुरक्षा से एक कदम आगे पोषण सुरक्षा के बारे में सोच रही है। इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका दलहनी फसलों की होगी। वजह आम आदमी, खासकर शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का एक मात्र स्रोत दाल ही है।

खपत की तुलना में पैदावार कम होने से अक्सर कुछ वर्षों के अंतराल पर दाल के दाम सुर्खियों में रहते हैं। ऐसा होने पर आम आदमी के थाल की दाल पतली हो जाती है। गरीब के थाल से तो गायब ही। ऐसा न हो इसके लिए योगी सरकार ने यह मुकम्मल कार्ययोजना तैयार की है। इस पर काम तो योगी सरकार के पहले कार्यकाल में ही शुरू हो गया था। नतीजतन 2016-17 से 2020-21 के दौरान दलहन का उत्पादन 23.94 मीट्रिक टन से बढ़कर 25.34 लाख मीट्रिक टन हो गया। इस दौरान प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 9.5 कुंतल से बढ़कर 10.65 कुंतल हो गई। हालांकि यह प्रदेश की खपत का महज 45 फीसद है।

आत्मनिर्भरता से विदेशी मुद्रा भी बचेगी – भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल का उत्पादक, उपभोक्ता और आयतक है। सर्वाधिक आबादी के नाते इस उपभोग का सर्वाधिक हिस्सा यूपी का ही है। ऐसे में पूरे दुनिया के दाल उत्पादक कनाडा, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, टर्की,और म्यानमार की नजर न केवल भारत और उत्तर प्रदेश के पैदावार बल्कि छह महीने के भंडारण पर भी रहती है। ऐसे में अगर पैदावार कम है तो यहां की भारी मांग के मद्देनजर अतंरराष्ट्रीय बाजार में दाल यूं ही तेज हो जाती है। इस पर रुपये के मुकाबले डॉलर की क्या स्थिति है, इसका बहुत असर पड़ता है। रुपये के मुकाबले अगर डॉलर के दाम अधिक हैं तो आयात भी महंगा पड़ता है। इस तरह दाल के आयात में देश को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी खर्च करना होता है। अगर उत्तर प्रदेश दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाय तो विदेशी मुद्रा भी बचेगी।

बालाजी कार्यदायी संस्था का 3 करोड़ का भुगतान लटका

-कंक्रीट सप्लायरों व श्रमिकों का लाखों रुपए बकाया

जौनपुर, (हि.स.)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में कार्यदायी संस्था बालाजी का तीन करोड़ से अधिक बकाया फंसा है।संस्था भुगतान के लिए वह मेडिकल कॉलेज परिसर में जमी हुई है। और ठेकेदारों व श्रमिकों का भी लाखों रुपए का भुगतान लटका हुआ है। जिससे अधिकारियों का घेराव कर परिसर खाली करने से जबरन रोक दिया। उधर बिना टेंडर के दूसरी कंपनी काम भी शुरू कर दिया है। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में अब नए निर्माण एजेंसी ने काम शुरू किया है। वहीं इसके पूर्व बालाजी को काम की जिम्मेदारी 2016 से दी गई थी। बीच में 3 साल का बजट न होने के कारण काम रुक गया था ।फिर कोरोना काल के चलते भी समस्याओं का सामना करना पड़ा ।महंगाई के चलते रेट रिवाइज के लिए भी कार्यदायी संस्था ने शासन से अनुरोध किया। इस बीच उन्होंने करीब 60 फीसदी भवनों का निर्माण पूरा किया और मेडिकल की पढ़ाई भी शुरू हो गई। लेकिन शासन की नजर में संस्था में कमियां दिखीं और शासन ने बालाजी एजेन्सी से काम करने के बजाय बाहर का रास्ता दिखा दिया। और नई निर्माण एजेंसी को बिना टेंडर के काम सौंप दिया। एसबीआईपीएल यानी बाला जी कार्यदायी संस्था का अप्रैल से करीब तीन करोड़ का भुगतान नहीं किया गया है। कंपनी की ओर से बिल भी सबमिट कर दिया गया ,लेकिन भुगतान फंसा है और बालाजी के पीछे स्थानीय कंक्रीट सप्लायर व लेबर ठेकेदारों का बकाया है ।जिसके लिए उन्होंने बालाजी के अधिकारियों का घेराव कर भुगतान की मांग की और परिसर खाली करने से जबरन रोक दिया। बालाजी की ओर से हवाला दिया गया कि इस समय उसके यहां कोई साइट पर लेबर नहीं है सिर्फ 4 से 5 स्टाफ हैं और उनका भुगतान होते ही सबका भुगतान कर वह परिसर खाली कर देंगे। रेट रिवाइज बालाजी के ही टेंडर अनुरोध पत्र पर हुआ, टेंडर विस्तार हुआ, लेकिन शासन ने अचानक बिना टेंडर की दूसरी कंपनी को काम दे दिया और कंपनी सवा महीने में धीमी गति से काम कर रही है।इस मामले में बुधवार को बात करते हुए एमडी बालाजी निर्माण एजेन्सी विशाल गुप्ता ने बताया कि हमारा 3 करोड़ का भुगतान अभी नहीं हुआ है। बिल हमने सबमिट कर दिया है और लोकल श्रमिकों का बकाया है। उनका भी भुगतान करना है। जिस दिन सबका भुगतान हो जाएगा, उसी दिन हम परिसर खाली कर देंगे।

कुशीनगर से अगस्त में केवल 12 दिन हुई उड़ान

कुशीनगर, (हि.स.)। कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से दिल्ली उड़ान सेवा प्रदान कर रही स्पाइस जेट कंपनी ने अगस्त माह में केवल 12 दिन उड़ान भरी। जिससे यात्रियों को दिल्ली जाने के लिए वैकल्पिक सेवा लेनी पड़ी। यात्रियों के समय व पैसे की क्षति हुई। कई के आवश्यक कार्य विलंब हुए। ऐसे में यात्रियों का इस सेवा से मोह भंग हो रहा है। यात्रियों ने गहरी नाराजगी जताते हुए सरकार से कारवाई करने की मांग की है। इस एयरपोर्ट से कुशीनगर– दिल्ली एकमात्र उड़ान हो रही है। विमानन कंपनी सप्ताह में छह दिन सेवा प्रदान करती है। अगस्त माह में 27 दिन उड़ान होनी चाहिए थी। जबकि मात्र 12 दिन उड़ान हुई। 15 दिन टेक्निकल व आवश्यक कारणों का हवाला देकर कंपनी ने उड़ान टाल दिया। जिससे यात्रियों को दिक्कत हुई। अनियमित उड़ान के कारण यात्रियों का मोहभंग हो रहा है। यात्री दिल्ली जाने के लिए गोरखपुर एयरपोर्ट का रुख कर रहे हैं। कुशीनगर, देवरिया और बिहार के गोपालगंज, सिवान, बगहा, प.चंपारण, सारण तक के यात्री कुशीनगर दिल्ली उड़ान सेवा को पसंद कर रहे थे। किंतु अनियमित उड़ान से वह पटना, लखनऊ व गोरखपुर एयरपोर्ट का रुख कर रहे हैं। एयरपोर्ट निदेशक राजेंद्र प्रसाद लंका ने बताया कि इस संबंध में मुख्यालय को रिपोर्ट की गई है।

मुख्यमंत्री कहीं दौड़ लगा लें बचेंगे नहीं : बाबूलाल मरांडी

गिरिडीह, (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को सरिया में बगोदर विधानसभा क्षेत्र की संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्ट, निकम्मी विकास विरोधी सरकार से झारखंड के विकास की उम्मीद बेमानी है। उन्होंने कहा कि राज्य में 10 हजार करोड़ के घोटाले उजागर हुए हैं। लोहा, कोयला, पत्थर की लूट हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में गरीबों, आदिवासियों की जमीन को मुख्यमंत्री और उनके परिवार ने नाम बदल बदल कर लूटा है। लूट की जांच ईडी, सीबीआई कर रही है। कई बड़े ऑफिसर गिरफ्तार हो चुके हैं लेकिन मुख्यमंत्री ईडी के दफ्तर जाने से घबरा रहे। सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगा रहे मुझे बचाइए लेकिन ये मोदी सरकार है, जिसने लाल किले से न खाएंगे न खाने देंगे की कसम खाई है। मुख्यमंत्री कहीं दौड़ लगा लें बचेंगे नहीं। मरांडी ने कहा कि किसी भी ऑफिस में आज बिना पैसे का कोई काम नहीं होता। मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए भी पैसे देने पड़ते हैं। राशन कार्ड में बहु का नाम भी बिना पैसे का नही चढ़ता। छोटे काम के लिए भी हजारों में घूस देने पड़ रहे। हेमंत सरकार सड़कों का मरम्मत भी नहीं करवा रही। विद्यालयों में शिक्षक नहीं, अस्पतालों में डॉक्टर्स नहीं, दवाई नहीं, गरीबों को एंबुलेंस नहीं। हेमंत सरकार केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए अनाज को भी लूटवा रही। उन्होंने कहा कि झारखंड भाजपा सरकार की देन है। अटल बिहारी वाजपेयी ने राज्य को बनाया। उनकी सरकार ने राज्य में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांव-गांव तक सड़कें पहुंचाई। सर्व शिक्षा अभियान से गांव के युवक युवतियों को पारा शिक्षक नियुक्त किया। पुल-पुलियों का जाल बिछाया। पिछले 9 वर्षों से मोदी सरकार ने झारखंड में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए। पांच मेडिकल कॉलेज, देवघर में एम्स, हवाई अड्डा, बड़े-बड़े हाईवे का निर्माण कराया। मरांडी ने 2024 में केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए झारखंड की सभी 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा को जिताने और राज्य में भी भाजपा की मजबूत सरकार बनाने के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया।

हेमंत सोरेन लीज प्रकरण में कपिल सिब्बल ने हाई कोर्ट में कहा, सुप्रीम कोर्ट इसी तरह की याचिका कर चुका है खारिज

रांची, (हि.स.)। खान मंत्री रहने के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने परिवार वालों और रिश्तेदारों के नाम माइनिंग लीज आवंटित की थी। इस मामले को लेकर बुधवार को हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि ठीक इसी तरह की एक याचिका शिव शंकर शर्मा की ओर से दायर की गयी थी। इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। ऐसे में इस याचिका में भी कुछ नया नहीं है। परिवार वालों और रिश्तेदारों के नाम माइनिंग लीज आवंटित किए जाने को लेकर अधिवक्ता और आरटीआई एक्टिविस्ट सुनील महतो की ओर से याचिका दायर की गयी है। याचिककर्ता की ओर से अधिवक्ता विशाल कुमार ने पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया कि यह मामला एकदम अलग है। इसके तथ्य शिव शंकर शर्मा मामले से अलग है। याचिकाकर्ता सुनील महतो की ओर से कहा गया कि वे शिव शंकर शर्मा और इस मामले में कैसे अंतर है, इसका ब्यौरा देना चाहते हैं। इस पर कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पूरक शपथ पत्र दाखिल करने को कहा है। इसके बाद इस मामले की सुनवाई के लिए 11 अक्टूबर निर्धारित की है। दायर याचिका के अनुसार खान विभाग के मंत्री रहते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अनगड़ा में 88 डिसमिल जमीन पर माइनिंग लीज का आवंटन कराया है। हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन व उनकी बहन सरला मुर्मू की कंपनी सोहराई लाइवस्टोक प्राइवेट लिमिटेड के नाम चान्हो के बरहे औद्योगिक क्षेत्र में 11 एकड़ जमीन आवंटित किया गया। मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद पिंटू और मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्र को भी खनन लीज आवंटित हुआ है।

एसपीजी के डायरेक्टर अरुण सिन्हा का निधन

रांची, (हि.स.)। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के डायरेक्टर अरुण कुमार सिन्हा का बुधवार को निधन हो गया। उन्होंने गुरुग्राम के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। 61 वर्षीय अरुण कुमार सिन्हा पिछले कई दिनों अस्वस्थ थे। उन्हें हाल ही में सेवा विस्तार दिया गया था। अरुण कुमार सिन्हा 1987 बैच के केरल कैडर के आईपीएस थे। वे मूल रूप से हजारीबाग मालवीय मार्ग के निवासी थे। उनके पिता महेंद्र प्रसाद भारतीय सेना में थे। अरुण सिन्हा ने हिंदू स्कूल हजारीबाग से स्कूली शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग से जूलॉजी में बीएससी किया। वर्ष 1987 में वे भारतीय पुलिस सेवा में चयनित हुए और उनको केरल कैडर आवंटित हुआ। शुरूआत में केरल के दो-तीन जिलों में आरक्षी अधीक्षक एवं त्रिविंद्रम और कोचि के पुलिस कमिश्नर रहे। उसके बाद डीआईजी आईजी के रूप में काम किया। वर्ष 2009 से 2014 तक बीएसएफ में आईजी के रूप में गुजरात फ्रंटियर में पदस्थापित रहे। फिर केरल वापस आये। 2016 तक एडीजी के रूप में काम किया। मार्च 2016 से वर्तमान वह प्रधानमंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री की सुरक्षा का दायित्व निभाने वाले एसपीजी के डायरेक्टर के रूप में पदस्थापित थे।

बाबा गणिनाथ गोविंद का दो दिवसीय 91 वीं जयंती समारोह 8 व 9 सितम्बर को आयोजित

सहरसा, (हि.स.)। अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य समाज द्वारा लोक देवता बाबा गणिनाथ गोविंद के दो दिवसीय 91 वां जयंती समारोह 8 एवं 9 सितंबर को धूमधाम से आयोजित की जा रही है। दो दिवसीय समारोह में कोसी क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में मध्यदेशीय वैश्य समाज सहित भक्तगण भाग लेंगे। आठ सितंबर को बाबा गणिनाथ जयंती पर शोभा यात्रा सुपर बाजार स्थित कला भवन से चलकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए वाहनों के काफिला एवं श्रद्धालुओं के संग बलहाडीह स्थित गणिनाथ गोविंदधाम पहुंचकर धर्म सभा में तब्दील हो जाएगी। इसके बाद बाबा के जीवन पर आधारित 24 घंटे का जागरण, भजन-कीर्तन, अनुष्ठान एवं प्रवचन के साथ 9 सितंबर को हवन , संध्या वंदना के साथ संपन्न होगा।वही आगन्तुक भक्तों के स्वागतार्थ एवं श्रद्धालुओं के लिए भोजन महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। जयंती की सफलता के लिए बाबा गणिनाथ गोविंदधाम के सभी सक्रिय एवं आस्थावान श्रद्धालु तैयारी में जुटे हैं। इस संबंध में अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा के जिलाध्यक्ष रामकृष्ण साह उर्फ मोहन साह ने बताया प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्री 108 बाबा गणिनाथ गोविंद जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। समिति सदस्य एवं युवाओं की टीम जुटा हुआ है। इसके लिए कोसी क्षेत्र के गांव-गांव में बसे मध्यदेशीय वैश्य समाज एवं भक्तजनों को दो दिवसीय पूजनोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रण दिया जा रहा है। जिला के कहरा प्रखंड के बलहाडीह मंदिर टोला में बाबा गणिनाथ गोविंद जी का भव्य संगमरमर से निर्मित मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।लगभग 100 साल पहले वैशाली जिले के महनार स्थित गंगा नदी के तट पर पलवैया में बाबा का विशाल मंदिर था। गंगा नदी के कटाव में बाबा गणिनाथ मंदिर विलीन होने लगी तो 15 दिन पूर्व जिले के कहरा प्रखंड अंतर्गत बलहाडीह के झिंगुर दास के स्वप्न में पुष्पक विमान से बाबा पधारें एवं यहां पर प्रवास करने की इच्छा प्रकट किए एवं उसी दिन से बाबा बलहाडीह स्थित भूवनेश्वर दास के जमीन पर भक्तों का पूजा-अर्चना, प्रवचन सभी धार्मिक अनुष्ठान मंदिर बनाकर किये जाने लगा।

हाइजीन ओलंपियाड प्रतियोगिता परीक्षा में तीस हजार छात्र हुए शामिल

भागलपुर, (हि.स.)। डिटॉल बनेगा स्वास्थ्य इंडिया प्लान इंडिया स्वच्छता शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत भागलपुर जिले में बुधवार को हाइजीन ओलंपियाड परीक्षाएं छात्रों के बीच आयोजित किया गया। उल्लेखनीय हो कि हाइजीन ओलंपियाड परीक्षाएं छात्रों को भविष्य में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए के लिए तैयार किया जाता है। इस परीक्षा को देने से स्कूली छात्रो को भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा के स्तर का पता चलता है और इसके रिजल्ट के द्वारा छात्रों को अपनी क्षमताओं का विश्लेषण करने का मौका मिलता है। इस परीक्षा में सफल छात्रों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट दिया जाएगा। जिसकी खास मान्यता होगी। डिटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के जिला लीड शंभू कुमार सिंह ने बताया कि हाइजीन ओलंपियाड परीक्षाएं छात्रों के ज्ञान का पूर्ण मूल्यांकन करता है और उन्हें इंप्रूवमेंट के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि परीक्षा अलग-अलग लेवल पर आयोजित कराई गई है। इस परीक्षा में वर्ग 1 से 10 तक के छात्रों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं उनका बढ़ावा देना है। भागलपुर जिले में लगभग तीस हजार से ज्यादा छात्र इस परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं।

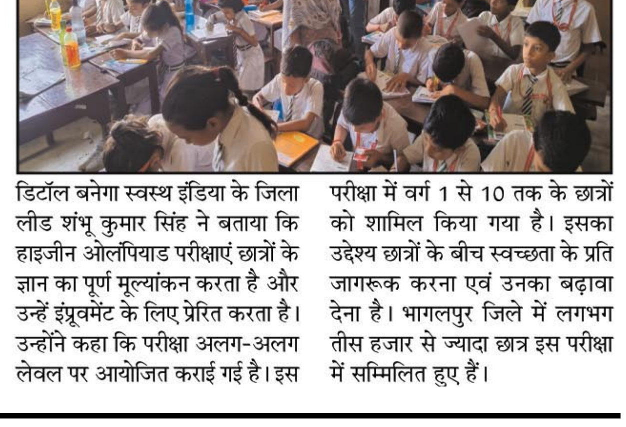

संपादकीय

किसके खिलाफ चीन-रूस?

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली नहीं आएंगे। यह आशंका बहुत पहले से थी, लेकिन अब चीन ने आधिकारिक पुष्टि कर दी है कि उनकी जगह चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग शिरकत करेंगे। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत पश्चिमी देशों के शीर्ष नेताओं ने इस पर निराशा जताई है, क्योंकि यह दुनिया के सबसे समृद्ध और बड़े देशों के मंच का शिखर सम्मेलन है। जी-20 आर्थिक और विकास के मुद्दों पर विमर्श करने और साझा दृष्टिकोण तय करने का मंच है। कोई स्पष्ट कारण भी नहीं है कि जिनपिंग नई दिल्ली नहीं आ रहे हैं, जबकि भारत ने अपनी अध्यक्षता में जी-20 के भीतर सहमति और संतुलन बनाए रखने के प्रयास किए हैं। मंत्री और प्रतिनिधि स्तरीय बैठकों में भी भारत ने सर्वसम्मति कायम रखने के प्रयास किए हैं। जी-20 के देश विश्व की करीब 75 फीसदी आबादी को प्रभावित करते हैं और दुनिया की करीब 85 फीसदी जीडीपी इन देशों की है। खुद चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद उसके राष्ट्रपति ने शिखर सम्मेलन का अघोषित बहिष्कार किया है। दुनिया जानती है कि चीन में जिनपिंग के अलावा किसी और पदेन नेता की कितनी औकात है! बेशक चीन और अमरीका, पश्चिमी देशों और रूस के समीकरण 'दुश्मन' वाले हैं। ताइवान के कारण भी अमरीका चीन के रूबरू तैनात है और लगातार धमकी देता रहा है कि चीन ताइवान पर युद्ध थोप कर देखे। अंजाम बहुत बुरा होगा। उधर यूक्रेन के संदर्भ में भी स्पष्ट है कि रूस ने पड़ोसी देश की संप्रभुता के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है और एक रचे-बसे देश को मिट्टी-मलबा करने पर आमादा है। रूस-चीन को लगता होगा कि जी-20 के मंच पर पश्चिमी देश उन्हें युद्ध, विस्तारवादी और दमनकारी कूटनीति के कारण कटघरे में खड़ा कर सकते हैं, लेकिन जी-20 युद्ध पर ही विमर्श का मंच नहीं है। वह विशुद्ध रूप से अर्थव्यवस्था, विकास, जलवायु, आपसी सहयोग और कमोबेश भारत में 'वसुधैव कुटुम्बकम' का मंच है। चीन-रूस की अमरीका और यूरोपीय देशों से शत्रुता है अथवा वे जी-20 समेत किसी भी वैश्विक मंच के विमर्श को गंभीरता से नहीं लेते। फिलहाल भारत की अध्यक्षता में जी-20 का शिखर सम्मेलन हो रहा है और भारत सत्य, अहिंसा, सौहार्द, भाईचारे, शांति और एक पृथ्वी, एक परिवार का पक्षधर देश है। अमरीका बनाम चीन-रूस के कठोर, नुकीले समीकरणों के बावजूद भारत ने तमाम सफल कूटनीतिक प्रयास किए हैं, ताकि जी-20 शिखर सम्मेलन कामयाब रहे। दरअसल इससे पहले बाली (इंडोनेशिया) शिखर सम्मेलन के दौरान ही दोनों पक्षों में विभाजन के हालात उभर आए थे। वहां भी 'साझा घोषणा' तैयार करने में भारत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और यूक्रेन युद्ध की भत्र्सना की गई थी। इस बार यह चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि अमरीका, पश्चिमी देशों और चीन-रूस के संबंध अधिक दोफाड़ की स्थिति तक पहुंच गए हैं। यहां तक कि अमरीका ने व्यापार, प्रौद्योगिकी और भू-राजनीतिक मुद्दों पर अपना रुख बेहद कठोर कर लिया है। सवाल है कि करोड़ों रुपए खर्च कर जी-20 देशों के मंत्रियों, प्रतिनिधियों की बैठकें देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित की जा चुकी हैं, लेकिन चीन-रूस के अलग-थलग रवैये ने जी-20 की प्रासंगिकता को क्या कम नहीं कर दिया है? रूस तो भारत का पुराना मित्र है, लेकिन चीन भारत को सशक्त और विकसित होते नहीं देख सकता। यदि उसकी चलती, तो भारत में कभी जी-20 का आयोजन नहीं होता और न ही अध्यक्षता मिलती। चीन हमारे इलाकों पर लगातार गिद्धदृष्टि गड़ाए रहा है। एशिया में उसकी साजिशों को नाकाम करते रहने के लिए हमें अमरीका का समर्थन जरूर चाहिए, लेकिन 40 फीसदी से अधिक हथियारों के लिए आज भी हम रूस पर ही आश्रित हैं। इसके मायने ये नहीं हैं कि हमारी स्वतंत्र विदेश नीति और कूटनीति नहीं हो सकती। भारत ने आज तक जो भी हासिल किया है, अपनी मेहनत, खोजपरक दृष्टि और उत्पादन क्षमता के बल पर प्राप्त किया है।

जी-20 के देश विश्व की करीब 75 फीसदी आबादी को प्रभावित करते हैं और दुनिया की करीब 85 फीसदी जीडीपी इन देशों की है। खुद चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद उसके राष्ट्रपति ने शिखर सम्मेलन का अघोषित बहिष्कार किया है। दुनिया जानती है कि चीन में जिनपिंग के अलावा किसी और पदेन नेता की कितनी औकात है! बेशक चीन और अमरीका, पश्चिमी देशों और रूस के समीकरण 'दुश्मन' वाले हैं। ताइवान के कारण भी अमरीका चीन के रूबरू तैनात है और लगातार धमकी देता रहा है कि चीन ताइवान पर युद्ध थोप कर देखे। अंजाम बहुत बुरा होगा। उधर यूक्रेन के संदर्भ में भी स्पष्ट है कि रूस ने पड़ोसी देश की संप्रभुता के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है और एक रचे-बसे देश को मिट्टी-मलबा करने पर आमादा है। रूस-चीन को लगता होगा कि जी-20 के मंच पर पश्चिमी देश उन्हें युद्ध, विस्तारवादी और दमनकारी कूटनीति के कारण कटघरे में खड़ा कर सकते हैं, लेकिन जी-20 युद्ध पर ही विमर्श का मंच नहीं है। वह विशुद्ध रूप से अर्थव्यवस्था, विकास, जलवायु, आपसी सहयोग और कमोबेश भारत में 'वसुधैव कुटुम्बकम' का मंच है। वह विशुद्ध रूप से अर्थव्यवस्था, विकास, जलवायु, आपसी सहयोग और कमोबेश भारत में 'वसुधैव कुटुम्बकम' का मंच है।

कुछ अलग

ताकि आने की खबर हो

'आ रहे हैं कई पद तेरे इम्तिहान में, रोजगार के मंच पर जिंदगी दांव पर है।' सैकड़ों बेरोजगारों के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का यह ऐलान खुशखबरी दे रहा है कि अंततः जंजीरों से मुक्त होकर हमीरपुर में अब 'राज्य चयन आयोग' का गठन होगा और सरकारी नौकरी के सपनों को हकीकत में उतरने का अवसर मिलेगा। थे गुनाही के सारे सबूत उनके, मगर कठघरों ने हमें रोके रखा। इसी इंतजार में डूबा युवा हिमाचल अब आशा करेगा कि नए जोश व होश के साथ राज्य चयन आयोग शिक्षकों के छह हजार, वन मित्रों के तीन हजार और पुलिस जवानों के बारह सौ रिक्त पद भरते हुए, उन्हें जिंदगी की मंजिल सौंपेगा। हिमाचल में सरकारों और सियासत का स्तर हमेशा से या तो सरकारी नौकरियों की घोषणा से या सरकारी नौकरियों के बीच कर्मचारियों के लिए कुछ करके हमेशा परवान चढ़ता रहा है। जाहिर है सुक्खू सरकार को भी ऐसी घोषणा के लिए बेरोजगार साधुवाद देंगे, हालांकि रोजगार की पूर्णता के लिए निजी क्षेत्र में निवेश के रास्तों को भी मुखर करने की जरूरत है। देखना यह है कि कुछ समय पहले अपने आचरण में पकड़ा गया अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, अब बतौर राज्य चयन आयोग कितना सुधरा, पारदर्शी व विश्वसनीय हो पाता है। खैर हिमाचल में सुक्खू सरकार ने अपनी कार्यपद्धति के दिन, महीने और वर्ष तय करते हुए, निर्णायक होने का जज्बा जरूर दिखाया है। सचिवालय के दिन, कार्य योजनाओं के महीने और गारंटियों के वर्ष तय करते हुए मुख्यमंत्री का प्रशासनिक रुतबा यकीनन अपनी तारीफ करता है, लेकिन दूसरी ओर राजनीति के दिन, महीने और वर्ष यूं ही जाया न हों, इसके ऊपर गौर करना होगा। बेशक सलाहकारों के तुजुर्बे, अनुभव और हकीकत में वर्तमान सरकार अपनी भिन्नता और विविधता दर्ज कर रही है, लेकिन हिमाचल में सत्ता के आशियाने पूरे प्रदेश में खुद को मुकम्मल करने की दरख्वास्त कर रहे हैं। एडवाइजर बनाम मंत्रियों के बीच संतुलन की पुकार और सामने विपक्ष के द्वारा क्षेत्रवाद की दहाड़ को आईना दिखाने के लिए अब सब्र नहीं, कर्मठता की दरकार है, क्योंकि बरसात के बाद सर्दियां अपने साथ सुक्खू सरकार के पहले साल का लेखा-जोखा पूरा कर देगी। बेशक वर्तमान सरकार अपने फैसलों, दिशा-निर्देशों और चुनौतियों के प्रति सशक्त साबित हुई है और आपदा के बीच में से फर्ज और विकास की हरियाली ढूंढ के ला और बचा रही है, फिर भी इसे अपने फासलों और फैसलों के बीच संतुलन की दरकार रहती है। प्रदेश अब सरकार की मंडे बैठक के अदब में व्यवस्था परिवर्तन की निशानियां देख रहा है, तो महीने के अंत में ट्रांसफर की फाइल पर सुशासन के हस्ताक्षर मजबूत होते देखने की कोशिश कर रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा सचिवालय तक पैदल जाने का जनसंपर्क, नई परिक्रमा करता हुआ दिखाई देता है। वह इसी तरह सुबह की सैर में अपने कदमों को चिन्हित कर चुके हैं, लेकिन ऐसा बहुत कुछ है हिमाचल के कोने-कोने में। पूरा हिमाचल भी चाहता है कि उनके जिलों में आकर मुख्यमंत्री इसी तरह पैदल निकलें ताकि शासन-प्रशासन को खबर हो।

हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है

'एक देश, एक चुनाव' राष्ट्रीय हित में उठाया गया कदम है, विपक्ष को इसका समर्थन करना चाहिए

सुरेश हिंदुस्तानी

हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना ही बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार से एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का एक अभूतपूर्व कदम है।

वर्तमान में भारत में ऐसे कई कारण हैं, जो राष्ट्रीय विकास में बाधक बन रहे हैं। इसमें एक अति प्रमुख कारण बार-बार चुनाव होना है। देश में होने वाले चुनावों के दौरान लगने वाली आचार संहिता के चलते सरकार का कामकाज भी प्रभावित होता है। हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना ही बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार से एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का एक अभूतपूर्व कदम है। अभी केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में प्राथमिक कदम उठाकर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके लिए एक समिति भी बनाई है, जो देश के राजनीतिक दलों और आम जनता से इसके हित और अनहित के बारे में विमर्श करेगी। जब सब ओर से सकारात्मक रुझान मिलेगा, तब यह धरातल पर उतारा जाएगा। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या एक साथ चुनाव कराया जाना उचित है? यकीनन इसका उत्तर यही होगा कि यह ठीक कदम है। लेकिन देश में कुछ राजनीतिक दल संभवतः इसकी गंभीरता को समझ नहीं पा रहे हैं। इस कदम को संकुचित राजनीति के भाव से देख रहे हैं। अगर यह देशभाव के दृष्टिकोण से देखेंगे तो हमें यह कदम अच्छा ही लगेगा। वर्तमान में केन्द्र सरकार, चुनाव आयोग इस बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन कर रहा है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने एक बार अपने अभिभाषण में भी एक साथ चुनाव कराए जाने पर जोर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा था कि बार-बार होने वाले चुनावों से विकास में बाधा आती है, ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सच कहा जाए तो एक साथ चुनाव कराया जाना राष्ट्रीय चिंता का विषय है, जिसे सभी दलों को सकारात्मक दृष्टि से लेना होगा। हम यह भी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के पश्चात लम्बे समय तक एक साथ

चुनाव की प्रक्रिया चली, लेकिन कालांतर में कई राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल की अवधि को पूरा नहीं कर पाने के कारण हुए मध्यावधि चुनाव के बाद यह क्रम बिगड़ता चला गया और चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। इसके कारण देश में सरकारी कामकाज की प्रक्रिया तो बाधित होती ही है, साथ ही सरकारी कामकाज को लेकर सक्रिय रहने वाले सरकारी अधिकारी और आम जनता भी ऐसी बाधाओं के चलते निष्क्रियता के आवरण को ओढ़ लेते हैं। यह भी काम में रुकावट का कारण बनती है। इन सभी कारणों के निदान के लिए देश में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सभी राजनीतिक दलों के बीच संवाद बढ़ना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनायी जानी चाहिए। केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल इस बारे में क्या राय रखते हैं, यह अभी तक सामने नहीं आ पाया है। हालांकि देश हित के मुद्दे पर विपक्षी राजनीतिक दलों को भी इस बारे में सरकार के रुख का पूरी तरह से समर्थन करना चाहिए। एक साथ चुनाव होने से देश में विकास की गति को समुचित दिशा मिलेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि देश में बार-बार चुनाव होने से जहां राजनीतिक लय बाधित होती है, वहीं देश को आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है। इसलिए एक साथ चुनाव कराए जाने के अच्छे विचार को कैसे अमल में लाया जा सकता है, इसके बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन करना चाहिए। यह कठिन कार्य नहीं हैं, क्योंकि दुनिया के कई देशों ने भी इस प्रकार की नीतियां बनाईं हैं, जिसके अंतर्गत एक साथ चुनाव कराए जाते हैं और वे देश विकास के पथ पर निरंतर रुप से आगे बढ़ते जा रहे हैं, जब ऐसा विदेशों में हो रहा है और भारत में भी ऐसा होता रहा है, तब अब भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता। भारत में ऐसा होना ही चाहिए। जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तबसे ही देश में राष्ट्रीय हित की दिशा में अनेक काम किए जा रहे हैं। यह बात भी सही है कि इन कामों का वास्तविक स्वरूप भविष्य में ही सामने आएगा। क्योंकि देश में लम्बे समय से एक मानसिकता बन गई थी कि अब भारत से समस्याओं का निदान संभव ही नहीं है। उस समय सरकारों के संकल्प में कमी दिखाई देती थी। सरकारें हमेशा इसी उधेड़बुन में लगी रहती थी कि हमारी सरकार कैसे बचे या हमारी सरकार कैसे फिर से बने। इसी कारण कई निर्णय ऐसे भी किए जाते रहे हैं, जिससे देश की विकास की गति बाधित होती गई और स्वतंत्रता के बाद देश को जिस रास्ते पर जाना चाहिए था, उस रास्ते पर न जाकर केवल स्वार्थी राजनीति के रास्ते पर चला गया। जिसके कारण देश ने अनेक उतार चढ़ाव भी देखे हैं। वर्तमान की कई समस्याएं अपने देश की सरकारों की ही देन है। सरकारों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के बजाय देश हित के काम किए होते तो संभवतः देश में इतनी विकराल स्थिति पैदा नहीं होती। मोदी सरकार ने देश की स्थिति को सुधारने के लिए कई अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। सरकार ने जो नोट बंदी की थी, उसमें भले ही विपक्षी राजनीतिक दलों ने आलोचना की, लेकिन इसके बाद मोदी सरकार की ख्याति बढ़ती चली गई और लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षा से ज्यादा सफलता मिली है। यानी साफ शब्दों में कहा जाए तो यही कहना समुचित होगा कि जो कदम विपक्षियों को खराब लगा, वह देश की जनता की नजर में एक दम सही था। मोदी सरकार का एक साथ चुनाव कराने का कदम भी कुछ ऐसा ही है, जिसकी विपक्षी दल तो आलोचना करेंगे ही, लेकिन जनता निश्चित रूप से इसे सही कदम मानकर इसका समर्थन ही करेगी। अगर देश में लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ होने पर राजनीतिक दलों की सहमति बनती है तो इससे आम जनता को राहत ही मिलेगी, लेकिन सरकार विरोधी राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस पर क्या कहेंगे। हालांकि देश में जनहित के साथ ही राष्ट्रीय हितों के प्रति सबको समर्थन देना ही चाहिए, क्योंकि राष्ट्रीय हित से बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता।

न्यायिक व्यवस्था में वकीलों की भूमिका

जनहित में वकील समाज की बेहतरी के लिए नागरिक अभियानों की वकालत भी करते रहते हैं ताकि कानूनी सहायता की आवश्यकता वाले लोगों को समर्थन दिया जा सके। जो व्यक्ति इनका खर्चा नहीं उठा सकते, उन लोगो की नि:शुल्क सेवा भी करते हैं। भारतीय न्यायिक प्रक्रिया दुनिया की सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है, मगर कई कारणों की वजह से चाहे जजों की कमी हो, चाहे काम के प्रति उदासीनता या फिर पारदर्शिता की कमी हो, इन सबके फलस्वरुप आज लगभग 5 करोड़ मामले विभिन्न न्यायालयों में लम्बित हैं। आज न्याय देश के बहुसंख्यक नागरिकों से बाहर होता जा रहा है, क्योंकि अधिकतर लोग न्याय प्रणाली की पेचीदगियों व वकीलों के भारी खर्च के कारण वांछित न्याय नहीं पा पाते। भारत में इस समय लगभग 13 लाख वकील हैं तथा प्रतिवर्ष लगभग 70000 नए वकील विभिन्न बार काउंसिलों के सदस्य बनते हैं। अन्य व्यवसायों की तरह वकीलों को भी एक आचार संहिता के अंतर्गत ही अपना कार्य करना पड़ता है।

एडवोकेट्स चाहे किसी भी श्रेणी के क्यों न हों, सरकारी या प्राइवेट, वरिष्ठ या कनिष्ठ या फिर किसी भी जाति, पंथ व लिंग के, इन सबका एक ही संवैधानिक कार्य होता है, अपने ग्राहकों (क्लाइंट्स) को हर प्रकार की कानूनी राय व सहायता प्रदान करना। अपने प्रतिनिधियों व ग्राहकों तक तटस्थ व तृतीय पक्ष के रूप में हर प्रकार की कानूनी जानकारी देना उनकी जिम्मेदारी रहती है। यह लोगों में आराम की भावना व सामाजिक शांति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अतिरिक्त वे अपने ग्राहकों को उनकी स्वतंत्रता व कानूनी प्रक्रिया के बारे में शिक्षित भी करते रहते हैं। जनहित में वकील समाज की बेहतरी के लिए नागरिक अभियानों की वकालत भी करते रहते हैं ताकि कानूनी सहायता की आवश्यकता वाले लोगों को समर्थन दिया जा सके। जो व्यक्ति इनका खर्चा नहीं उठा सकते, उन लोगो की निःशुल्क सेवा भी करते हैं। भारतीय न्यायिक प्रक्रिया दुनिया की सबसे पुरानी प्रणालियों में से एक है, मगर कई कारणों की वजह से चाहे जजों की कमी हो, चाहे काम के प्रति उदासीनता या फिर पारदर्शिता की कमी हो, इन सबके फलस्वरुप आज लगभग 5 करोड़ मामले विभिन्न न्यायालयों में लम्बित हैं। आज न्याय देश के बहुसंख्यक नागरिकों से बाहर होता जा रहा है, क्योंकि अधिकतर लोग न्याय प्रणाली की पेचीदगियों व वकीलों के भारी खर्च के कारण

वांछित न्याय नहीं पा पाते। भारत में इस समय लगभग 13 लाख वकील हैं तथा प्रतिवर्ष लगभग 70000 नए वकील विभिन्न बार काउंसिलों के सदस्य बनते हैं। अन्य व्यवसायों की तरह वकीलों को भी एक आचार संहिता के अंतर्गत ही अपना कार्य करना पड़ता है। भारतीय एडवोकेट्स एक्ट 1961 के अंतर्गत सभी एडवोकेट्स को अपना आचरण बनाए रखना होता है तथा गैर अनुशासनहीनता के लिए इन्हें अपनी सदस्यता भी गंवानी पड़ सकती है। इन सभी नियंत्रणों के बावजूद यह लोग भी दूध के धुले नहीं हो सकते तथा न्यायिक प्रणाली को कहीं न कहीं दूषित करते ही रहते हैं। सरकारी वकील जो विभिन्न आपराधिक व दीवानी मामलों में अभियोजन पक्ष का काम करते हैं, का स्तर भी दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है। केवल कोई परीक्षा पास करना व किसी सरकारी नौकरी पर तैनात हो जाना, उन्हें किसी प्रकार का लाइसैंस प्रदान नहीं करता कि वे किसी कोर्ट-कचहरी में केवल प्रतिनिधि का ही काम करते हुए मूकदर्शक बने रहें। कई बार देखा गया है कि वो फाइल पढक़र भी नहीं जाते हैं तथा इन्हें न्यायालयों की फटकार भी सहन करनी पड़ती है। यह भी देखा गया है कि न्यायालयों में विभिन्न आपराधिक मामलों में अप्रत्यक्ष रूप से अपराधियों की इस कदर सहायता करते हैं कि वे या तो मूकदर्शक बनकर कोई जिरह नहीं करते या फिर उल्टे पुलिस अन्वेषण अधिकारियों से ही बिना वजह के सवाल पूछने शुरू कर देते हैं तथा केस फेल हो जाने पर सारा दोष पुलिस अधिकारियों पर ही मढ़ देते हैं। ऐसा करना उनकी मर्यादा व आचार संहिता पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह पैदा कर देता है। ऐसा ही कुछ किस्सा हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत अधिवक्ताओं का भी है जिन्हें मासिक वेतन के अतिरिक्त हर पेशी के लिए एक निश्चित मानदेय भी मिलता है। इनमें से भी कुछ साहिबान केसों का पूर्ण अध्ययन नहीं करते तथा केस में दूसरी तारीख डालने के लिए प्रार्थना करते देखे जा सकते हैं। यह सिलसिला लगातार चलता रहता है तथा पीड़ितों को न्याय के लिए लम्बा इन्तजार करना पड़ता है। सरकार ने उच्च न्यायालय के बोझ को कम करने के लिए प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों का गठन किया है, मगर शायद ही कोई ऐसा केस होगा जिसमें ट्रिब्यूनल के फैसले की अपील उच्च न्यायालय में न होती हो। इन ट्रिब्यूनलों में सेवानिवृत्त जजों या प्रशासनिक अधिकारों की नियुक्ति की होती है और न जाने सरकार को उनके वेतन-भत्ते उठाने के लिए कितने करोड़ों रुपयों का भुगतान करना पड़ता है। सरकार ने शायद इस संबंध में कभी भी नहीं सोचा होगा कि पीड़ितों को वकीलों का बिना वजह का इतना बड़ा खर्चा उठाने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है। आपराधिक मामलों के अतिरिक्त न जाने कितने मुकद्दमे दीवानी प्रकृति के होते हैं और इनमें से बहुत से मुकद्दमे राजस्व न्यायालयों जैसा कि तहसीलदार, कोलैक्टर व कमिश्नर इत्यादि के कार्यालयों से संबंधित होते हैं, मगर इन न्यायालयों से संबंधित अधिकतर मुकदमे न्यायिक कोर्टों (ज्यूडिशल कोर्ट) से जुड़े होते हैं। उदाहरण के तौर पर किसी जमीन-जायदाद के बंटवारे इत्यादि से संबंधित मुकदमों में वादी सीधे ज्यूडिशियल कोर्ट में जाकर कार्यकारी मजिस्ट्रेट के आदेश के विरुद्ध स्थगन आदेश हासिल कर लेता है तथा वकील लोग ऐसे आदेश को आसानी से प्राप्त कर लेते हैं, मगर ऐसे आदेश स्पष्ट नहीं होते तथा वादी-प्रतिवादी का झगड़ा यथावत ही बना रहता है। वकील लोग ऐसे आदेश हासिल करते समय जज साहिबान को सम्बन्धित लड़ाई के कारण को स्पष्ट रूप से लिखने में तकलीफ नहीं उठाते क्योंकि उन्हें भी पता होता है कि प्रतिवादी जब अमुक फैसले का अर्थ अपने स्वार्थ के आधार पर निकाल लेगा, तब झगड़ा ज्यों का त्यों ही बना रहेगा तथा मजबूरी में वादी फिर से अपने वकील के पास गुहार लगाने के लिए मजबूर हो जाएगा। सरकार को चाहिए कि ऐसे छोटे मामलों की सुनवाई कार्यकारी मैजिस्ट्रेट को ही दे देनी चाहिए क्योंकि वे ऐसे मामलों पर पहले से ही विचार कर रहे होते हैं। यह भी देखा गया है कि कुछ वकीलों की पुलिस, राजस्व अधिकारियों व जज सहिबानों के साथ सांठगांठ भी बनी होती है तथा ये लोग फरियादी व अपराधी को विशेष नाम के वकील को अधिकृत करने के लिए सलाह देते रहते हैं तथा फरियाद को या तो न्याय मिलता ही नहीं या फिर देरी से मिलता है। वकील लोग पीड़ित या अपराधी से मनमानी फीस वसूलते रहते हैं तथा इस सम्बन्ध में सरकार की तरफ से किसी प्रकार की सीमा तय नहीं की गई है।

दृष्टिकोण

आरक्षण की मांग

महाराष्ट्र के जालना में पुलिस लाठीचार्ज की घटना के बाद जहां एक बार फिर मराठा आरक्षण की मांग ने जोर पकड़ लिया है, वहीं एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली प्रदेश सरकार विरोधियों के निशाने पर आ गई है। INDIA गठबंधन से जुड़ी कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) और NCP (शरद पवार ग्रुप) जैसी पार्टियां तो सरकार की तीव्र आलोचना करते हुए गृहमंत्री देवेंद्र फड़णवीस का इस्तीफा मांग ही रही हैं, बीजेपी के अंदर से भी पंकजा मुंडे जैसे कुछ नेता खुले रूप में और कई दूसरे नेता दबे-छुपे स्वर में इस प्रकरण पर नाखुशी जाहिर कर चुके हैं। हालांकि सरकार ने जालना जिले में मराठा आरक्षण की मांग के समर्थन में चल रही भूख हड़ताल से निपटने के ढंग को लेकर वहां के SP को जबरन छुट्टी पर भेज दिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी भरोसा दिलाया है कि वह मराठा आरक्षण के पक्ष में हैं और जल्दी ही सरकार इस बारे में कोई ठोस कदम उठाएगी। सरकार की ओर से आंदोलनकारियों से संपर्क करके उन्हें समझाने-बुझाने के प्रयास भी चल रहे हैं। लेकिन राज्य में एक बार फिर से गरमा चुके इस मसले को शांत करने में इन सबसे कितनी मदद मिलती है, यह कुछ समय बाद स्पष्ट होगा। असल में यह महाराष्ट्र की राजनीति का एक ऐसा संवेदनशील मसला है, जिस पर कोई भी विरोध में नहीं दिखना चाहता। राज्य की आबादी में 30 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी रखने वाला मराठा समुदाय प्रदेश की राजनीति पर भी अच्छी पकड़ रखता है। अब तक महाराष्ट्र के ज्यादातर मुख्यमंत्री मराठा ही रहे हैं। यही वजह है 2018 में जब मराठा आरक्षण के सवाल पर राज्य में बड़ा आंदोलन हुआ तो तकरीबन सभी दलों ने इस मांग का समर्थन किया। नवंबर 2018 में विधानसभा में मराठा आरक्षण बिल पास हुआ, जिसके मुताबिक राज्य की सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में समुदाय को 16 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। मगर बाद में इसे कोर्ट में चुनौती दी गई और 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया। इस आरक्षण को लागू करने से राज्य में 50 फीसदी की अधिकतम आरक्षण सीमा का उल्लंघन हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि 50 फीसदी की आरक्षण सीमा पर पुनर्विचार करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में इस संवेदनशील और भावनात्मक मुद्दे को धैर्य और समझदारी से हैंडल करने की जरूरत है। जालना की घटना इस बात का सबूत है कि पुलिसिया जोर-जबर्दस्ती से हालात और बिगड़ने का ही खतरा है। धीरे-धीरे ही सही, पर समाज के सभी तबकों को यह बात समझने-समझाने की भी जरूरत है कि आरक्षण की नीति से कुछ ज्यादा ही उम्मीदें पाली जाने लगी हैं। सामाजिक संदर्भों में इस नीति की अहमियत भले हो, इसे रोजगार की समस्या का हल मानने वाली सोच हमें शायद ही कहीं ले जा सके।

देश दुनीया से

राजनीति का अंतरिक्ष

वर्ष 2000 में एक फिल्म आई थी 'रिफ्यूजी।' करीना कपूर और अभिषेक बच्चन के कॅरिअर की यह पहली फिल्म थी। इसमें जावेद अख्तर का लिखा एक गीत था : 'पंछी नदिया पवन के झोंके/ कोई सरहद न इन्हें रोके/सरहदें इन्सानों के लिए हैं/सोचो तुमने और मैंने क्या पाया इन्सां हो के।' इस गीत के लिए जावेद अख्तर को फिल्म फेयर अवॉर्ड भी मिला था। आप सोच रहे होंगे कि इस जानकारी का भला इस लेख से क्या तालमेल है। दरअसल जावेद अख्तर को पंछी, नदिया, पवन के साथ राजनीति भी जोडऩी थी, तो ये लाइनें ऐसी बनतीं : 'पंछी, नदिया, राजनीति, पवन के झोंके, कोई सरहद न इन्हें रोके।' आज तो यही बात चरितार्थ हो रही है। अब राजनीति प्रदेश, देश और धरती की सीमा पार कर चांद तक पहुंच चुकी है। इसका ताजा उदाहरण है चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद उस प्वाइंट को शिवशक्ति नाम देना। आपका सवाल हो सकता है कि भला इसमें क्या राजनीति हो सकती है। यह तो वैज्ञानिकों और देश के सम्मान के लिए एक प्रतीक के तौर पर दिया गया नाम है। इससे पहले भी 2008 में जब भारत ने पहली बार चांद पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी तो उसे जवाहर पॉइंट नाम दिया गया था। जाहिर है तब कांग्रेस की मनमोहन सरकार थी, ऐसे में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नामकरण किया गया। सवाल है कि क्या जवाहर पॉइंट देशभक्ति थी और शिवशक्ति पॉइंट राजनीति है? जायज सवाल है, पर इसका जवाब भी इसी सवाल में दे दिया गया है। अगर जवाहर पॉइंट का नामकरण भी राजनीति ही थी तो यह अच्छी राजनीति थी, क्योंकि इसी का नतीजा है कि 15 साल बाद चंद्रयान-3 चांद के उसी दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारा गया। तो ऐसे में शिवशक्ति पॉइंट के नामकरण में भला क्या आपत्ति हो सकती है? नहीं होती, अगर यही नाम ऐसे किसी पॉइंट का होता जो मानसरोवर के सामने मौजूद कैलाश पर्वत के किसी राज को खोलने के किसी वैज्ञानिक मिशन के लिए वहां के किसी स्थान के लिए रखा जाता। तब शिवशक्ति के नाम के पीछे की एक जायज वजह होती। कैलाश पर्वत पर वास करने संबंधी भगवान शिव की मान्यता के साथ इस नामकरण पर कोई भी आपत्ति खारिज की जा सकती थी। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर शिवशक्ति पाइंट के नामकरण पर तीन आपत्तियां बताई जा सकती हैं। पहली, जिस मिशन के लिए चंद्रयान-3 को वहां भेजा गया था, उसका इस नाम से कुछ लेना-देना नहीं है। दूसरी, इसरो के वैज्ञानिक जिस जिद, जुनून, जज्बे और वैज्ञानिक नजरिए के साथ यह पूरा मिशन संभाल रहे थे, उसमें धर्म वैज्ञानिकों का एक निजी विश्वास जरूर हो सकता है, लेकिन इसे मिशन के दूरदर्शी नतीजों के साथ जबरन जोडऩा कतई फायदेमंद नहीं होगा। उलटे इसके नुकसान जरूर हो सकते हैं। इस पूरे मिशन में जितने भी वैज्ञानिक जुड़े हैं, जरूरी नहीं कि वे सारे हिंदू हों, होने भी नहीं चाहिए। ऐसे में किसी वैज्ञानिक मिशन से जुड़े ऐसे बेहद अहम पाइंट का नाम धर्म विशेष से क्यों रखा जाना चाहिए? तीसरी आपत्ति यह है कि इस नाम को नासा या ईएसए (यूरोपियन स्पेस एजेंसी) जैसी अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसियों को किस तरह समझाया जाएगा। आखिर किसी को कैसे बताया जाएगा कि चांद की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसकी सतह पर मौजूद रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करने के इस मिशन के बेहद अहम प्वाइंट को केवल हिंदू देवता के नाम पर क्यों रखा गया है? और यह भी कि देश के एक हिंदूवादी संगठन के नेता का यह बयान जब वतन की सीमा पार कर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जगह बनाएगा कि चांद को हिंदू राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए, तब भारत किस मुंह से इस पर सफाई देगा। सच तो यह है ऐसे बयान देने वालों पर कार्रवाई न करने की स्थिति में भारत की धर्मनिरपेक्ष देश से, बीते 9 सालों में हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाले देश की छवि और मजबूत होगी।

अब राजनीति प्रदेश, देश और धरती की सीमा पार कर चांद तक पहुंच चुकी है। इसका ताजा उदाहरण है चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद उस प्वाइंट को शिवशक्ति नाम देना। आपका सवाल हो सकता है कि भला इसमें क्या राजनीति हो सकती है। यह तो वैज्ञानिकों और देश के सम्मान के लिए एक प्रतीक के तौर पर दिया गया नाम है। इससे पहले भी 2008 में जब भारत ने पहली बार चांद पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी तो उसे जवाहर पॉइंट नाम दिया गया था। जाहिर है तब कांग्रेस की मनमोहन सरकार थी, ऐसे में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नामकरण किया गया।

वैगनर को आतंकी संगठन घोषित करेगा ब्रिटेन: कहा- प्राइवेट आर्मी के लड़ाके हिंसक, उन्होंने यूक्रेन-अफ्रीका में जो किया वो दुनिया के लिए खतरा

लंदन।
वैगनर चीफ प्रिगोजिन की मौत के बाद अब ब्रिटेन उनकी प्राइवेट आर्मी को आतंकवादी संगठन घोषित करने वाला है। इस फैसले के बाद ब्रिटेन में इस वैगनर ग्रुप से जुड़ना या उनका समर्थन करना गैर-कानूनी हो जाएगा। इसके लिए संसद में बिल भी लाया जा रहा है। इस ऑर्डर के तहत वैगनर की प्रॉपर्टी को आतंकियों की संपत्ति घोषित करने जब्त कर लिया जाएगा। ब्रिटेन की होम सेक्रेटरी सुएला ब्रेवरमैन ने कहा- वैगनर ग्रुप रूस के राष्ट्रपति पुतिन का एक मिलिट्री टूल था। ये हिंसक और विनाशकारी है। यूक्रेन और अफ्रीका में उन्होंने जो किया वो दुनिया के लिए खतरा है। वैगनर की गतिविधियां अस्थिरता फैलाने वाली होती हैं, जो सिर्फ रूस के राजनीतिक मंसूबों को साधती हैं।

हमास और बोको हराम के साथ आतंकी संगठन की लिस्ट में जुड़ेगा नाम - सुएला ने कहा- वैगनर के लड़ाके आतंकवादी हैं। ये बात साफ है और अब ब्रिटेन के कानून में भी यही माना जाएगा। वैगनर आर्मी का नाम च में बाकी आतंकी संगठनों के साथ जोड़ा जाएगा। इनमें हमास और बोको हराम शामिल हैं। कानून का उल्लंघन करने पर दोषी को 14 साल की जेल और करीब 5.22 लाख रुपए तक का जुर्माना देना होगा। यूक्रेन के खिलाफ जंग में वैगनर ग्रुप ने रूस की तरफ से एक अहम किरदार निभाया है। इसके अलावा, सीरिया, माली और लीबिया जैसे अफ्रीकी देशों में रूसी ऑपरेशन में वैगनर का हाथ रहा है। वैगनर के लड़ाकों पर यूक्रेन में नागरिकों पर जुर्म करने और उनकी हत्या करने का आरोप है। जुलाई में ब्रिटेन ने दावा किया था कि प्राइवेट आर्मी के लड़ाकों ने माली और लोगों को प्रताड़ित करते हुए उनकी हत्या की।

बगावत के बाद वैगनर-रूस के बीच शुरू हुआ तनाव - 23 जून में वैगनर ने रूस के खिलाफ बगावत कर दी थी। वैनगर चीफ प्रिगोजिन अपने लड़ाकों को लेकर रूस के रोस्तोव शहर में दाखिल हो गए थे और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया था। प्रिगोजिन ने तब कहा था- हम मरने से नहीं डरते। उन्होंने दावा किया था कि वैगनर लड़ाकों ने रूसी सेना के कई हेलिकॉप्टर्स को मार गिराया। प्रिगोजिन ने रूस के रक्षा मंत्री को रोस्तोव आकर मिलने के लिए कहा था।

प्लेन क्रैश में प्रिगोजिन क मौत हुई - विद्रोह के ठीक 2 महीने बाद 23 अगस्त को वैगनर चीफ जिस प्लेन में सवार थे, वो क्रैश हो गया था। रूस की एविएशन मिनिस्ट्री के मुताबिक, पैसेंजर लिस्ट में प्रिगोजिन का नाम था और वो इसमें सवार थे। रुस ने भी प्रिगोजिन की मौत की पुष्टि कर दी थी। वो प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के चीफ थे। क्रैश में 10 लोग मारे गए थे।

न्यूज ब्रीफ

चीन बोला- भारत के साथ संबंध स्थिर: जी20 अध्यक्षता का समर्थन किया, कहा- रिश्ते मजबूत करने के लिए काम करेंगे

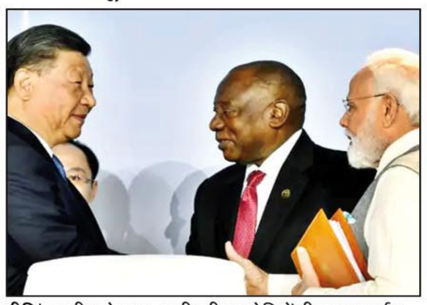

बीजिंग। चीन ने भारत की जी20 प्रेसिडेंसी का समर्थन किया है। उन्होंने भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को भी स्थिर बताया है। दरअसल, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत नहीं आ रहे हैं। उनकी जगह चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग डेलीगेशन के साथ शामिल होंगे। बैठक से पहले मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया। उन्होंने कहा- हमने हमेशा समिट के लिए भारत की मेजबानी का स्वागत किया है। हम सभी सदस्यों के साथ मिलकर इसे कामयाब बनाने के लिए काम करने को तैयार हैं। भारत और चीन के रिश्ते स्थिर हैं और हमने लगातार अलग-अलग स्तर पर बातचीत जारी रखी है। जी20 समिट में चीन और रूस के राष्ट्पति के न शामिल होने पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- ये उनका फैसला है। इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है। दोनों देशों से प्रतिनिधि बैठक में शामिल होने आएंगे। ऐसा पहले भी हुआ है, जब राष्ट्राध्यक्ष बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। समिट के दौरान आम सहमति बनने पर जयशंकर ने कहा- ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर महीनों से काम चल रहा है। ये एक दिन में नहीं होता। अलग-अलग देशों के मंत्री प्रोसीजर को आगे बढ़ाने की कोशिश में लगे हुए हैं। चीन ने भारत के साथ रिश्तों पर कहा- दोनों देशों के संबंधों में लगातार ग्रोथ हमारे कॉमन इंटरेस्ट के लिए जरूरी है। हम भारत के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करने के लिए काम करने को तैयार हैं। वहीं अमेरिका ने समिट में चीन के शामिल होने पर कहा- ये उन पर निर्भर करता है कि वो क्या भूमिका निभाना चाहते हैं।

जो बाइडेन की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव: 7 सितंबर को 4 दिन के दौरे पर भारत आएंगे

वॉशिंगटन। जी20 शिखर सम्मेलन से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई है, जिसके बाद वो 7 सितंबर को 4 दिन के दौरे पर भारत आएंगे। दरअसल, 5 सितंबर को बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके बाद बाइडेन के भारत आने को लेकर चिंता बढ़ गई थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने अब साफ कर दिया है कि बाइडेन की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई है। वहीं, जिल बाइडेन डेलावेयर में उनके घर पर क्वारैंटाइन हैं। व्हाइट हाउस ने बताया है कि जिल में कोरोना के लक्षण काफी मामूली हैं। बाइडेन की भारत विजिट के बीच वह डेलावेयर स्थित अपने आवास पर ही रहेंगी। जो बाइडेन की पत्नी और अमेरिका की फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन स्किन कैंसर से भी पीड़ित रह चुकी हैं। जनवरी में उनकी सर्जरी हुई थी। 71 साल की जिल की एक आंख के ऊपर और चेस्ट से घाव वाली स्किन को निकाला गया था। अमेरिका के राष्टपति जो बाइडेन को स्किन कैंसर हो गया था। व्हाइट हाउस के डॉक्टर केविन ओकॉनर ने मार्च 2023 में इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि बाइडेन के चेस्ट की स्किन पर घाव हो गया था। फरवरी 2023 में सर्जरी के दौरान इस घाव वाली स्किन को हटा दिया गया था। इसे जांच के लिए भेजा गया था, जिसमें पता चला कि ये घाव बेसल सेल कार्सिनोमा है। यह स्किन कैंसर का सामान्य रूप है। डॉक्टर ओकॉनर ने कहा- सर्जरी के दौरान कैंसर फैलाने वाले सभी टिश्यूज को हटा दिया गया। इलाज के बाद बाइडेन बिल्कुल ठीक हो गए हैं।

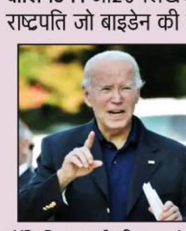

चीनी नागरिक पर्यटक बनकर रख रहे अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर नजर, एफबीआई ने देश के लिए बताया जासूसी खतरा

वॉशिंगटन । अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने लगभग 100 ऐसी घटनाओं पर नजर रखी है, जिसमें चीनी नागरिक पर्यटक के रूप में सैन्य ठिकानों और अन्य संवेदनशील स्थानों में कई बार पहुंचने की कोशिश की है। अमेरिकी अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं को देश के लिए जासूसी खतरा बताया है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रक्षा विभाग, एफबीआई और अन्य एजेंसियों ने ऐसी घटनाओं को कम करने के लिए समीक्षा की थी, जिसमें बिना अनुमति के सैन्य अड्डों में घुसने वाले गेट क्रैशर्स भी शामिल थे। रिपोर्ट में बताया गया कि न्यू मैक्सिको में अमेरिकी मिसाइल रेंज में भी चीनी नागरिक घुसपैठ करते हुए पकड़े गए थे। वहीं फ्लोरिडा के सरकारी रॉकेट लॉन्च साइट के पास स्कूवा डाइवर बनकर गंदे पानी में तैरते हुए भी पाए गए। कुछ अधिकारियों का मानना है कि चीनी सरकार सुरक्षा संबंधित कुछ मामलों में अपने नागरिकों के द्वारा रिपोर्ट तैयार कर रही है। एफबीआई के प्रवक्ता ने कहा, हमारे सूचना और बौद्धिक संपदा अधिकार के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन ही है। एक अन्य मीडिया सूत्र के अनुसार हाल ही में चीनी नागरिकों का एक समूह अलास्का के फोर्ट वेनराइट पहुंचा था।

जाति आधारित भेदभाव पर प्रतिबंध वाले विधेयक को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे समर्थक, गवर्नर से की यह मांग

वाशिंगटन ।
कैलिफोर्निया राज्य विधानसभा में हाल ही में जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित किया गया था। अब इसे कानून बनाने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसोम के हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। इस बीच, मंगलवार को कुछ लोग गवर्नर पर जल्द से जल्द हस्ताक्षर दबाव डालने के लिए भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।

बता दें, अगर इस विधेयक पर गवर्नर हस्ताक्षर कर देते हैं, तो यह कानून बन जाएगा। ऐसे में, कैलिफोर्निया जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला राज्य बन जाएगा। हालांकि, इस साल की शुरुआत में सिएटल जातिगत भेदभाव को गैरकानूनी घोषित करने वाला पहला अमेरिकी शहर बन गया है।

इन लोगों ने उठाई आवाज

इक्वेलिटी लैब्स के कार्यकारी निदेशक थेनमोझी सुंदरराजन ने कहा कि पूरे कैलिफोर्निया में 700 से अधिक वकालत बैठकें होने के बाद लोगों ने जाति समानता सुरक्षा के लिए जोरदार ढंग से बात की है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के एक नागरिक के रूप में मैंने भी पूरे जीवन जाति को सहन किया है। मैं जानता हूं कि जाति-उत्पीड़ित कैलिफोर्नियावासियों ने किस संघर्ष और प्रतिकूल परिस्थितियों का पहली बार अन्यायपूर्ण सामना किया है। जाति-उत्पीड़ित लोग बीस वर्षों से अधिक समय से भेदभाव से मुक्त जीवन जीने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं।

एमनेस्टी इंटरनेशनल यूएसए के गोविंद आचार्य का कहना कि जातिगत भेदभाव नागरिक अधिकारों का अंतर्निहित उल्लंघन है। जाति-आधारित भेदभाव और हिंसा मानवीय गरिमा और समानता के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि एसबी 403 यह स्पष्ट करता है कि जाति-उत्पीड़ित समुदायों के अधिकारों को परिभाषित करना न्याय और सम्मान के लिए आवश्यक है।

वहीं, कैलिफोर्निया के श्री गुरु रविदासिया समुदाय के सदस्य और जाति समानता गठबंधन के लिए कैलिफोर्नियावासियों के एक प्रमुख आयोजक डॉक्टर निर्मल सिंह ने कहा कि मैं यह याद दिलाने के लिए भूख हड़ताल कर रहा हूं कि यह विधेयक मेरी दो बेटियों के लिए कितना महत्वपूर्ण है। मैं यह जानते हुए इस राज्य में नहीं रह सकता कि जातिगत भेदभाव बेरोकटोक जारी रह सकता है। हम अब उन सभी के लिए हड़ताल कर रहे हैं जो बोलने में सक्षम नहीं हैं।

यह लोग विधेयक के विरोध में

हालांकि, बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई और भारतीय अमेरिकियों ने विधेयक का विरोध किया है और तर्क दिया है कि यह विशेष रूप से हिंदू समुदाय को अपराधी बना देगा। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा कि कैलिफोर्निया ने दक्षिण एशियाई और हिंदुओं को गलत दिखाने और निशाना बनाने वाला कानून पारित करके अपने नस्लवादी अतीत को फिर से जागृत किया है।

उन्होंने कहा कि जब कोई राज्य विधायक किसी जातीय समुदाय को निशाना बनाने के इरादे से किसी कानून को आगे बढ़ाता है, तो यह न केवल नस्लवादी है, बल्कि असंवैधानिक भी है। हम हिंदू कैलिफोर्नियावासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए हर विकल्प तलाशेंगे। बता दें, एचएएफ इसके खिलाफ मुकदमा दायर करने की योजना बना रही है।

गवर्नर के पास गया विधेयक

यह विधेयक 28 अगस्त को सदन से पारित हो गया था। अब इसे कानून बनाने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसोम के हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। बता दें, इस विधेयक का उद्देश्य जातिगत भेदभाव से निपटना और राज्य में रहने वाले हाशिए समुदायों के लिए सुरक्षा को मजबूत करना है।

इस सीनेट ने रखा था प्रस्ताव

इसे पहली बार राज्य सीनेटर आयशा वहाब ने पेश किया था। सीनेट में विधेयक एसबी-403 को पहले ही मंजूरी दे दी गई थी। वहां हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 34, जबकि विपक्ष में सिर्फ 1 वोट पड़ा था। अब यह विधेयक सदन में पेश हुआ, जहां भी इसे पास कर दिया गया। गवर्नर के हस्ताक्षर होने के बाद ये कानून बन जाएगा।

कई चरणों से गुजरा विधेयक

यह कानून वंशावली के तहत जाति को एक संरक्षित श्रेणी के रूप में जोड़कर कैलिफोर्निया के अनरुह नागरिक अधिकार अधिनियम, शिक्षा और आवास कोड को संशोधित करेगा। इस साल की शुरुआत में पेश किए जाने के बाद से, विधेयक कई चरणों से होकर गुजरा है। इस दौरान कई श्रम और नागरिक अधिकार संस्थाओं से बड़े पैमाने पर द्विदलीय सहमति प्राप्त हुई है।

पाकिस्तान में 45 महिलाओं का रेपिस्ट प्रिंसिपल गिरफ्तार

ज्यादातर विक्टिम उसी स्कूल में टीचर, सीसीटीवी फुटेज से ब्लैकमेल करता था

कराची।
पाकिस्तान के कराची शहर में मौजूद एक स्कूल के प्रिंसिपल ने 45 से ज्यादा महिलाओं के साथ रेप किया। सोमवार रात उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी प्रिंसिपल के मोबाइल से कई महिलाओं के वीडियो भी रिकवर किए गए हैं। इन्हें स्कूल में रिकॉर्ड किया गया था। कुछ कैमरे छिपाकर लगाए गए थे। मामले की जांच कर रहे पुलिस अफसर ने कहा- सभी विक्टिम को रेप के बाद ब्लैकमेल भी किया गया है। हमारी टीम को आरोपी प्रिंसिपल के मोबाइल से इसके सबूत भी मिल चुके हैं। उससे पूछताछ जारी है।

एक महिला टीचर भी आरोपी

पाकिस्तान के तमाम मीडिया ने इस घटना पर तफ्सील से रिपोर्ट्स पब्लिश की हैं। इनके मुताबिक- पुलिस को कुछ दिन पहले इंटरनेट पर कुछ महिलाओं की आपत्तिजनक तस्वीरों की जानकारी मिली थी। इनकी जांच की गई। बाद में इंटेलिजेंस ने पता लगाया कि सभी महिलाएं कराची के गुलशन-ए- हदीद एरिया में मौजूद एक स्कूल में अलग-अलग वक्त पर नौकरी करती रही हैं। स्कूल के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता लगा कि यहां के प्रिंसिपल का नाम इरफान गफूर मेमन है। स्कूल में ज्यादातर महिला टीचर हैं, जबकि सिर्फ पांच पुरुष टीचर हैं। स्कूल पर छापा मारा गया। इस दौरान फुटेज खंगाले गए। इनमें कई आपत्तिजनक वीडियो मिले। इसके बाद प्रिंसिपल का मोबाइल और लैपटॉप की जांच की गई। मोबाइल से 25 वीडियो मिले और ये सभी स्कूल की फीमेल टीचर्स के थे। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि इंटरनेट पर वीडियो एक महिला टीचर ने अपलोड किए थे और वो इस जुर्म में शामिल है। इस महिला टीचर को अब तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। इस स्कूल में सैकड़ों स्टूडेंट्स पढ़ते हैं और ये कराची के नामी स्कूलों में से एक है।

सबूतों के बावजूद वैश्विक आतंकियों को लिस्ट में शामिल किए जाने से रोकना दोहरा रवैया, भारत का चीन पर निशाना

जेनेवा ।
भारत ने चीन और पाकिस्तान को निशाने पर लेते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से कहा कि बिना कारण बताए विश्व स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों को काली सूची में डालने के साक्ष्य-आधारित प्रस्तावों को रोकना अनुचित है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा, यूएनएससी प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की विश्वनीयता को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। वैश्विक स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों के लिए वास्तविक साक्ष्य-आधारित सूची प्रस्तावों को बिना कोई उचित कारण बताए रोकना अनावश्यक है। जब आतंकवाद से निपटने के लिए परिषद कि प्रतिबद्धता की बात आती है तो इसमें दोहरेपन की बू आती है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध समितियों के कामकाज के तरीकों में पारदर्शिता और सूची से हटाने में निष्पक्षता पर जोर दिया जाना चाहिए। साथ ही यह किसी राजनीतिक विचारों पर आधारित नहीं होना चाहिए। चीन ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के मामले में भारत और उसके सहयोगियों के प्रयासों में बार-बार रुकावट डाली है। इस साल जून में चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को एक वैश्विक आतंकवादी के तौर पर नामित करने के लिए भारत और अमेरिका के एक प्रस्ताव में अड़ंगा डाला था, जो 26/11 मुंबई आतंकी हमले में शामिल होने के आरोप में वांछित था। कंबोज ने कहा, हमें एक ऐसी सुरक्षा परिषद की आवश्यकता है जो आज संयुक्त राष्ट्र की भौगोलिक और विकासात्मक विविधता को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करें। ऐसी सुरक्षा परिषद जहां अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया और प्रशांत के विकासशील देशों और गैर-प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों की आवाजों को यहां पर उचित स्थान मिले। उन्होंने आगे कहा, अगर देश वास्तव में परिषद को अधिक जवाबदेह और अधिक विश्वसनीय बनाने में रुचि रखते हैं, तो हम उनसे खुलकर सामने आने और संयुक्त राष्ट्र में एकमात्र स्थापित प्रक्रिया के माध्यम से समयबद्ध तरीके से इस सुधार के लिए एक स्पष्ट मार्ग का समर्थन करने का आह्वान करते हैं। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरे बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इस परिषद में सुधार होना चाहिए।

सुरक्षा परिषद में अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन ये पांच स्थायी सदस्य हैं, जिन्हें पी5 के नाम से जाना जाता है। सुरक्षा परिषद के दस निर्वाचित सदस्यों को आमतौर पर ई10 कहा जाता है। कंबोज का मानना है कि सहायक निकायों में ई-10 की सहमति को पी5 की ओर से सम्मान दिया जानाा चाहिए।

ट्रम्प समर्थक को 22 साल की सजा: कैपिटल हिल हिंसा मामले में आरोपी था, 1100 से ज्यादा लोगों पर दर्ज हैं केस

वॉशिंगटन।
अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक समर्थक को कैपिटल हिंसा मामले में 22 साल की सजा सुनाई गई है। इस व्यक्ति का नाम एनरिक टेरियो है जो एक धुर-दक्षिणपंथी ग्रुप प्राउड बॉयस का पूर्व लीडर है। एनरिक पर 6 जनवरी 2021 को अमेरिका के कैपिटल हिल में हिंसा फैलाने के आरोप में राजद्रोह का केस दर्ज किया गया था। कैपिटल हिल हिंसा मामले में ये अब तक की सबसे बड़ी सजा है। इस मामले में 1100 से ज्यादा लोगों पर केस दर्ज किए गए थे। इससे पहले पिछले हफ्ते एनरिक के एक साथी एथेन नॉर्डीन को 18 साल की सजा सुनाई गई थी, जो अब तक सबसे बड़ी सजा थी। कैपिटल हिंसा से जुड़े एक अलग मामले में मई में 18 साल की सजा सुनाई गई थी। वॉशिंगटन की जिला अदालत ने तीन घंटे तक चली लंबी सुनवाई के बाद एनरिक को दोषी ठहराया। प्राउड बॉयस ग्रुप के 5 लोगों को हिंसा से जुड़े देशद्रोह के मामलों में कोर्ट ने ये आखिरी सजा सुनाई है। अन्य तीन लोगों को 10 से 17 साल के बीच सजा सुनाई गई थी।

राष्ट्रपति चुनाव के रिजल्ट के बाद फैल गई थी हिंसा

अमेरिका में 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव के रिजल्ट में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हार हो गई थी। इसके बाद ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल हिल का घेराव कर लिया था। ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल हिल में तोड़-फोड़ की वारदात को अंजाम दिया था। कैपिटल हिंसा के बाद से ही अमेरिकी जांच एजेंसी लगातार प्राउड बॉयज की जांच कर रही थी। हिंसा में इस ग्रुप के दर्जनों लोगों की भूमिका थी।

कैपिटल हिंसा क्या है

अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसा की थी। 3 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग में बाइडेन को 306 और ट्रम्प को 232 इलेक्टोरल वोट मिले। नतीजे सामने आते ही ट्रम्प और उनके समर्थकों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए।

वोटिंग के 64 दिन बाद जब अमेरिकी संसद बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने में जुटी तो ट्रम्प के समर्थक संसद में घुस गए। वहां तोड़फोड़ और हिंसा की। इसमें एक पुलिस अफसर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के बाद ट्रम्प पर अपने समर्थकों को भड़काने का आरोप लगा था।

18 महीने तक मामले की जांच चली। पिछले साल दिसंबर में जांच कमेटी ने एक 845 पेज की रिपोर्ट तैयार की। इसमें ट्रम्प को दोषी ठहराया गया। उनके खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने की सिफारिश की गई। इसके लिए 1000 चश्मदीदों के बयान दर्ज किए गए थे।

पीएम मोदी आसियान समिट के लिए इंडोनेशिया रवाना होंगे

मेंबर देशों में यूपीआई लॉन्च होने की संभावना; इंडो-पैसिफिक में चीनी दखल पर आ सकता है बयान

जकार्ता।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान-इंडिया समिट में हिस्सा लेने के लिए इंडोनेशिया रवाना होंगे। पीएम मोदी ये दौरा भारत में 9-10 सितंबर को होने वाली जी20 समिट से ठीक 3 दिन पहले कर रहे हैं।

इस विजिट पर वो एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस के सदस्य देशों से व्यापार और सिक्योरिटी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। समिट के दौरान आसियान देशों में यूपीआई लॉन्च होने की घोषणा की जा सकती है। आसियान में मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार, वियतनाम, कम्बोडिया, फिलीपींस, ब्रुनेई, थाईलैंड, लाओस और सिंगापुर शामिल हैं। आसियान समिट 5 सितंबर से शुरू हो गई है और 8 सितंबर तक चलेगी। पीएम मोदी 6-7 सितंबर को इस समिट में हिस्सा लेंगे।

इंडो-पैसिफिक फोरम में भी शामिल होंगे पीएम मोदी

विदेश मंत्रालय के मुताबिक 2022-23 में भारत और आसियान देशों के बीच 10 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पहले 9 आसियान समिट में हिस्सा ले चुके हैं। इस बार आसियान समिट के दौरान इंडोनेशिया ने एक स्पेशल इवेंट रखा है। इसे इंडो पैसिफिक फोरम नाम दिया गया है। इस फोरम के जरिए आसियान देश इंडो-पैसिफिक में अपने लक्ष्यों को लेकर राय देंगे। इसमें आसियान देशों की इंडो-पैसिफिक में कनेक्टिविटी बढ़ाने को लेकर चर्चा की जाएगी। दरअसल, इंडो पैसिफिक इलाके में चीन की बढ़ती दखलंदाजी को लेकर काफी समय से चिंता जाहिर की जा रही है। जब विदेश मंत्रालय से सवाल किया गया कि क्या चीन को लेकर कोई बयान जारी किया जाएगा, तो इस पर विदेश में पूर्वी मामलों के सचिव सौरभ कुमार ने कहा- वहां क्या चर्चा होगी इसका अभी से अंदाजा लगाना मुश्किल है। हालांकि, सामूहिक चिंता के मुद्दों पर चर्चा संभव है।

भारत ने पिछले साल ही आसियान देशों के साथ कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप साइन की थी। इसके चलते पीएम मोदी का ये दौरा काफी महत्वपूर्ण है। दरअसल, व्यापक रणनीतिक साझेदारी के बाद द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होते हैं। इसके तहत रक्षा, आर्थिक और तकनीकी हितों को बढ़ाने के लिए मिलकर काम किया जाता है। वहीं, इस इलाके में चीन को काउंटर करने के लिए भारत आसियान देशों के साथ संबंधों को मजबूत कर रहा है।

आसियान में रूस के विदेश मंत्री से मिलेंगी कमला हैरिस

आसियान समिट में अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस और चीन के प्रीमियर यानी प्रधानमंत्री ली कियांग और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी शामिल हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक समिट के दौरान म्यांमार और साउथ चाइना सी जैसे मुद्दे ब्रेकिंग पॉइंट साबित हो सकते हैं। यानी इन्हें लेकर सदस्य देशों और डायलॉग पार्टनर्स में मतभेद हो सकते हैं। म्यांमार भी आसियान का सदस्य है। हालांकि, 2 साल पहले वहां तख्तापलट के बाद सेना ने म्यांमार की नेता आंग सान सू की को चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाकर जेल में डाल दिया था। तब से म्यांमार को लेकर आसियान देश अपनी स्ट्रैटजी तय नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, हाल ही में साउथ चाइना सी में चीन की मिलिट्री ने फिलीपींस के जहाज पर वाटर गन, कैनन गन से हमला कर दिया था। इस पर अमेरिका ने चीन पर इलाके में तनाव पैदा करने और दूसरे के इलाके में घुसपैठ करने के आरोप लगाए थे।

आआपा से गठबंधन पर नवजोत सिद्धू कांग्रेस हाईकमान के साथ

चंडीगढ़ (हिंस)। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर चल रही अटकलों पर पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू प्रदेश कांग्रेस नेताओं से अलग खड़े हो गए हैं। एक तरफ कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग तथा नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा इस गठबंधन से किनारा कर रहे हैं, वहीं नवजोत सिद्धू ने इस गठबंधन पर अपनी सहमति जताते हुए कहा है कि पार्टी हाईकमान का फैसला ही सुप्रीम है। लोकतंत्र को बचाने के लिए स्वार्थ की सियासत को त्यागना पड़ेगा। नवजोत सिद्धू ने कहा कि राष्ट्रीय हितों को सबसे ऊंचा रखा जाना चाहिए। पार्टी हाईकमान का यह फैसला बड़े उद्देश्य के लिए है। संविधान की भावना का सम्मान करने और संवैधानिक मूल्यों से अपनी ताकत हासिल करने वाली संस्थाओं को जंजीरों से मुक्त करने के लिए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा गया है।

गहलोत सरकार में सुशासन के बजाए कुर्सी बचाए रखने के कारण फैली अराजकता : शेखावत

बाड़मेर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विश्वास के साथ दावा किया कि भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्राओं से जिस तरह की गति बनेगी, उससे अबकी बार राजस्थान में ऐतिहासिक परिणाम आएगा। वर्ष 2013 की 163 सीटों के कीर्तिमान से बड़ा आशीर्वाद देकर जनता भाजपा की सरकार बनाएगी। बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में शेखावत ने कहा कि वर्ष 2018 में चुनाव परिणाम आने के साथ जिस तरह का विग्रह मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर इस सरकार के विभिन्न घटकों में था, उसके चलते सरकार के मुखिया की प्राथमिकता सुशासन के बजाय कुर्सी पर बना रहना या कुर्सी को बचाए रखना हो गई। इससे प्रदेश में अराजकता फैली। कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने जमकर भ्रष्टाचार किया। बाड़मेर से ज्यादा प्रासंगिक जगह इस बात की चर्चा करने की नहीं हो सकती। शेखावत ने बाड़मेर के विधायक पर भी तीखा हमला बोला और कहा कि उनके घोटालों से कोई अपरिचित नहीं है। शेखावत ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था जिस तरह से तार-तार हुई। महिलाओं और दलितों पर अत्याचार हुए। इसके अतिरिक्त बहुसंख्यक समाज की मानसिकता को तोड़ने और उनको मानसिक रूप से कमजोर करने के उद्देश्य से भी जिस तरह तुष्टिकरण का तांडव हुआ। इसके चलते सांप्रदायिक और अलगाववादी तत्वों के हौसले बुलंद हुए, जिसके कारण कन्हैयालाल टेलर का सिर तन से जुदा करने की घटना हुई। उन्होंने कहा कि राजस्थान शांति और सौहार्द का प्रदेश था। इस सरकार के कारण यहां भू-माफिया, डीजल माफिया, शराब माफिया, अफीम तस्करी, बजरी माफिया, मंदिरों की संपत्तियों को हड़पने का माफिया पनपा। गैंगवारों में साढ़े सात हजार से ज्यादा निर्दोष लोगों की जान गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दो लाख से ज्यादा महिलाओं के साथ अत्याचार और अपमानजनक घटनाएं हुईं। राजस्थान को देश की रेप कैपिटल बनाने का पाप गहलोत सरकार ने किया। आज प्रतिदिन 17 से 19 औसत रेप के मुकदमे राजस्थान में होते हैं, लेकिन सरकार के मुखिया कहते हैं कि इन मुकदमों के पीछे नाते-रिश्तेदारों का हाथ होता है और हम ज्यादा मुकदमे रजिस्टर करते हैं। इनके मंत्री कहते हैं कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है, इसलिए यहां ज्यादा रेप की घटनाएं होती हैं। शेखावत ने कहा कि जब यह सरकार अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंची है। सरकार के केवल एक या दो महीने बचे हैं, तब सरकार किसानों की जमीनों का संरक्षण देने के लिए कानून बनाने की बात करती है, जबकि 20 हजार किसानों की जमीन नीलाम हो चुकी है। सरकार की वादा-खिलाफी के चलते हुए 2000 किसानों को आत्महत्या करने को मजबूत होना पड़ा। तीन बार मुख्यमंत्री रहने के बाद और अपने तीसरे कालखंड का जब अंतिम क्वार्टर चल रहा है, तब सरकार के मुखिया कहते हैं कि वर्ष 2030 का विजन बनाएंगे, जो हास्यास्पद है। पार्टी में टिकटों के कई दावेदारों के सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनाव में टिकट मांगना कार्यकर्ता का अधिकार है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी में परंपरा है कि एक बार निर्णय हो जाने के बाद में हम सब लोग मिलकर चुनाव में विजय किस तरह से प्राप्त हो सके, इस दिशा में काम करते हैं। संजीवनी प्रकरण के सवाल पर शेखावत ने कहा कि संजीवनी घोटाले में कहीं भी मैं या मेरा परिवार शामिल नहीं है। मुख्यमंत्री का दर्द यह है कि जोधपुर की जनता ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने के लिए उनके बेटे को तीन लाखों से वोटों पराजित किया। मुख्यमंत्री अपने राजनीतिक स्वार्थ और अपनी राजनीतिक पराजय को ना पचा पाने के कारण अनर्गल टिप्पणियां करते हैं। मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि मैं कई बार इस बात को स्पष्ट कर चुका हूं कि मैं कतई मुख्यमंत्री पद की रेस में नहीं हूं।

कानून अपना काम करेगा, चाहे वह किसी भी पद पर हो : अरूण मेहता

श्रीनगर (हिंस)। भ्रष्टाचार मुक्त जम्मू-कश्मीर सप्ताह के तीसरे दिन मुख्य सचिव डॉ. अरुण कुमार मेहता ने बुधवार को भी उपायुक्तों, पीआरआई सदस्यों, प्रभारी अधिकारियों, संबंधित विभागों के सरकारी अधिकारियों सहित सभी हितधारकों के साथ और आम जनता को जमीनी स्तर पर अभियान की प्रगति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए आभासी बातचीत जारी रखी। अपनी बातचीत के दौरान डॉ. मेहता ने सभी को इस खतरे के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि सिस्टम से बुराई को प्रभावी ढंग से खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि इसके बारे में बात करने से ही इसके प्रभाव और आगे की कार्रवाई के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने आम जनता को आगे आने और भ्रष्टाचार के किसी भी पहलू के बारे में अपने सुझाव देने या अपनी शिकायतें दर्ज करने की सलाह दी। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि किसी को भी भ्रष्टाचार का सहारा लेने की कोई छूट नहीं है और कानून अपना काम करेगा, चाहे वह किसी भी पद पर हो। लोगों से बात करते हुए मुख्य सचिव ने उनसे ऑनलाइन मोड में सरकारी सेवाओं की पहुंच के बारे में पूछा। उन्होंने उनसे ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से सेवाओं की डिलीवरी के लिए समय-सीमा में अंतर और दोनों के बीच उनकी प्राथमिकताओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने सभी को नई और उपयोग में आसान तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया ताकि उनमें से किसी को भी इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए अनावश्यक यात्रा न करनी पड़े और वे इसे अपने घरों से ही पूरा कर सकें। उन्होंने उन्हें दुनिया में कहीं से भी अपने अधिकार प्राप्त करने के लिए आईटी उपकरण के साथ खुद को सशक्त बनाने के लिए युवाओं से सीखने के लिए प्रेरित किया। संवाद सत्र के दौरान मुख्य सचिव ने जनता को सरकारी योजनाओं, कार्यों या विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन करने के बारे में सूचित रहने के लिए सरकार द्वारा पेश किए गए कई आईटी टूल के बारे में जानकारी दी।

सात सौ पटवारियों को नियुक्ति पत्र देगी पंजाब सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में राजस्व विभाग के कर्मचारियों व राज्य सरकार के बीच छिड़े विवाद के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आठ सितंबर को राज्य में 710 नव नियुक्त पटवारियों को नियुक्ति पत्र देने का ऐलान कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए पटवारियों को भर्ती करने का उद्देश्य आम लोगों की सुविधा के लिए राजस्व विभाग के कामकाज को सुचारू बनाना है। उन्होंने कहा कि इसका मंतव्य यह सुनिश्चित बनाना है कि लोगों को बिना किसी देरी के समयबद्ध ढंग से मुश्किल रहित सुविधाएं मिल सकें। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन 710 पटवारियों का चयन पहले ही पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के द्वारा किया जा चुका है, परन्तु कुछ औपचारिक कार्यवाही बाकी होने के कारण इनको अभी तक नियुक्ति पत्र नहीं दिए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जरूरी शर्तें पूरी कर दी गई हैं और इन नव-नियुक्त पटवारियों को शुक्रवार को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि नौजवान उम्मीदवारों की भर्ती आने वाले दिनों में भ्रष्टाचार मुक्त समाज की सृजना करने के लिए अहम साबित होगी। उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह 18 महीनों का अनिवार्य प्रशिक्षण में से 15 महीनों का प्रशिक्षण पूरा कर चुके 741 अन्य पटवारियों को फील्ड में बतौर रेगुलर पटवारी तैनात किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के नौजवानों को राज्य की सेवा का अवसर देने के लिए पटवारियों के और पदों पर भर्ती के लिए जल्द ही विज्ञापन दिया जाएगा।

टूरिज्म समिट में विश्व भर के पर्यटकों का स्वागत करने को पूरी तरह से तैयार पंजाब सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पहला पंजाब टूरिज्म समिट एंड ट्रैवल मार्ट-2023 राज्य के पर्यटन के लिए नए रास्ते खोलेगा। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 11 से 13 सितंबर तक होने वाला पंजाब टूरिज्म समिट पंजाब की आर्थिक संभावनाओं को उजागर करने में अहम भूमिका निभाएगा। पंजाब के पर्यटन और सभ्याचार मामलों संबंधी मंत्री अनमोल गगन मान ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने फरवरी महीने में आईएसबी मोहाली में प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन के दौरान इस कार्यक्रम के बारे में ऐलान किया था। राज्य की आर्थिक स्थिति को बढ़ावा देने में पंजाब टूरिज्म समिट की महत्ता के बारे में जानकारी देते हुए अनमोल गगन मान ने कहा कि पंजाब टूरिज्म समिट राज्य की आर्थिक संभावनाओं को उजागर करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर पर्यटन से सम्बन्धित कारोबारी पंजाब राज्य में निवेश करने की इच्छा जाहिर करने के साथ-साथ वायदा भी कर चुके हैं। अनमोल गगन मान ने कहा कि पर्यटन केवल एक उद्योग नहीं है, यह हमारी विरासत का एक झरोखा भी है। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर पंजाब राज्य दुनिया भर में पहले ही एक खास स्थान रखता है, परन्तु पंजाब राज्य को कुदरत से मिली खूबसूरती से देश और दुनिया के लोग बेखबर हैं। अब इस पंजाब टूरिज्म समिट के जरिये हम विश्व के समक्ष पंजाब की अब तक अनछुई रही संभावनाओं को उजागर करेंगे, जो हमारी

समृद्ध विरासत और आतिथ्य की भावना को भी दिखाते हैं। इस प्रयास के लिए उठाए गए ठोस कदमों के बारे में जानकारी देते हुए अनमोल गगन मान ने कहा कि पर्यटन की संभावना वाले अलग-अलग स्थानों की पहचान कर ली गई है और इनको सैलानियों के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हम इन स्थानों पर उपयुक्त बुनियादी ढांचा और अन्य सेवाएं मुहैया करवा कर सैलानियों के अनुभव को और अधिक बेहतर बनाने के लिए वचनबद्ध हैं। यह सम्मेलन 11 सितम्बर को शुरू होगा। इसके बाद 11 से 13 सितम्बर 2023 तक पंजाब ट्रैवल मार्ट का आग़ाज होगा। इसके अलावा 13 सितम्बर से अमृतसर साहिब, आनन्दपुर साहिब, कपूरथला और पठानकोट की जान-पहचान कराने के लिए फैमीलियराईजेशन ट्रिप शुरू होंगे। उन्होंने *स्वदेश दर्शन स्कीम* के विरासती सर्किट थीम के अंतर्गत 91.55 करोड़ रुपए के प्रोजेक्टों को मंजूरी देने के अलावा पंजाब में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की शानदार पहलों का भी जिक्र किया। इन प्रोजेक्टों के दिसंबर तक मुकम्मल होने की आशा है। इसके लिए 67.00 करोड़ रुपए की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है।

गुड गवर्नेंस का उत्कृष्ट उदाहरण है राजस्थान : मुख्यमंत्री

भीलवाड़ा/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को प्रतिबद्धता के साथ सुशासन देने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। जनहितैषी योजनाओं को पूर्ण रूप से धरातल पर उतारकर राज्य सरकार ने गुड गवर्नेन्स का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज राजस्थान की जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा देशभर में हो रही है। गहलोत बुधवार को भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में भीलवाड़ा दुग्ध संघ के नवीन संयंत्र तथा अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास-लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों एवं पशुपालकों के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य किया गया है। इसी का परिणाम है कि आज राजस्थान दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर आ गया है। उन्होंने कहा कि लंपी के दौरान मृत गायों के लिए 40-40 हजार रुपए प्रति गाय की आर्थिक सहायता

दी गई। पशुपालकों को 5 रुपए प्रति लीटर अनुदान राज्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन कुर्क होने से रोकने के लिए कानून बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के माध्यम से महिलाओं को इंटरनेट युक्त निःशुल्क स्मार्टफोन वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून बनाकर आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार दिया गया है। एक करोड़ लोगों को न्यूनतम एक हजार रुपए प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन को 25 लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार तथा 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में अपने कुशल प्रबंधन से राज्य देशभर में अग्रणी रहा। राज्य सरकार का *भीलवाड़ा मॉडल* भी पूरे देश में चर्चा का विषय रहा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पशुधन सहायक का पदनाम पशुधन निरीक्षक करने, प्रथम श्रेणी के पशु चिकित्सा अधिकारियों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह विशेष परियोजना भत्ता तथा पशुधन सहायक, पशुधन प्रसार अधिकारी का विशेष हार्ड ड्यूटी भत्ता 500 रुपए किए जाने की घोषणा की। इस दौरान श्री गहलोत ने मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत प्रति परिवार दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रुपए का निःशुल्क बीमा किया जा रहा है। इसमें प्रीमियम का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। इस दौरान इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 18.33 लाख लाभार्थियों को जुलाई माह की 77.68 करोड़ रुपए की सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा 173 दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की गई। इससे पहले समारोह की शुरूआत में मुख्यमंत्री गहलोत एवं राज्यसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने गाय की विधिवत पूजा-अर्चना की। इन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं, भीलवाड़ा दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ, महंगाई राहत कैंप, इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन के स्टॉल का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री से कार्यक्रम से पहले आआपा नेता मनोज राठी गिरफ्तार

हिसार (हिंस)। हांसी क्षेत्र में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के जन संवाद कार्यक्रम से ऐन पहले आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज राठी को हिरासत में ले लिया गया। वह मुख्यमंत्री के समक्ष हांसी को जिला बनाने सहित अन्य विषयों पर सवाल उठाने का प्रयास कर रहे थे। आम आदमी पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सचिव रामबिलास जांगड़ा ने मनोज राठी को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करवाकर जन संवाद किया जाना जनता की समझ से परे है और यह सरकार की तानाशाही का प्रमाण है। रामबिलास जांगड़ा ने कहा कि पार्टी नेता मनोज राठी ने एक दिन पहले ही पत्रकार वार्ता करके हांसी को जिला बनाने सहित क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, जन सुविधाओं की कमी सहित अन्य मुद्दे उठाए थे। प्रशासन को चाहिए था कि विपक्षी नेता की बात भी ध्यान से सुनी जाती है और आआप नेता को मुख्यमंत्री से मिलवाया जाता लेकिन इसके विपरीत मनोज राठी को गिरफ्तार करवा दिया गया। इसके चलते मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से काफी पहले उन्हें हिरासत में ले लिया गया और बाद में हांसी अपराध शाखा

में ले जाकर बैठा दिया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के जन संवाद में कोई भी आदमी किसी तरह का मांग व आवाज उठा सकता है लेकिन जनता की आवाज से भाजपा सरकार डरी हुई है। यही कारण है कि आआप नेता मनोज राठी को गिरफ्तार करवा दिया गया। इससे पहले सिरसा जिले में हुए जन संवाद कार्यक्रम के दौरान आआप नेता कुलदीप गदराना व अन्य को गिरफ्तार करवाया गया था ।सिरसा जिले में ही एक महिला सरपंच का सरेआम अपमान मुख्यमंत्री के सामने हुआ था।

भारत को भारत से ही पहचाना व बोला जाना चाहिए : सत्यपाल अग्रवाल

हिसार (हिंस)। देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने की चल रही अटकलों के बीच काफी अर्से से मांग करते आ रहे स्वैच्छिक सामाजिक संस्था सजग के प्रदेशाध्यक्ष सत्यपाल अग्रवाल ने पुनः मांग की है कि भारत का नाम केवल भारत हो इंडिया नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि केंद्रीय सरकार से अनेक बार अनुरोध करने पर उन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय से पत्र मिला जिसमें संवैधानिक विषय का हवाला देते हुए देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने में असमर्थता जताई गई। सत्यपाल अग्रवाल ने बुधवार को फिर से प्रधानमंत्री को पत्र लिखा। उन्होंने मांग की कि वे संविधान में संशोधन करा कर इंडिया नाम बदलकर भारत करने का प्रावधान सुनिश्चित करने का एक ऐतिहासिक काम करें। उन्होंने कहा कि कभी सोने की चिड़िया कहलाने वाला और अब पुनः विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर भारत के लिए अब समय आ गया है कि सम्पूर्ण विश्व में व विश्व की प्रत्येक भाषा में भारत की पहचान अपने प्राचीन गरिमामई नाम भारत से ही हो इंडिया आदि से नहीं। आत्मनिर्भर विकसित भारत निर्माण में भी यह एक ठोस कदम साबित होगा।

किसी भी शास्त्र व राष्ट्रीय गान में *इंडिया* नाम का उपयोग नहीं हुआ: विज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने देश का नाम *भारत* प्रचलित करने पर विपक्षी पार्टियों के विरोध पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कोई पहली बार आईएनडीआईए नाम नहीं रखा, इन्होंने 1977 में भी कहा था कि इंदिरा इज इंडिया। उस समय भारत की जनता ने इंदिरा को धूल चटा दी थी और आज वही काम अब हिन्दुस्तान की जनता इस आईएनडीआईए वालों का करने वाली है। विज ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि संविधान के पहले अनुच्छेद में ही लिखा हुआ है कि *वी दि पीपुल्स ऑफ इंडिया दैट इज भारत,* जब

गीता व राष्ट्रीय गान में भी *भारत* ही लिखा गया है

संविधान में ही यह लिखा हुआ है कि हम इंडिया के लोग जो भारत है और इसे पूरी तरह स्पष्ट किया गया है। गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि अब किसी का प्रचलित नाम कुछ और है और असली नाम कुछ और है, तो असली नाम से पुकारने पर ऐतराज क्यों और किस बात का ऐतराज हो रहा है। गृह मंत्री अनिल विज ने संविधान के बाद शास्त्रों का उदाहरण देते हुए बताया कि किसी भी शास्त्र में, वेदों में, उपनिषद में आईएनडीआईए का वर्णन नहीं है। उन्होंने ने गीता के एक श्लोक का उदाहरण देते हुए बताया कि *यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत* श्लोक में भारत का ही जिक्र है आईएनडीआईए का नहीं। गृहमंत्री अनिल विज ने राष्ट्रीय गान गाकर भी बताया कि उसमें भी *भारत भाग्य विधाता* लिखा है, वहां इंडिया नहीं लिखा गया।

पर्यवेक्षकों के समक्ष सैलजा गुट के कांग्रेसियों ने मचाया बवाल

फरीदाबाद (हिंस)। जींद, करनाल और कुरुक्षेत्र के बाद अब फरीदाबाद में भी कांग्रेसियों की गुटबाजी पर्यवेक्षकों के समक्ष देखने को मिली। फरीदाबाद के सेक्टर-16ए स्थित सर्किट हाऊस में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलने आए पर्यवेक्षकों के समक्ष सैलजा गुट के कांग्रेसियों ने जमकर हंगामा किया और अपना दुखड़ा बताया। कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए सर्किट हाऊस के बाहर आ गए। गुट के कार्यकर्ताओं ने सीधे रूप से चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी किसी व्यक्ति विशेष की पार्टी नहीं है, उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन इस पार्टी को विकसित करने में लगा दिया, लेकिन आज उन्हें कांग्रेस की मीटिंगों में बुलाया तक नहीं जाता, क्या हम कांग्रेसी नहीं है। विरोध दर्ज करवाने वाले कांग्रेसियों ने स्पष्ट कहा कि वह सोनिया गांधी, राहुल गांधी के सिपलसलार है। इस प्रकार की अनदेखी को वह कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे के पक्ष में जमकर नारे लगाए और कहा कि तानाशाही नहीं चलेगी। दरअसल बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से नियुक्ति पर्यवेक्षक विधायक आफताब अहमद, पूर्व विधायक गीता भुक्कल, चक्रवर्ती शर्मा कार्यकर्ताओं की रायशुमारी जानने के लिए सर्किट हाऊस पहुंचे थे, कार्यकर्ताओं से मिलने से पूर्व ही कांग्रेस की गुटबाजी देखने को मिली।

जन्माष्टमी आज, मंदिरों में तैयारियां पूरी

अलवर (हिंस)। जिले में कल जन्माष्टमी का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसे लेकर विभिन्न तैयारियां मंदिरों सहित अन्य स्थानों पर चल रही है। शहर सहित कई अन्य क्षेत्रों में शोभायात्रा निकाली जाएगी। बाजार में तैयारियों को लेकर खरीदारी के लिए लोग उमड़ रहे हैं। बाजारों में विभिन्न तरह की भगवान कृष्ण और राधा रानी की पोशाक मिल रही है। छोटे बच्चों को नंदलाला बनाकर सजाया जाएगा। मंदिरों में विशेष फुल और लाइटिंग से सजावट की जा रही है। नया बास स्थित राजदीप एकेडमी सहित कई अन्य स्कूल में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। छोटे-छोटे बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी के स्वरूप में सज- धज कर अपने माता-पिता के साथ सुबह स्कूल आए। सिर पर मोर मुकुट और हाथ में बांसुरी लेकर आते हुए बच्चों से आज विद्यालय में ब्रज सरकार हो उठा। बच्चों ने कक्षा में अपने शिक्षकों के साथ पढ़ाई की बाद में उत्सव मनाया गया। भगवान कृष्ण जी की पूजा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ दही हांडी व अन्य खेल खेल कर बच्चे बड़े उत्साहित हुए। संस्था प्रधान कुलदीप शर्मा ने भगवान श्री कृष्णा

और उनकी लीलाओं का वर्णन सभी को किया तथा सदा धर्म की रक्षा का संदेश भी दिया तथा प्रसाद वितरण भी किया गया।

गुरुग्राम में जी-20 की चौथी शेरपा बैठक : देसी गीतों पर खूब थिरके विदेशी मेहमान

नूंह/गुरुग्राम (हिंस)। जी-20 समिट की चौथी शेरपा बैठक के बाद विदेशी प्रतिनिधियों ने हरियाणा की समृद्ध परंपरा व विरासत के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद उठाया। भले ही वे हरियाणवी बोली को समझ ना पाए हों, लेकिन उनका रिएक्शन बता रहा था कि हरियाणवी पारंपरिक गीतों की धुन, डांस उन्हें खूब पसंद आ रहा है। वे धुनों पर अपने आप को थिरकने से भी नहीं रोक पाए। हरियाणवीं कलाकारों के साथ विदेशी मेहमानों ने जमकर डांस किया। हरियाणा सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या में जब 110 कलाकारों ने बारी-बारी से नॉन स्टॉप प्रस्तुति दी तो विदेशी डेलीगेट मंत्रमुग्ध हो गए। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने सांस्कृतिक टीमों की परफॉर्मेंस की सराहना की। इस तरह के वैश्विक मंच पर अपनी प्रस्तुति देना हरियाणा के कलाकारों को भी गर्व और गौरव की

अनुभूति करा रहा था। सांस्कृतिक कार्यक्रम में देसी धुन और गीतों पर मेहमानों ने तालियों की गड़गड़ाहट से हरियाणवी पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुति दे रहे कलाकारों की हौसला अफजाई की। साथ ही उन्होंने हरियाणा सरकार के परंपरा और संस्कृति को संरक्षित रखने की प्रतिबद्धता की सराहना भी की। कलाकारों ने देसी धुनों पर हरियाणवी तीज त्यौहारों की परंपरा से जुड़े गीत सुनाकर दर्शकों में सावन की मस्ती का अहसास कराया। वहीं पनिहारी, खोडिया व रशिया के रश घोलकर माहौल को खुशनुमा कर दिया। सांस्कृतिक संध्या में हरियाणा के कई पारंपरिक गीतों के बोल सुनने को मिले। इसमें पुरातनता और आधुनिकता का सामंजस्य देखने को मिला। इसमें हरियाणा के गौरवशाली अतीत को दर्शाया गया। हरियाणा की वैदिक भूमि भारतीय संस्कृति और सभ्यता के उद्गम स्थल के रूप में जानी जाती है। पृथ्वी पर हरि (ईश्वर) का निवास कहे जाने वाले हरियाणा के इतिहास को कलाकारों ने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत किया। राज्य पारंपरिक गीतों को आधुनिकता के साथ स्टेज पर पेश करके परंपरा और प्रगति की तस्वीर पेश की।

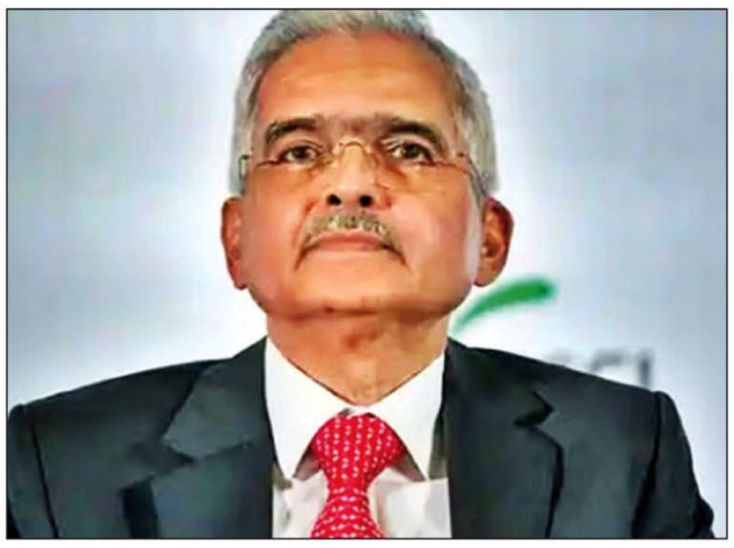

शक्तिकांत दास बोले– आरबीआई महंगाई दर चार फीसदी पर लाने को प्रतिबद्ध, जोखिमों पर रखेंगे नजर

नई दिल्ली ।
आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई को चार फीसदी तक लाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, वह जोखिमों पर नजर रखेगा, क्योंकि कई बार होने वाले वैश्विक आपूर्ति के झटके का मूल्य स्थिति के प्रबंधन पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के कार्यक्रम में दास ने कहा, आरबीआई सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है कि महंगाई के संबंध में सामान्यीकरण और दृढ़ता के रूप में दूसरे प्रभावों को हावी न होने दिया जाए। आरबीआई को महंगाई को दो फीसदी कम या ज्यादा के साथ 4 फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी है। बार-बार होने वाली खाद्य कीमतों के झटके की घटनाएं महंगाई की उम्मीदों के स्थिरीकरण के लिए जोखिम पैदा करती हैं। महंगाई फरवरी 2022 से ऊंचे स्तर पर बनी हुई है।

सरकार के निरंतर प्रयासों का दिख रहा असर

दास ने कहा, सरकार के निरंतर और समय पर आपूर्ति पक्ष के हस्तक्षेप की भूमिका ऐसे खाद्य मूल्य झटकों की गंभीरता और अवधि को सीमित करने में महत्वपूर्ण है। इन परिस्थितियों में मूल्य स्थिरता के लिए किसी भी जोखिम के प्रति सतर्क रहने के साथ समय पर और उचित रूप से कार्य करना जरूरी है। सब्जियों में तेजी से जुलाई में खुदरा महंगाई 15 माह के उच्च स्तर 7.4 फीसदी पर पहुंच गई थी।

कुछ महीने तक ऊंची रहेगी महंगाई: एसएंडपी

एसएंडपी ने कहा कि अगले कुछ महीने तक महंगाई उच्च स्तर पर बनी रहेगी। हालांकि, सरकारी नीतियों से इसे आगे और बढ़ने से रोकने में मदद मिलेगी। एजेंसी के एशिया-प्रशांत के विश्रुत राणा ने कहा, देश में अगस्त में बारिश सामान्य से 11 फीसदी कम हुई है। इससे अगले कुछ महीने तक फसलों को लेकर चिंता बनी रहेगी। आपूर्ति बहुत मजबूत बनी हुई है और सरकार गेहूं और चावल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को रोकने के लिए कदम उठा सकती है।

कॉल मनी मार्केट में डिजिटल मुद्रा के थोक इस्तेमाल की तैयारी

आरबीआई प्रायोगिक तौर पर संचालित केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के थोक इस्तेमाल का अंतरबैंक उधारी या कॉल मनी मार्केट में टोकन के तौर पर विस्तार देने की योजना बना रहा है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

न्यूज ब्रीफ

157 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 69.3 लाख करोड़: ए. कृष्णमूर्ति की दौलत 1 साल में 132 बढ़ी, अडाणी की संपत्ति घटकर आधी रह गई

नई दिल्ली। दुनियाभर में चल रहे आर्थिक संकट, महंगाई और ब्याजदरों में लगातार बढ़ोत्तरी के बीच भारतीय उद्योगपतियों की संपत्ति 133प्रतिशत तक बढ़ी है। दुनिया में केवल भारत की ही आर्थिक वृद्धि मजबूत है। फॉर्च्यून इंडिया रिपोर्ट अनुसार देश के 157 सबसे धनी उद्योगपतियों की मौजूदा कुल संपत्ति और पिछले साल, यानी 2022 के मुकाबले उसमें कमी और बढ़ोतरी का ब्योरा दिया गया है। सूची में शामिल इन उद्योगपतियों की कुल संपत्ति 69.30 लाख करोड़ रुपए है। सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी पहले नंबर पर हैं। उनकी संपत्ति 8.19 लाख करोड़ रुपए है, जो 2022 की तुलना में 9प्रतिशत ज्यादा है। पिछले साल उनकी संपत्ति 7.54 लाख करोड़ रुपए थी। एक साल में इसमें करीब 65 हजार करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, संपत्ति बढ़ने के मामले में सिम्पसन एंड कंपनी के ए. कृष्णमूर्ति और जीरोधा ब्रोकिंग के निखिल कामथ सबसे ऊपर हैं, इनकी संपत्ति एक साल में दोगुनी से ज्यादा बढ़ी है। संपत्ति में कमी की बात करें तो बायजू ग्रुप के बायजू रवींद्रन पहले पायदान पर हैं। एक साल में उनकी संपत्ति 73.16प्रतिशत की कमी के साथ 10,980 करोड़ रह गई। वहीं, अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी की संपत्ति अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण एक साल में 49.17प्रतिशत कम हो गई है। पिछले साल उनकी संपत्ति 10.3 लाख करोड़ थी, जो अब घटकर 5.24 लाख करोड़ रह गई। हालांकि, संपत्ति में गिरावट के बावजूद अडाणी इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बनाने के लिए 3,760 करोड़ रुपये को मंजूरी, कैबिनेट की बैठक में फैसला

नई दिल्ली । सरकार ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बनाने के लिए 3,760 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज केंद्रीय कैबिनेट ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के विकास के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के लिए एक योजना को मंजूरी दी है। इस योजना में 2030-31 तक 4,000 मेगावाट की बीईएसएस परियोजनाओं के विकास की परिकल्पना की गई है, जिसमें बजटीय सहायता के रूप में पूंजीगत लागत का 40प्रतिशत तक वित्तीय सहायता के रूप में दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कोष वर्ष 2030-31 तक पांच किस्तों में जारी किया जाएगा। इससे 4,000 मेगावाट घंटे का ऊर्जा भंडार तैयार करने में मदद मिलेगी। ठाकुर ने कहा कि व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण से 9,500 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। भारत ने अगले कुछ वर्षों में अपनी आधी ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा और गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। भंडारण प्रणाली की स्थापना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हिमाचल और उत्तराखंड में औद्योगिक विकास के लिए 1165 करोड़ रुपये की मंजूरी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए औद्योगिक विकास योजना, 2017 के तहत अतिरिक्त निधि की आवश्यकता के रूप में 1164.53 करोड़ रुपये को मंजूरी दी है।

जी20 शिखर सम्मेलन के कारण दिल्ली-हवाई अड्डे से रद्द होंगी उड़ानें, एयरलाइन ने यात्रियों को दी जानकारी

नई दिल्ली । एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि यात्रियों को जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ाने रद्द होने के बारे में सूचित कर दिया गया है। इंडिगो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, दिल्ली में आयोजित होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन 2023 के मद्देनजर इंडिगो आठ से 11 सितंबर 2023 के बीच दिल्ली से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बार की छूट की पेशकश कर रहा है। कंपनी ने कहा, ''ग्राहकों को पैसे वापस लेने के साथ ही उड़ानें पुनर्निर्धारित या रद्द करने का विकल्प दिया जा रहा है। यात्रियों को उड़ान रद्द होने और समय-सारणी में बदलाव के बारे में पहले से सूचित कर दिया गया है। इसमें उन उड़ानों की संख्या की जानकारी नहीं दी गई, जिनके प्रभावित होने की आशंका है।

चीन में सरकारी अधिकारियों के आईफोन इस्तेमाल पर रोक

कहा–दूसरे देशों के बने डिवाइस ऑफिस न लाए, देश में बने फोन का इस्तेमाल करें

बीजिंग।
चीन ने अमेरिकी कंपनी एपल सहित दूसरे देशों के डिवाइस के यूज पर रोक लगा दी है। हालांकि, यह रोक केवल सरकारी अधिकारियों पर लागू होगी। अधिकारियों से कहा गया है कि वह ऑफिस में इन डिवाइसों को न लाए और न ही काम के लिए यूज करें। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी एक रिपोर्ट में ये दावा किया है। चीन की सरकार ने अधिकारियों को देश में बने फोन को इस्तेमाल करने के लिए कहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने एपल के अलावा अन्य फोन मैन्युफैक्चरर का नाम नहीं लिया है। अभी तक एपल ने इसके बारे में कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, चीन की सरकार ने भी इस पाबंदी के बारे में ऑफिशियल तौर कोई भी जानकारी नहीं दी है।

एपल के वंडरलस्ट इवेंट से पहले लगाया प्रतिबंध

चीन ने सरकारी अधिकारियों के आईफोन इस्तेमाल करने पर यह प्रतिबंध ऐसे समय में लगाया है, जब कंपनी 12 सितंबर को कैलिफोर्निया में वंडरलस्ट इवेंट करने वाली है। इस इवेंट में एपल आईफोन 15 सीरीज के साथ एपल वॉच सीरीज 9 और एपल वॉच अल्ट्रा 2 को भी लॉन्च कर सकता है।

रूस आईफोन से अमेरिका पर जासूसी करने आरोप लगा चुका है

तीन महीने पहले रूस ने अमेरिका पर आईफोन से जासूसी करने का आरोप लगाया था। हालांकि एपल ने सभी आरोपों को खारिज किया था। एपल ने कहा था, हमने कभी भी किसी देश की सरकार के साथ मिलकर फोन में छेड़छाड़ नहीं की है और न ही कभी करेंगे। एपल 2025 तक 18प्रतिशत ग्लोबल आईफोन मैन्युफैक्चरिंग को भारत शिफ्ट करने पर विचार कर रहा है। बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम एपल को देश में मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि सरकार की पीएलआई स्कीम केवल एपल की नहीं बल्कि इंडिया की मदद कर सकती है। यह स्कीम वित्त वर्ष 2026 तक मोबाइल फोन का डोमेस्टिक प्रोडक्शन 3 गुना बढ़ाकर 126 अरब डॉलर और निर्यात 5 गुना बढ़ाकर 55 अरब डॉलर करने के लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर सकती है। जियो पॉलिटिकल टेंशन और कोरोना महामारी के बाद एपल समेत अन्य अमेरिकी टेक दिग्गज भी चीन के बाहर अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के विस्तार पर काम कर रहे हैं। भारत सरकार की पीएलआई स्कीम का हिस्सा एपल एपल के तीनों कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर भारत सरकार की 41,000 करोड़ रुपए की प्रोडक्शन-लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम का हिस्सा हैं। इस स्कीम के बाद ही भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग में तेजी आई है। 2020 में भारत सरकार ने पीएलआई चीन में सरकारी अधिकारियों के आईफोन इस्तेमाल पर रोक: कहा-दूसरे देशों के बने डिवाइस ऑफिस न लाए, देश में बने फोन का इस्तेमाल करें।

देश में यूपीआई के जरिये लेनदेन 100 अरब तक पहुंचने की क्षमता, एनपीसीआई प्रमुख ने कही यह बात

मुंबई ।
भारत के पास यूपीआई के जरिये 100 अरब से भी अधिक लेनदेन करने की क्षमता है। यह देश में यूपीआई से मौजूदा समय में होने वाले मासिक लेनदेन का 10 गुना होगा। 2016 में एकीकृत भुगतान मंच के तौर पर यूपीआई की शुरुआत के बाद से इससे होने वाले लेनदेन की संख्या अगस्त में 10 अरब के पार पहुंच गई है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ दिलीप असबे ने कहा, देश में 35 करोड़ लोग यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं। इनकी संख्या में तीन गुना बढ़ोतरी की गुंजाइश है। अगर सम्मिलित प्रभाव को देखें तो हम मौजूदा स्थिति से 10 गुना ज्यादा लेनदेन तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, असबे ने 100 अरब के लक्ष्य को हासिल करने की समयसीमा का उल्लेख नहीं किया।

सिंगापुर से लिमिट बढ़ाने पर चर्चा

एनपीसीआई एकल लेनदेन सीमा को 1,000 एसजीडी (सिंगापुर डॉलर) से बढ़ाकर 5,000 एसजीडी से अधिक करने के लिए सिंगापुर से बातचीत कर रहा है। एनपीसीआई प्रमुख ने कहा, देश में क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल 10 गुना बढ़ सकता है, लेकिन इसके लिए बैंकों की ओर से सही मंच मुहैया कराना जरूरी होगा। वैश्विक भुगतान कार्ड कंपनी वीजा हर महीने 22.5 अरब लेनदेन प्रसंस्करण करती है। इसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी मास्टरकार्ड से 11 अरब से अधिक लेनदेन होते हैं।

ग्राहकों के उत्तराधिकारियों को नॉमिनी बनाना सुनिश्चित करें वित्तीय संस्थान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों व अन्य वित्त संस्थानों से सुनिश्चित करने को कहा है कि उनके ग्राहक उत्तराधिकारी के रूप में नॉमिनी का पंजीकरण कराएं। इससे बिना दावे वाली रकम घटाने में मदद मिलेगी। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में सीतारमण ने कहा, मैं चाहती हूं कि बैंकिंग प्रणाली, शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड सुनिश्चित करें कि जब कोई ग्राहक पैसे का लेनदेन करता है तो वह उत्तराधिकारी को नामित करें और पूरी जानकारी दर्ज करें। बैंकिंग प्रणाली में ही 35,000 करोड़ रुपये से अधिक ऐसी राशि है, जिस पर किसी का कोई दावा नहीं है।

डीमैट अकाउंट की संख्या बढ़कर 10 करोड़ हुई: 2020 में 4.1 करोड़ अकाउंट थे, म्यूचुअल फंड में भी बढ़ रहा निवेश

मुंबई।
यूनियन फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2023 में कहा कि डीमैट अकाउंट की संख्या 2019-20 में 4.1 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 2022-23 में 10 करोड़ हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि अब रिकॉर्ड संख्या में म्यूचुअल फंड और एसआईपी रजिस्टर किए जा रहे हैं, जो वेल्थ बनाने में मदद करते हैं। वित्त मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि फिनटेक को जहां इनोवेशन की जरूरत है, वहीं तरह-तरह के जोखिमों का सामना करने के लिए सिक्योरिटी में निवेश करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

1. क्रिप्टोकरेंसी के लिए फ्रेमवर्क जरूरी

सीतारमण ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी से उत्पन्न खतरों का मुकाबला करने के लिए एक फ्रेमवर्क जरूरी है। इसके लिए वैश्विक सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा, वैश्विक सहयोग के बिना ऐसा फाइनेंशियल इकोसिस्टम नहीं मिलेगा जो इसे रेगुलेट कर सके।

2. कस्टमर्स से जरुर लें नॉमिनी का नाम

वित्त मंत्री ने कहा, मैं चाहती हूं कि बैंकिंग सिस्टम, फाइनेंशियल इकोसिस्टम, म्यूचुअल फंड्स और शेयर मार्केट्स...हर कोई यह ध्यान रखे कि जब कोई अपने ग्राहक के पैसे का लेनदेन करता है, तो ऑर्गेनाइजेशन को उसके भविष्य के बारे में सोचना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्राहक अपने नॉमिनी को रजिस्टर करें।

3. 2047 में आईटीआर फाइल करने वालों की संख्या

48.2 करोड़ होगी वित्त मंत्री ने कहा कि प्रत्येक टैक्स स्लैब के तहत टैक्स फाइलिंग में न्यूनतम तीन गुना वृद्धि देखी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक टैक्सेबल वर्कफोर्स मौजूदा 22.5प्रतिशत से बढ़कर 85.3प्रतिशत हो जाएगी। 2047 में आयकर दाखिल करने वालों की संख्या 48.2 करोड़ हो जाएगी जो अभी 7 करोड़ है।

टमाटर और प्याज के बाद अब चीनी पर महंगाई की मार, त्योहारों के पहले छह साल के उच्चतम स्तर पर भाव

नई दिल्ली ।
बीते एक पखवाड़े में चीनी की कीमतों में 3प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ कीमतें छह वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में व्यापारियों और उद्योग जगत के अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि देश के प्रमुख चीनी उत्पादक क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण घबराहट की स्थिति बनी है, जो आगामी सीजन में उत्पादन में गिरावट का संकेत देती है। अगर ऐसा होता है तो त्योहारों के पहले चीनी की कीमतों पर इसका असर दिख सकता है। टमाटर और प्याज की कीमतों में राहत मिलने बाद अब चीनी के बढ़ते भाव लोगों की परेशानी फिर बढ़ा सकते हैं।

नए सीजन में चीनी उत्पादन 3.3प्रतिशत तक कम होने की आशंका

रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्तूबर से शुरू होने वाले नए सीजन में चीनी उत्पादन 3.3प्रतिशत घटकर 31.7 मिलियन मीट्रिक टन हो सकता है क्योंकि कम बारिश से दक्षिणी भारत के पश्चिमी राज्य महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की पैदावार प्रभावित हो सकती है, इनका कुल भारतीय उत्पादन में आधे से अधिक का हिस्सा है। इस बीच चीनी की कीमतें बढ़कर 37,760 रुपये (454.80 डॉलर) प्रति मीट्रिक टन पर पहुंच गईं, जो अक्टूबर 2017 के बाद से उच्चतम स्तर है। हालांकि भारत में चीनी की कीमतें वैश्विक सफेद चीनी बेंचमार्क की तुलना में लगभग 38प्रतिशत कम हैं।

चीनी कंपनियों के शेयरों में तेजी

उत्पादक क्षेत्रों में कमजोर मानसून के मद्देनजर उत्पादन को लेकर चिंताओं के कारण बुधवार को चीनी कंपनियों के शेयरों में 8प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में राणा शुगर के शेयर 5 प्रतिशत तक मजबूत हुए। इसके बाद श्री रेणुका शुगर्स, द उगार शुगर, द्वारिकेश शुगर, ईद पैरी, त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज और बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयर शुरुआती कारोबार में 1.4प्रतिशत से 8प्रतिशत तक तक इजाफा दिखा। चीन कंपनियों के स्टॉक इस उम्मीद में मजबूत हो रहे हैं कि यदि उच्च कीमतें बनी रहती हैं तो चीनी निर्माताओं के मार्जिन में सुधार हो सकता है।

आईटीसी ने 16 बिस्किट के पैकेट में 15 ही पैक किए; अब भरना होगा एक लाख का हर्जाना

नई दिल्ली ।
चेन्नई की एक उपभोक्ता अदालत ने आईटीसी लिमिटेड को 16 बिस्किट वाले सन फीस्ट मैरी लाइट के पैक में एक बिस्किट कम पैक करने के कारण मुआवजे के तौर पर एक लाख रुपये चुकाने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि वह चेन्नई के एक उपभोक्ता को मुआवजे के तौर पर एक लाख रुपये का भुगतान करे।

एमएमडीए माथुर के पी दिल्लीबाबू ने चेन्नई के मनाली में एक खुदरा स्टोर से दिसंबर 2021 में आवारा जानवरों को खिलाने के लिए दो दर्जन सन फीस्ट मैरी लाइट बिस्किट के पैकेट खरीदे थे। जब उन्होंने पैकेट खोले, तो उन्हें केवल 15 बिस्कुट मिले, जबकि रैपर के अनुसार यह 16 बिस्किट का पैकेट था। जब दिल्लीबाबू ने स्टोर से संपर्क किया, तो कोई उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आईटीसी से स्पष्टीकरण के लिए भी संपर्क किया, पर वहां भी उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि आईटीसी लिमिटेड एक दिन में करीब 75 लाख पैकेट बनाती है पैकेट के प्रत्येक बिस्किट की कीमत 75 पैसे है। पैकेट पर लिखे आंकड़ों की गणना से पता चलता है कि कंपनी इस तरह एक बिस्किट कम देकर दिन जनता को 29 लाख रुपये से अधिक का चूना लगा रही है।

अपने जवाब में, कंपनी ने तर्क दिया कि उक्त उत्पाद केवल वजन के आधार पर बेचा गया था, न कि बिस्कुट की संख्या के आधार पर। बिस्कुट के पैकेट का विज्ञापित शुद्ध वजन 76 ग्राम था। हालांकि, जब आयोग ने इसकी जांच की, तो उन्हें पता चला कि सभी (15 बिस्कुट वाले) पैकेट की कीमत केवल 74 ग्राम थे।

उसके बाद आईटीसी के वकील ने तर्क दिया कि 2011 के लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स प्री-पैकेज्ड कमोडिटीज के मामले में अधिकतम 4.5 ग्राम की स्वीकार्य त्रुटि की अनुमति देते हैं। हालांकि फोरम ने इस तर्क को भी नहीं माना और कहा किइस तरह की छूट केवल अस्थिर प्रकृति के उत्पादों पर लागू होती है। यह बिस्कुट जैसी वस्तुओं पर लागू नहीं है, जिनका समय के साथ वजन कम नहीं होता है। इस बचाव को कि उत्पाद संख्या के आधार पर नहीं बल्कि वजन के आधार पर बेचा गया था उसे भी खारिज कर दिया गया, क्योंकि पैकेट पर बिस्किट के पैकेट पर बिस्किट की संख्या अंकित की गई थी।

उसके बाद उपभोक्ता अदालत ने 29 अगस्त को आईटीसी को निर्देश दिया था कि वह अनुचित व्यापार प्रथाओं को अपनाने के लिए दिल्लीबाबू को मुआवजे के रूप में न केवल एक लाख रुपये का भुगतान करे, बल्कि बिस्कुट के उक्त बैच की बिक्री भी बंद करे।

जुपिटर लाइफ लाइन हॉस्पिटल्स का आईपीओ ओपन हुआ: 8 सितंबर तक कर सकेंगे अप्लाई, प्राइस बैंड 695 से 735 प्रति शेयर

मुंबई। जुपिटर लाइफ लाइन हॉस्पिटल्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। रिटेल इन्वेस्टर्स इस आईपीओ के लिए 8 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। 18 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 869.08 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके 542 करोड़ के 7,374,163 फ्रेश शेयर जारी किए जाएंगे। जबकि 327.08 करोड़ के 4,450,000 शेयरों को कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 20 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 695-735 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 735 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,700 लगाने होंगे। 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व कंपनी ने इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। जुपिटर लाइफ लाइन हॉस्पिटल्स लिमिटेड मुंबई मेट्रो पॉलिटन एरिया और भारत के पश्चिमी क्षेत्र में मल्टी-स्पेशियलिटी टर्शियरी व क्वार्टनरी हेल्थकेयर प्रोवाइडर है। वर्तमान में ठाणे, पुणे और इंदौर में ज्यूपिटर ब्रांड के तहत तीन हास्पिटल ऑपरेट हो रहे हैं। तीनो हास्पिटल में टोटल 1,194 बेड कैपेसिटी है।

वेनिस फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिलने पर सुर्खियों में स्टोलन

-फिल्म में अभिषेक बनर्जी की है मुख्य भूमिका

मुंबई (ईएमएस)। बेहतरीन थ्रिलर फिल्म स्टोलन वेनिस फिल्म फेस्टिवल 2023 में भारत की एकमात्र एंट्री मिलने के कारण सुर्खियां बटोर रही है, जो 30 अगस्त से 9 सितंबर तक होगी। इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी की मुख्य भूमिका है। स्टोलन का निर्देशन करण तेजपाल ने किया है और जंगल बुक स्टूडियो के गौरव ढींगरा द्वारा निर्मित है। इसमें सह-कलाकार शुभम और मिया मेल्जर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। स्टोलन का वेनिस फिल्म फेस्टिवल में प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय विशेषताओं के साथ विशेष प्रीमियर हुआ, जिसमें डेविड फिंचर की द किलर, ब्रैडली कूपर की मेस्ट्रो और सोफिया कोपोला की सच्ची कहानी वाली फिल्म प्रिसिला भी शामिल हैं। एक बड़े से प्रीमियर के लिए फिल्म के निमार्ताओं के साथ-साथ स्टोलन की पूरी कास्ट और क्रू मौजूद थी। दर्शकों और आलोचकों दोनों से अपार तारीफे हासिल करते हुए, स्टोलन फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद पांच मिनट तक खड़े होकर स्टैंडिंग ओवेशन मिली। भारतीय सिनेमा को वर्ल्ड मैप पर लाने और इतनी शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाली स्टोलन ने ग्लोबल दर्शकों को फिल्म के लिए और अधिक उत्साहित कर दिया है।

वेनिस के कलात्मक निर्देशक अल्बर्टो बारबरा द्वारा इसे लुभावनी एक्शन थ्रिलर और विश्व सिनेमा में छिपा हुआ रत्न के रूप में नवाजा गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही आलोचकों की प्रशंसा के बाद, स्टोलन के निमार्ताओं ने अब फिल्म से अभिषेक बनर्जी की पहली पोस्टर को रिलीज किया है। सभी चीजों को तीव्र, खुरदुरा और कटा हुआ देखते हुए, उनके लुक ने वास्तव में सिनेप्रेमियों को आकर्षित कर लिया है। एक बहुप्रतीक्षित थ्रिलर, स्टोलन एक पांच महीने के बच्चे के उसकी मां से अपहरण की कहानी बताती है, और यह घटना भाइयों गौतम और रमन का ध्यान आकर्षित करती है, जिससे उन्हें विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो उनके रिश्तों और दृढ़ विश्वास का परीक्षण करती हैं।

टाइगर 3 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड

-धांसू फर्स्ट लुक पोस्टर हुआ रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के बजरंगी भाईजान यानि सलमान खान और कैटरीना कैफ की आने वाली टाइगर 3 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड है। यशराज बैनर की स्पाई थ्रिलर टाइगर फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त यानी टाइगर 3 का फैंस को बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच फैंस की एक्साइटेज लेवल में अब और इजाफा होने जा रहा है, क्योंकि टाइगर 3 का फर्स्ट लुक पोस्टर रिवील कर दिया गया है, जिसे सलमान खान ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। शनिवार को सलमान खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर टाइगर 3 का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया है। इस धमाकेदार पोस्टर को शेयर करते हुए भाईजान ने कैप्शन में लिखा है- आ रहा हूं, इस दिवाली 2023 पर टाइगर 3 रिलीज होगी। यशराज 50 और टाइगर 3 का जश्न अपने नजदीकी सिनेमाघरों में मनाएं। इसके साथ ही सलमान ने ये जानकारी भी दी है कि टाइगर यशराज की पिछली स्पाई थ्रिलर वॉर और पठान की तरह पैन इंडिया फिल्म होगी। सलमान खान और कैटरीना कैफ की टाइगर 3 को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं, ये लाजिमी भी है क्योंकि टाइगर जिंदा है कि अपार सफलता के 6 साल बाद सलमान और कैटरीना की जोड़ी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। ऐसे में टाइगर और जोया की कहानी के इस तीसरे अध्याय के लिए फैंस का एक्साइटेड होना बनता है। अब आने वाले समय में सलमान की टाइगर 3 में शाह रुख खान का कैमियो भी नजर आएगा, जिसमें पठान और टाइगर की जोड़ी फिर से बड़े पर्दे धमाका करती हुई दिखाई देगी। बता दें कि टाइगर फ्रेंचाइजी के इससे पहले आए दो पार्ट एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉबस्टर साबित हुए हैं। इस साल रिलीज हुई शाह रुख खान की मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान में सलमान खान का कैमियो देखने को मिला था। टाइगर के किरदार में सलमान ने पठान में जमकर धूम मचाई थी।

फुकरे-3 के पोस्टर से मचाई धूम

-फिल्म में दर्शकों को मिलेगा हंसी का खजाना

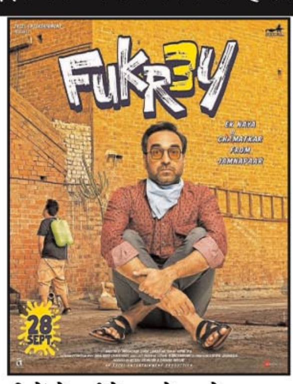

मुंबई (ईएमएस)। फैंस के एक्साइटमेंट को बरकरार रखते हुए फिल्म फुकरे 3 का ट्रेलर कब आएगा, इस सस्पेंस को अब खत्म कर दिया गया है। फिल्म पहले दिसंबर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब खबर आ रही है कि फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जानकारी के मुताबिक, फुकरों की टोली अब दो महीने पहले ही अपने फैंस को एंटरटेन करने के लिए आ रही है। हांलाकि अभी तक इस बात की कोई जानकारी नहीं मिली है कि अचानक मेकर्स ने फिल्म में बदलवाब क्यों लाए। फुकरे के चूचा से लेकर भोली पंजाबन, लाली और हनी सहित हर किरदार फैंस के दिल में पहले ही बस चुका है। अब हाल ही में मेकर्स ने फुकरे-3 से हर एक स्टार का यूनिक पोस्टर फैंस के साथ शेयर किया है। फिल्म में चूचा का किरदार निभाने वाले वरुण शर्मा ने कुछ देर पहले ही पूरी कास्ट का लुक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वरुण शर्मा जहां पोस्टर में मोर बने हुए नजर आ रहे हैं, तो वहीं हनी उर्फ पुलकित सम्राट लटके हुए दिखाई दिए। इसके अलावा पंडित जी का किरदार निभाने वाले पंकज त्रिपाठी आंखों पर गॉगल्स चढ़ाए सड़क के बीचों-बीच बैठे हुए हैं। फुकरे 3 के पोस्टर में लाली उर्फ मनजोत सिंह पहले दो पाट्र्स की तरह ही हैरान परेशान दिख रहे हैं, तो वहीं भोली पंजाबन ऋचा चड्ढा गुंडागर्दी से राजनीति में पहुंच चुकी हैं। ये सभी पोस्टर्स काफी दिलचस्प है। बता दें कि फुकरे 3 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बीते लंबे समय से मेकर्स फिल्म की रिलीज डेट को बार बार टाल रहे थे। वहीं अब फैंस को ज्यादा इंतजार करने की जरूरत नहीं हैं क्योंकि अब फिल्म को प्रीपोन कर दिया गया है।

अमिताभ और शाहरुख के वीडियो पर फैंस लगा रहे कयास

बालीवुड के बिग बी यानि की अमिताभ बच्चन और सुपर स्टार शाहरुख खान का मेकर्स की तरफ से डॉन्स का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे किसी चीज की ओर भाग रहे हैं। वीडियो जारी होने के बाद उनके फैंस कयास लगा रहे हैं। हर कोई सोच रहा है कि यह क्या हो सकता है! आगामी प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी दिए बगैर वीडियो को केवल शब्दों के साथ जारी किया गया - कमिंग सून! जब पहली तस्वीर जारी की गई तो शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर यह भी शेयर किया कि अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए कितना मजेदार और यादगार था और अमिताभ बच्चन ने उन्हें दौड़ में हरा दिया। बहरहाल पहला वीडियो जारी होने के साथ ही इंटरनेट पर इस प्रोजेक्ट को लेकर हलचल मच गई कि अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान 17 साल बाद एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे!

ड्रीम गर्ल 2 ने 8.1 करोड़ का किया कलेक्शन

-फिल्म 100 करोड़ क्लब में ले सकती है एंट्री

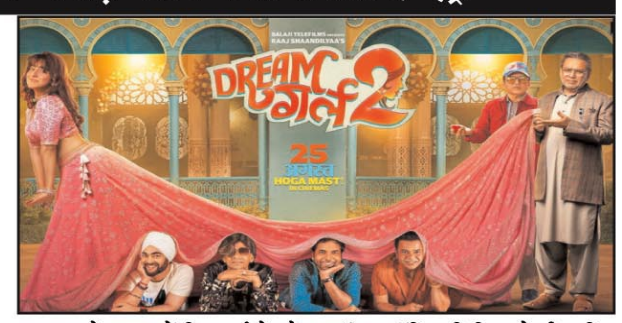

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म ड्रीम गर्ल 2 ने दूसरे रविवार को 8.1 करोड़ का कलेक्शन किया। उम्मीद की जा रही थी कि फिल्म दूसरे हफ्ते में भी कमाई के लिहाज से अच्छा परफॉर्म करेगी, खासकर शुक्रवार को इसने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी। ऐसे में अगर इसी रफ्तार से फिल्म आगे बढ़ती रही तो इस हफ्ते इसके 100 करोड़ क्लब में शामिल होने की संभावना है। फिल्म अब भी बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित कर रही है और अपना शानदार रन सुनिश्चित कर रही है। पहले दिन से ही जबरदस्त चर्चा के साथ, इसने सिनेमाघरों में लोगों की भड़ी जुटाई और अपने एंटरटेनमेंट फैक्टर के साथ तारीफे बटोरी। ड्रीम गर्ल 2 ने वीकेंड्स में अपनी काबिलियत साबित की है और वीकडेज में भी अच्छे नंबर्स जुटाने में कामयाब रही है। ये फिल्म पहले दिन 10.69 करोड़ के कलेक्शन के साथ बॉक्स ऑफिस रेस में शामिल हो गई। इसके बाद फिल्म ने दूसरे दिन शनिवार को 14.02 करोड़, तीसरे दिन रविवार को 16 करोड़, चौथे दिन सोमवार को 5.42 करोड़, पांचवें दिन मंगलवार को 5.87 करोड़, छटे दिन बुधवार को 7.50 करोड़, सातवें दिन थर्स डे को भी 7.50 करोड़, आठवें दिन, फ्राइडे को 4.70 करोड़, नौवें दिन शनिवार को 6.36 करोड़ और दसवें दिन संडे यानी रविवार को 8.1 करोड़ की कमाई के साथ अपना ड्रीम रन जारी रखा। इसके साथ, ड्रीम गर्ल 2 ने निस्संदेह बॉक्स ऑफिस पर एक प्रमुख स्थान हासिल किया और एकता आर कपूर के लिए एक अतिरिक्त मील का पत्थर हासिल किया, जो सफलता हासिल करने और एक्सेप्टेबल कंटेंट पेश करने के लिए लगातार सीमाएं बढ़ाती रहती हैं।एकता आर कपूर और शोभा कपूर कीं ड्रीम गर्ल 2 के जरिए आयुष्मान खुराना के प्रदर्शन में बहुत बदलाव आया, जिसने उन्हें फिल्म जगत में उनकी सीमाओं को आगे बढ़ाने से लेकर उनकी बॉक्स ऑफिस लिमिट को भी साबित किया है। इस फिल्म के साथ एकता ने आयुष्मान खुराना को उनके करियर की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस ओपनिंग दी। ड्रीम गर्ल 2 राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित और एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित हैं। इसमें आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि परेश रावल, राजपाल यादव, विजय राज, मनजोत सिंह, सीमा पाहवा, अभिषेक बनर्जी, मनोज जोशी और अन्नू कपूर अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि आयुष्मान खुराना स्टारर ड्रीम गर्ल 2 रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर झंडा गाड़ रही है। यह फिल्म अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत रही है।

बॉबी देओल की सासू मां का निधन

बालीवुड अभिनेता बॉबी देओल के परिवार पर गमों का पहाड़ टूट गया है। बॉबी देओल की सास और उनकी पत्नी तान्या की मां मर्लिन आहुजा का निधन हो गया है। उनके जाने से परिवार के सदस्य गम में डूबे नजर आ रहे हैं। वह 2 सितंबर को इस दुनिया को अलविदा कह गईं। आखिरकार बीते रविवार उन्होंने जिंदगी की आखिरी सांस ली। मर्लिन के पति और देश के फेमस बैंकर देवेंद्र आहूजा का पहले ही निधन हो चुका था। बता दें, बॉबी देओल के भाई और एक्टर ने शनिवार को अपनी ब्लॉक बस्टर फिल्म गदर-2 की सक्सेस पार्टी रखी थी। इसके एक दिन बाद रविवार को बॉबी देओल की सास दुनिया को अलविदा कह गईं। बताया जा रहा कि मर्लिन आहुजा को उम्र संबंधी शिकायतें थीं और वह काफी समय से बीमार चल रही थीं।

एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन को मिली थी रेप की धमकियां

छोटे परदे की पॉपुलर एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन ने बिग बॉस करने के बाद मिली धमकियों का खुलासा किया है। जैस्मीन भसीन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है कि बिग बॉस 14 करने के बाद उन्हें रेप की धमकियां मिली थी। जी हां, एक्ट्रेस ने अपनी जर्नी के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्हें बिग बॉस के बाद ऑनलाइन ट्रोलर्स से रेप की धमकियां मिली थी। उन्होंने कहा कि- ये एक अन्य कंटेस्टेंट के फैन में से एक था। किसी से प्यार करते हुए, मुझे समझ नहीं आता कि वे किसी से नफरत कैसे शुरू कर सकते हैं क्योंकि आप वही देते हैं जो आपके पास है। आप प्यार देते हैं अगर आपके अंदर प्यार है। आप नफरत देते हैं अगर आपके अंदर नफरत है तो वही व्यक्त्वि का निर्माण करता है। मुझे समझ नहीं आता कि वही इंसान जो किसी और के लिए प्यार रखता है, वह मेरे लिए इतनी नफरत कैसे रख सकता है? इस वक्त को याद करते हुए जैस्मीन ने आगे कहा कि हेट इतनी ज्यादा थी कि इसने वास्तव में मुझे डिप्रेशन में डाल दिया था।

इसने मुझे लाइफ में पहली बार उदास कर दिया, लेकिन तब मुझे एहसास हुआ कि इन लोगों के पास मुझे रेप की धमकियां भेजने और मुझे अपशब्द कहने के लिए कोई पहचान नहीं है जो मैंने अपनी पूरी लाइफ में कभी नहीं सुना।

शो खतरों के खिलाडी में छोटे भाई की एंट्री

रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 13 में छोटे भाई यानि की अब्दू रोजिक वाइल्ड कार्ड एंट्री हो गई है। शो से जुडे एक प्रोमो में अब्दू खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहे हैं। कलर्स टीवी के इंस्टाग्राम पर शो से जुड़ा प्रोमो पोस्ट किया गया है। जिसमें अब्दू रोजिक खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहे हैं। छोटे भाईजान एक पानी से भरे बॉक्स में लेटे हुए हैं और इसमें कई सारे सांप डाले गए हैं।

जैसे ही अब्दू सांपों को देखते हैं वे बहुत ही फनी तरह से जोर-जोर से चिल्लाने लगते हैं। इसे देख ऐश्वर्या कहती हैं कि बहुत चालाक ब्रो। ये सुन अब्दू भी उन्हें मजाकिया अंदाज में जवाब देते हैं और कहते हैं कि आप अंदर आइए और फिर उसके बाद तो पता चलेगा कि कितना चालाक। ये सुनकर सभी रोहित शेट्टी के साथ ही सभी कंटेस्टेंट्स भी जोर-जोर से हंसने लगते हैं। बता दें कि, अब्दू रोजिक इससे पहले बिग बॉस 16 में नजर आए थे। शो में उन्हें खूब पसंद किया गया था। फैंस उनकी क्यूटनेस और सिंगिग पर फिदा हैं। शो को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। अब शो और भी ज्यादा एंटरटेनिंग होने वाला है।

सुपर स्टार राकेश मिश्रा का नया गाना 'राजा शक ना करीं' रिलीज

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री के दो वायरल सेंसेशन राकेश मिश्रा और शिल्पी राज का नया गाना 'राजा शक ना करीं' रिलीज हो गया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। राकेश मिश्रा का यह गाना टी-सीरीज हमार भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। गाने में राकेश मिश्रा के साथ पंजाबी ब्यूटी रिमसन कौर नजर आ रही हैं, जिनकी केमिस्ट्री भी बेहद आकर्षक और मनोरंजक लग रही है। राकेश मिश्रा के फैंस ने दोनों की खूब सराहना करते हुए गाने को लाजवाब बताया है। वहीं गाना 'राजा शक ना करीं' को लेकर राकेश मिश्रा ने बताया कि यह गाना आजकल के उन युवाओं की कहानी को बयां करती है, जो रिलेशनशिप में एक-दूसरे पर शक करते हैं। गाने को हमने बेहद मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया है। कुछ गलत लोगों की वजह से सच्चे लोग भी शक की बीमारी पाल लेते हैं और अच्छे-खासे रिश्ते की मधुरता को बर्बाद कर देते हैं। इस चीज को हमने गाने के जरिए लोगों के सामने प्रस्तुत किया है। इसके लिरिक्स शानदार हैं और इस गाने की मेकिंग भी बेहद खास है। इसलिए भोजपुरी के म्यूजिक लवर्स से अपील करूंगा कि अपने इस गाने 'राजा शक ना करीं' को खूब सुनें और दूसरों को भी सजेस्ट करें। राकेश मिश्रा ने कहा कि भोजपुरी म्यूजिक अब नए कॉन्सेप्ट के साथ लोगों के बीच खूब पसंद की जा रही है। इसमें टी-सीरीज हमार भोजपुरी जैसे म्यूजिक कंपनी की भूमिका अहम रही है।

सूडोकु नवताल- 6545

★★★✯☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6544 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7292

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	ब	न	र	क
र	बा	बु	ल	आ	वा	जी	द	इ	ल	ल
म	व	दे	पू	ह	जी	स्म	न	का	क	हो
म	ची	न	श	ट	ज	प	म	पा	त	न
सा	त	ई	पा	में	व	खें	न	भा	र्क	का
ला	मे	म	सु	प	गं	र	न	ई	र	बु
श	जं	र्म	मे	ता	क	सा	या	न	ज	ल
क	क	ग	ए	सं	ज	प	र	ली	न	ए
ब्रे	बो	र्न	य	त	चि	क	री	जि	प	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	ट	न्दा	ता	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

शब्दजाल में जॉन अब्राहम की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

बाबुल, काबुल एक्सप्रेस, जिन्दा, गरम मसाला, काल, कर्म, एतबार, साया, पाप, जिस्म.

शब्दजाल - 7291 का हल

ह	म	मा	प	र	वा	ना	न	ह	क	र
हा	म	सू	ह	त	ल	जी	स	ल	मी	ज
ग	वी	रा	द	अ	था	त	र	ज	ल	टी.
द	र	दा	ज	ल	क	स्तु	ओ	र	सु	अ
र	आ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	नो	न
प	मी	प	स	जि	स्वा	क	प	ह	स	क
के	ह	बु	की	वी	म	मी	टे	न	सु	ही
न	पू	सु	पा	खा	पं.	सौ	ल	ब	र	स
मों	रे	क	सू	ह	ती	ने	ने	व	जी	त
वा	दा	म	ब	फा	दी	र	ह	ल	क	थ
म	ह	न	प	द	य	ह	है	ज	ल	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6245

1			4		7	
5	42	7	33		23	
		6	3		2	1
	32		38	7	32	6
4	3	2				5
6	24		33	5	35	4
		4	6	2		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6244 का हल

2	3	4	5	6	7	1
6	22	1	30	2	38	4
1	2	3	4	5	6	7
7	30	2	31	3	33	6
4	5	6	7	1	2	3
5	39	7	43	4	25	5
3	4	5	6	7	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

हरियाणा के लाल युजवेंद्र चहल के हाथ लगी निराशा, वर्ल्ड कप 2023 में सेलेक्शन नहीं होने की बड़ी वजह सामने आई

चंडीगढ़।
हरियाणा के जींद से आने वाले स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र चहल के हाथ फिर मायूसी लगी है। युजवेंद्र चहल का वर्ल्ड कप 2023 के लिए टीम इंडिया में सेलेक्शन नहीं हुआ है। एशिया कप में भी युजवेंद्र चहल टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। क्रिकेट के जानकारों की मानें तो युजवेंद्र चहल के टीम में न होने की वजह उनका खराब प्रदर्शन है।

युजवेंद्र चहल का चयन नहीं होने की सबसे बड़ी वजह यह भी है कि वह गेंदबाजी के अलावा बल्लेबाजी में कोई खास योगदान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में सिलेक्टर्स के लिए उन्हें टीम में जगह देना काफई मुश्किल था। कुलदीप यादव निचले क्रम में चहल से बेहतर बल्लेबाज हैं और इसलिए उन्हें तरजीह दी गई। दूसरी ओर, अक्षर पटेल भी स्पिन गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी कर लेते हैं।

कौन हैं युजवेंद्र चहल – चलिए यह तो बात थी उनके टीम इंडिया में सिलेक्ट न होने की। हू इस युजवेंद्र चहल वहीं, अब हम आपको उनके अब तक जीवन, करियर और क्रिकेट रिकॉर्ड्स के बारे में कुछ खात बताते हैं। युजवेंद्र चहल का जन्म 23 जुलाई, 1990 में हरियाणा के जींद में हुआ था। युजवेंद्र चहल ने अपनी स्कूली शिक्षा जींद के डीएवी स्कूल से पूरी की। स्कूल के दौरान युजवेंद्र चहल की क्रिकेट में दिलचस्पी बिल्कुल नहीं थी। यह बात बहुत कम लोग जानते हैं कि युजवेंद्र चहल को चेस में भी काफी रुचि थी। उन्होंने चेस गेम में भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया था। वह शतरंज और क्रिकेट दोनों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। यह हरियाणा के लिए काफी गौरव की बात है।

युजवेंद्र चहल का क्रिकेट करियर – युजवेंद्र चहल ने 2009 में हरियाणा की टीम के लिए डेब्यू किया। इसके बाद साल 2011 में उनके प्रदर्शन के बल पर उनको आईपीएल की मुंबई इंडियंस टीम में जगह मिली। लेकिन अगल कुछ साल तक उनको ज्यादा मैच खेलने को नहीं मिले। लेकिन फिर उनका सिलेक्शन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम में हुआ। 2015 के बाद से लगातार दो वर्षों तक चहल सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

2017 में युजवेंद्र चहल का इंटरनेशनल डेब्यू – इसी के बाद युजवेंद्र चहल की किस्मत बदल गई। खेलते हुए उनके जबरदस्त प्रदर्शन के आधार पर उनको जून 2016 में जिम्बाब्वे दौरे पर वनडे और टी20ई में भारतीय टीम में जगह मिली। इसके बाद, चहल को जनवरी 2017 में इंग्लैंड का सामना करने के लिए फिर से भारतीय टी20 लाइन-अप में बुलाया गया और उन्होंने निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन किया। बैंगलोर में खेले गए उस मैच में चहल ने 25 रन देकर 6 विकेट झटके।

युजवेंद्र चहल का प्रदर्शन – युजवेंद्र चहल ने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 72 मैच में 121 विकेट झटके। वहीं, टी-20 में युजवेंद्र चहल ने 80 मैचों में 96 विकेट झटके हैं। टी-20 क्रिकेट में युजवेंद्र चहल की इकॉनमी 8.19 रही है। जबकि ओडीआई में 5.26 रही है। चहल ने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 5 बार चार-चार विकेट झटके हैं।

न्यूज ब्रीफ

वनडे वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलानः पैट कमिंस कप्तान, एबॉट भी टीम में; लाबुशेन का नाम नहीं

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को एक महीने बाद शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए 15 खिलाड़ियों को चुन लिया है। टीम की कप्तानी पैट कमिंस के पास ही रहेगी। टीम में तेज गेंदबाज सीन एबॉट को भी जगह मिली है, ये उनका पहला वर्ल्ड कप होगा। भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत 5 अक्टूबर से हो रही है। पांच बार की वर्ल्ड चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को चेन्नई के चेपॉक मैदान पर मेजबान भारत से होगा। पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा और मिचेल स्टार्क। टेस्ट टीम के स्टार खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पिछले महीने वनडे वर्ल्ड कप के लिए 18 संभावित खिलाड़ियों को चुना था। संभावितों में सबसे चौंकाने वाला नाम अनकैप्ड लेग स्पिनर तनवीर सांघा और अनुभवहीन ऑलराउंडर एरोन हार्डी का था। जो 18 में से तीन खिलाड़ियों को टीम में जगह नहीं मिली है, वो एरोन हार्डी, तेज गेंदबाज नाथन एलिस और युवा स्पिनर तनवीर सांघा हैं। लाबुशेन को 18 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में भी जगह नहीं मिली थी। वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में होना है। सभी टीमें अपने स्क्वॉड में 15 प्लेयर्स रह सकेंगी, टीमें 3 स्टैंड-बाय खिलाड़ियों के नाम भी दे सकती हैं। वर्ल्ड कप में भाग लेने वाले सभी देशों को 28 सितंबर तक अपने स्क्वॉड की फाइनल लिस्ट इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को देना है। भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, जिसमें 48 मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 5 अक्टूबर को पिछले वर्ल्ड कप की विजेता और उप-विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में होगा। 12 नवंबर तक लीग स्टेज के 45 मैच होंगे। 15 और 16 नवंबर को 2 सेमीफाइनल और 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल खेला जाएगा।

हिमा पर 10 अगस्त से लागू होगा अस्थायी प्रतिबंध, 22 जून को हुआ था मिस टेस्ट

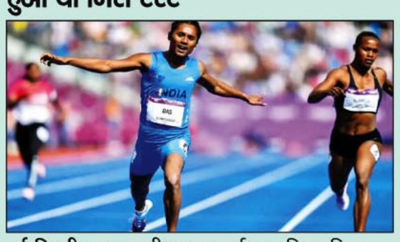

नई दिल्ली। भारत की स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास को पिछले बारह महीने में तीन बार रहने के स्थान के नियम (वेयरअबाउट) के उल्लंघन के कारण राष्टीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया। असम की 23 वर्ष की धाविका हिमा चोट के कारण हांगझोउ एशियाई खेलों की टीम में नहीं हैं। उनका अस्थायी प्रतिबंध 10 अगस्त से लागू होगा। भारतीय टीम के एक अधिकारी ने कहा , 'पिछले एक साल में तीन बार उसने रहने के स्थान संबंधी नियम का उल्लंघन किया है। यही वजह है कि उसे नाडा ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया।' सूत्रों के अनुसार दरअसल उनका 22 जून को मिस टेस्ट हुआ था जब नाडा की टीम त्रिवेंद्रम गई थी। इससे पहले 12 महीने में दो बार वेयरअबाउट विफल हुआ था। उन्हें दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है जो घटाकर एक साल का किया जा सकता है। हिमा ने जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। वह स्वर्ण जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर महिला टीम और रजत जीतने वाली मिश्रित रिले टीम की भी सदस्य थीं। विश्व एथलेटिक्स डोपिंग निरोधक एजेंसी के नियमों के अनुसार बारह महीने में तीन बार रहने के स्थान संबंधी नियम का उल्लंघन या टेस्ट से चूकने पर निलंबन लगाया जा सकता है।

चाइना ओपन के शुरुआती दौर में सात्विक-चिराग के हार के बाद भारतीय चुनौती समाप्त

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों के पुरुष युगल चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बुधवार को यहां चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में इंडोनेशिया के मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और मौलाना बागास से तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा। दूसरे नंबर पर मौजूद भारतीय जोड़ी दुनिया की 13वें नंबर की जोड़ी से एक घंटे आठ मिनट में 17-21, 21-11, 17-21 से हार गई। सिक्की रेड्डी और रोहन कपूर की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी भी पहले दौर में चेन तांग जी और तोह ई वेई की मलेशियाई जोड़ी से 15-21, 16-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

एशियाड के उद्घाटन समारोह में साड़ी की फिर वापसी

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ऑफिशियल ड्रेस जारी की

नई दिल्ली ।
एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में एक बार फिर भारतीय नारियों की पारंपरिक पोशाक साड़ी नजर आएगी। 2016 के रियो ओलंपिक में साड़ी को भारतीय दल की पोशाक से बाहर कर दिया गया था, लेकिन पीटी उषा की अध्यक्षता वाले भारतीय ओलंपिक संघ ने महिलाओं के लिए साड़ी और पुरुषों के कुर्ता और बंधेज जैकेट को एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह की पोशाक बनाने का फैसला लिया। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हांगझोऊ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक जारी की।

खाकी रंग की होगी साड़ी और कुर्ता – एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय पुरुष खिलाड़ी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की ओर से तैयार किए गए पैजामा, कुर्ता और बंधेज जैकेट में नजर आएंगे तो महिलाओं पारंपरिक साड़ी में होंगी। साड़ी और कुर्ते का रंग खाकी होगा। रियो ओलंपिक से पहले आईओए ने साड़ी और पगड़ी को इस वजह से बाहर कर दिया था कि क्यों कि खिलाडियों का कहना था कि इनका उपयोग बाद में नहीं हो पाता है। साथ ही उद्घाटन समारोह के दौरान साड़ी बांधने में काफी दिक्कत आती है।

खेलो इंडिया के लिए मंजूर हुए 675 करोड़ – खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आधिकारिक पोशाक जारी करने के बाद कहा कि जैसा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि दबाव नहीं लेना है, बस अपना सर्वश्रेष्ठ करना है, पदक खुद आएंगे। यही खिलाडियों को एशियाड में करना है। खेल मंत्री ने इस मौके पर घोषणा की कि खेलो इंडिया के लिए अब 3170 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे, लेकिन सरकार ने 675 करोड़ रुपये की राशि इस स्कीम के लिए और मंजूर कर दी। इस राशि से खेलो इंडिया यूथ, यूनिवर्सिटी, विंटर गेम्स होंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। यही नहीं इस साल तक 1000 खेलो इंडिया सेंटर तैयार कर लिए जाएंगे, लेकिन मंत्रालय ने देश में 250 और खेलो इंडिया सेंटर स्थापित करने का फैसला लिया है। अब 1250 खेलो इंडिया सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

श्रीजेश, सविता बोले स्वर्ण जीतने की करेंगे कोशिश – भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता और पीआर श्रीजेश आधिकारिक पोशाक पहनकर आए। दोनों खिलाडियों ने कहा कि एशियाड में सीधे ओलंपिक का क्वालिफिकेशन है। उनकी कोशिश रहेगी कि वे देश के लिए स्वर्ण जीतें और पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करें।

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सेनानायके मैच फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सचित्रा सेनानायके को मैच फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। खेल की भ्रष्टाचार जांच ईकाई ने उन्हें गिरफ्तार किया जब सुबह उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। तीन सप्ताह पहले अदालत ने उनके विदेश जाने पर रोक लगा दी थी। सेनानायके पर लंका प्रीमियर लीग 2020 के मैचों में फिक्सिंग का आरोप है जिसमें उन्होंने कथित तौर पर दो खिलाड़ियों को मैच फिक्स करने के लिये उकसाया। वहीं मैच फिक्सिंग को लेकर अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर सचित्रा सेनानायके ने इसे पूरी तरह से गलत बताया है। सेनानायके ने साल 2012 में अंतर्राष्टीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने श्रीलंका के लिए 49 वनडे मैचों में 35.35 की औसत से 53 विकेट हासिल किए। वहीं सेनानायके ने 24 टी20 मैचों में खेलते हुए 25 विकेट लिए और उन्होंने श्रीलंका की तरफ से 1 टेस्ट मैच में भी खेलने का मौका मिला। श्रीलंका ने जब साल 2014 में भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में जीत हासिल की थी तो उस टीम का हिस्सा सेनानायके भी थे। सेनानायके ने उस वर्ल्ड कप में 6 मैचों में सिर्फ 4 विकेट ही हासिल किए थे। अपने अंतर्राष्टीय करियर के दौरान सेनानायके को संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की वजह से कुछ महीनों के बैन का भी सामना करना पड़ा है। आईपीएल में भी सेनानायके कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा रहे हैं।

शुभमन गिल ने बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड, बाबर आजम और इन दिग्गज बल्लेबाजों की चमक पड़ी फीकी

नई दिल्ली।
भारतीय टीम के उभरते हुए स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने एशिया कप 2023 में नेपाल के खिलाफ मैच विनिंग पारी खेलकर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। गिल ने नेपाल के खिलाफ 62 गेंदों में 8 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। इस दौरान शुभमन गिल ने अपने वनडे करियर के 1500 रन पूरे किए। शुभमन गिल वनडे प्रारूप में सबसे तेज 1500 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने। भारतीय बल्लेबाज ने केवल 29 पारियों में 1500 वनडे रन पूरे किए। गिल ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, जिन्होंने 30 पारियों में यह आंकड़ा पार किया था।

सबसे तेज 1500 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज

बता दें कि वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 1500 रन पूरे करने के मामले में रेयान टेन डॉशचाट (नीदरलैंड्स), जॉर्ज बैली (ऑस्ट्रेलिया), बाबर आजम (पाकिस्तान) और रासी वान डर डुसैन (दक्षिण अफ्रीका) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर काबिज हैं। इन सभी बल्लेबाजों ने 32 पारियों में 1500 रन का आंकड़ा पार किया। हालांकि, शुभमन गिल के सामने इन सभी दिग्गज बल्लेबाजों की चमक फीकी पड़ गई है।

तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ा

शुभमन गिल ने इस दौरान महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ा। गिल ने भारत के लिए ओपनर के रूप में 25 वनडे पारी में सबसे ज्यादा रन बनाए। गिल ने 1335 रन बनाए और सचिन तेंदुलकर (1151) का रिकॉर्ड तोड़ा। कप्तान रोहित शर्मा 1100 रन बनाकर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर है।

गिल ने खेली बेहतरीन पारी – 23 साल के शुभमन गिल पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, लेकिन नेपाल के खिलाफ उन्होंने जबरदस्त पारी खेली और फॉर्म में वापसी की। गिल ने कप्तान रोहित शर्मा (74*) के साथ 147 रन की अविजित साझेदारी करके भारत को डीएलएस पद्यति के आधार पर 17 गेंदें शेष रहते 10 विकेट से मात दी।

अर्जेंटीना के फुटबॉल बॉस चाहते हैं कि मेसी अगले फीफा विश्व कप में खेलें

नई दिल्ली ।
देश के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी ने कहा है कि लियोनल मेसी 2026 विश्व कप तक अर्जेंटीना के लिए खेलना जारी रख सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के अनुसार, मेसी ने पहले फुटबॉल के शोपीस टूर्नामेंट के अगले संस्करण तक अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने की संभावना से इनकार कर दिया था, लेकिन उन्हें अपना मन बदलने के लिए राजी किया जा सकता है।

तापिया ने ब्यूनस आयर्स में स्पोर्ट्स लीडर्स समिट के दौरान कहा, वह हमेशा अधिक का लक्ष्य रखता है। वह कभी हार नहीं मानता और हमेशा आपको आश्चर्यचकित करता है। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में मैंने सोचा है। मैं ऐसा कैसे नहीं कर सकता मैं चाहूंगा कि वह वहां रहे। अपने मौजूदा फॉर्म में, मेसी आसानी से 2026 विश्व कप में खेल सकते हैं। मेसी, जिन्होंने पिछले साल कतर में एल्बीसेलेस्टे को तीसरी विश्व कप ट्रॉफी दिलाई थी, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में टूर्नामेंट समाप्त होने पर 39 वर्ष के हो जाएंगे।

लेकिन बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने गिरावट के कोई संकेत नहीं दिखाए हैं। जुलाई के मध्य में एक फ्री एजेंट के रूप में इंटर मियामी में शामिल होने के बाद से, 36 वर्षीय ने कई मैचों में 11 गोल किए हैं और पांच सहायता प्रदान की हैं।

उन्होंने पिछले महीने फ्लोरिडा की टीम को लीग कप खिताब दिलाया – जो कि क्लब की पहली ट्रॉफी थी – और ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में अभी भी 14वें स्थान पर रहने के बावजूद उन्हें मेजर लीग सॉकर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने का एक बाहरी मौका दिया है। तापिया ने कहा कि मेसी को यह चुनने का अधिकार है कि उन्हें अपना अंतरराष्ट्रीय करियर कब समाप्त करना है। यह उन पर निर्भर करता है और वह क्या चाहते हैं। मैं उन्हें अगले विश्व कप में खेलते हुए देखना चाहता हूं। अगर वह चाहें तो वास्तव में ऐसा कर सकते हैं।

जोकोविक 13वीं बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे: गॉफ ने पहली बार अंतिम-4 में बनाई जगह; मेंस डबल्स में बोपन्ना की जोड़ी भी जीती

नई दिल्ली ।
सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और अमेरिका की युवा खिलाड़ी कोको गॉफ यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं मेंस डबल्स में भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने अपने ऑस्ट्रेलियाई साथी मैम्यू एबडेन के साथ सेमीफाइनल के लिए प्रवेश कर लिया है।

नोवाक जोकोविच

नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को हराया

मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में नोवाक जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को हराया। जोकोविच 47वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वहीं यूएस ओपन में वे 13वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। जोकोविच 17वीं बार यूएस ओपन में खेल रहे हैं। जोकोविच ने टेलर फ्रिट्ज को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया। तीन बार के यूएस ओपन विजेता जोकोविच का सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में हवतन फ्रांसिस टियाफो को हराया। ओस्टापेंको डिफेंडिंग चैम्पियन इगा स्वितेक को प्री-क्वार्टर फाइनल में हराकर पहली बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं।

रोहन बोपन्ना भी सेमीफाइनल में पहुंचे

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में पहुंच गए है। उनकी जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी जोड़ी नथानिएल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो को 7-6 (10), 6-1 से हराया। इसे पहले उन्होंने प्री क्वार्टर फाइनल में जूलियन कैश और हेनरी पैटन की जोड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। बोपन्ना और एबडेन इस साल की शुरुआत में विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

कोको गॉफ 19 साल की उम्र में जेलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-2 से हराकर अपने पहले यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली ।
कोको गॉफ ने 2017 फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-2 से हराकर गर्मी, उमस, अपने बड़े हिट प्रतिद्वंद्वी और पहली बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने की कोशिश के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। फ्लोरिडा की 19 वर्षीय गॉफ फ्लशिंग मीडोज में अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली अमेरिकी किशोरी हैं, क्योंकि 2001 में सेरेना विलियम्स अपनी बड़ी बहन वीनस के बाद उपविजेता रही थीं। गॉफ के लिए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत थी - जुलाई में विंबलडन में पहले दौर से बाहर होना निश्चित रूप से सदियों पहले जैसा लगता है। उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन पिछले साल रोलैंड गैरोस के फाइनल में जगह बनाना था। गॉफ उस खिताबी मुकाबले में इगा स्विएटेक से हार गए थे और वे दोनों यू.एस. ओपन क्वार्टर फाइनल में फिर से मिल सकते थे। लेकिन स्विएटेक इसमें सफल नहीं हो पाई और चौथे दौर में ओस्टापेंको से हार गई। उस हार ने न केवल स्विएटेक की खिताब की रक्षा को समाप्त कर दिया, बल्कि इसका मतलब यह भी है कि वह अगले सप्ताह डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 1 पर अपना स्थान आर्यना सबालेंका के हाथों छोड़ देगी।

जब वह निशान पर होती है, जैसे कि वह रविवार की रात स्वियाटेक के खिलाफ थी, ओस्टापेंको एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में चुनौतीपूर्ण हो सकती है, क्योंकि वह लगभग हर स्ट्रोक पर ब्रेक लेती है। यदि गेंदें अंदर आती हैं, तो वह व्यवसाय में है। जब वे ऐसा नहीं करते, तो वह मुसीबत में पड़ जाती है। वह 36 अप्रत्याशित त्रुटियों के साथ समाप्त हुई; गॉफ के पास 14. गुरुवार को सेमीफाइनल में गॉफ का मुकाबला चेक गणराज्य की नंबर 10 कैरोलिना मुचोवा या रोमानिया की नंबर 30 सोराना क्रिस्टिया से होगा। उनका खेलने का कार्यक्रम था।

बुधवार को महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में बेलारूस की सबालेंका बनाम चीन की नंबर 23 झेंग किनवेन और विंबलडन चैंपियन चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा बनाम नंबर 17 मैडिसन कीज़, एक अमेरिकी जो 2017 यूएस ओपन में उपविजेता थी, के बीच मुकाबला होगा। पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में 23 बार के प्रमुख चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच बनाम संयुक्त राज्य अमेरिका के नंबर 9 टेलर फ्रिट्ज, और रात में एक ऑल-अमेरिकी मैच में नंबर 10 फ्रांसिस टियाफो बनाम गैर वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन थे। 2005 के बाद यह पहली बार है कि तीन अमेरिकी पुरुष न्यूयॉर्क में अंतिम आठ में थे। जब गॉफ और ओस्टापेंको ने आर्थर ऐश स्टेडियम में दोपहर के ठीक बाद शुरुआत की, तो तापमान 90 डिग्री फ़ारेनहाइट (32 सेल्सियस) और आर्द्रता 55प्रतिशत थी। दूसरे सेट से पहले ब्रेक में, ओस्टापेंको लॉकर रूम की ओर चली गई, और गॉफ़ अपनी गर्दन के चारों ओर बर्फ से भरा एक सफेद तौलिया लेकर साइडलाइन बेंच पर बैठ गईं। स्वाभाविक रूप से, अमेरिकी की भीड़ उसके पक्ष में थी। गॉफ के कोर्ट पर उतरने से पहले ही उन्होंने उनके लिए तालियां बजाई और चिल्लाए, जब उन्हें प्री-मैच टीवी साक्षात्कार के दौरान मैदान की वीडियो स्क्रीन पर दिखाया गया तो उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त की। खेल शुरू होने से पहले जब गॉफ का परिचय कराया गया तो गर्जनाएं तेज हो गईं। और एक बार ऐसा होने के बाद, उसने यथासंभव अच्छी शुरुआत की, शुरुआती 15 में से 12 अंक हासिल किए और केवल 10 मिनट के बाद दो ब्रेक से 3-0 की बढ़त बना ली। अमेरिकी के लिए उन अंकों में से केवल एक ही उसके अपने स्वच्छ विजेता के माध्यम से आया। हालाँकि, उसे उस प्रकार के शॉट्स बनाने की ज़रूरत नहीं थी। ऐसा इसलिए है क्योंकि ओस्टापेंको अकेले उस अवधि में 10 अप्रत्याशित त्रुटियों से चूकते रहे। उनमें से कई शरारतों के बाद, वह अपने अतिथि बॉक्स की ओर मुड़ती थी और अपने साथियों को घूरती थी, जैसे कि शायद यह उनकी गलती थी।

गॉफ़ द्वारा एक 118 मील प्रति घंटे (190 किलोमीटर प्रति घंटे) के बाद, ओस्टापेंको ने अपना रैकेट और एक हाथ इंच (सेंटीमीटर) दूर रखा, जिससे पता चला कि उसे लगा कि गेंद बॉक्स के बाहर गिरी है। लेकिन आजकल उस तरह की कोई अपील नहीं होती है, क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक लाइन-कॉलिंग ऐसे हर मामले का ध्यान रखती है क्या यह अंदर था या बाहर था सत्तारूढ़. गॉफ को चीजों को जबरदस्ती करने की कोशिश करने की जरूरत नहीं थी। अपने श्रेय के लिए, उसने ऐसा नहीं किया। उसने जो किया वह ओस्टापेंको के सर्वश्रेष्ठ ग्राउंडस्ट्रोक तक पहुंचने और उन्हें दूसरी तरफ वापस भेजने के लिए अपनी प्रवृत्ति, चतुराई और गति का उपयोग किया। जब तक ओस्टापेंको ने गलती नहीं की, तब तक वह अनुकरणीय बचाव अक्सर अंक बढ़ा देता था। शुरुआती सेट के अंत तक गॉफ़ ने 31 में से 24 अंक अर्जित कर लिए थे। इसमें केवल 20 मिनट लगे और उसने केवल पांच विनर लगाए। तब तक उसके आधे से अधिक अंक (15), ओस्टापेंको की अप्रत्याशित त्रुटियों के कारण थे।

खुद-ब-खुद चलेगा स्मार्ट सूटकेस...

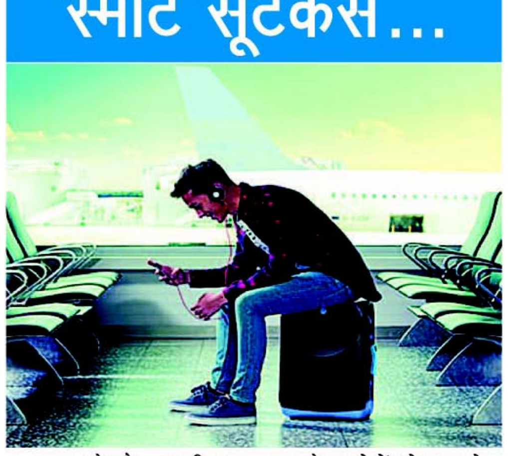

सफर के दौरान भारी-भरकम सूटकेस लोगों को थका देता हो, तो इस स्मार्ट सूटकेस का इस्तेमाल करना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इस सूटकेस को पकड़ने की जरूरत नहीं है, बस एक इशारे पर यह आपके साथ-साथ चलेगा। इस अनोखे सूटकेस का निर्माण इजरायल के एनयूए रोबोटिक्स वैज्ञानिकों ने किया है। एनयूए रोबोटिक्स संस्थान के मुताबिक, इस सूटकेस में कैमरा, सेंसर और ब्लूटुथ लगा है। यह यूजर्स के स्मार्टफोन से कनेक्ट होकर उसके निर्देशों का पालन भी करता है। यह ही नहीं, यह सूटकेस इतना स्मार्ट है कि इसे अगर किसी अनजान शख्स ने टच किया तो इसका अलार्म बजना शुरू हो जाता है। इसके अलावा इसमें खास अलार्म किसी के छीनने या चोरी करने की स्थिति में भी जोर-जोर से बजने लगता है। इस सूटकेस को लेकर सफर कर रहे हैं तो आपको अपने मोबाइल या टैबलेट डिस्चार्ज होने की भी समस्या नहीं होगी, क्योंकि इसमें यूएसबी सॉकेट फिट किया गया है। इसके जरिए आराम से गैजेट्स चार्ज किए जा सकते हैं। खास बात यह है कि इसमें फिट सभी तकनीक सिर्फ 1.5 किलो की हैं जिसे यात्री आसानी से उठा सकते हैं। फिलहाल यह सूटकेस प्लेन सर्फेस पर ही चल सकता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसे सीढ़ियों और दूसरी जगह भी चलने लायक बनाया जाना चाहिए। एनयूए रोबोटिक्स संस्थान का कहना है कि अभी इस पर शोध जारी है, वह इसमें नए फीचर जोड़कर इसे और भी बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि एक साल के भीतर यह अनोखा सूटकेस लोगों के बीच पहुंच जाएगा।

सख्त त्वचा को ऐसे बनाएं सॉफ्ट...

शेविंग करने में पुरूषों के लिए सहायक होता है स्क्रब। शेविंग करते रहने से पुरूषों के चेहरे की त्वचा कठोर हो जाती है। ऐसे में स्क्रब त्वचा से मृत त्वचा को हटाने का काम करता है, त्वचा की नमी और मुलायमता को बनाए रखता है। इसलिए शेव करने से पहले नींबू का रस या शेविंग जेल लगाएं। इससे शेव आसानी से बन जाती है, त्वचा के रोम छिद्र खुल जाते हैं और त्वचा संबंधित बीमारी भी नहीं होती है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि अच्छी तरह से चेहरे की सफाई करना आवश्यक है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि फोम का ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को नुकसान पहुंचाता है।

जीन्स की चेन पर वायकेके क्यों?

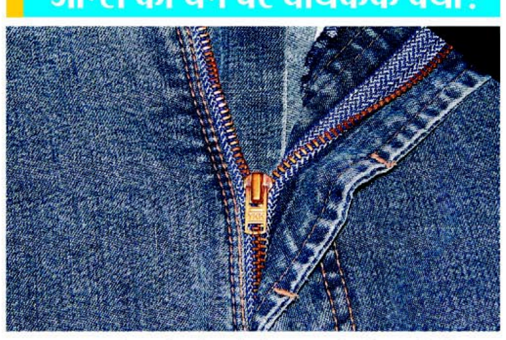

क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी जीन्स की चेन पर वायकेके क्यों लिखा होता है। हम बताते हैं आपको इसके पीछे का राज। दरअसल वायकेके का फुलफॉर्म योशिदा को-ग्यो-कबूशिकिंगएशिया है। यह दुनिया की सबसे पहली जिप निर्माता कंपनी है। इस कंपनी ने लगभग आधे से ज्यादा जिप बनाईं हैं। यह कंपनी 71 देशों में मौजूद है। 1934 में टोक्यो के एक व्यापारी तादाओ योशिदा ने इसका आविष्कार किया था। किसी बड़ी खोज पर ध्यान न देते हुए यह छोटी-सी खोज लाखों लोगों के रोजगार का जरिया है। चेन के अलावा वायकेके कपड़ों और बैग में लगने वाले और भी उत्पाद बनाती है। इस कंपनी का सबसे बड़ा प्लांट जॉर्जिया यूएसए में है, जहां हर रोज 70 लाख जिप बनती हैं।

चीटिंग का एक्सपर्ट...

जस्टिन रोस ली नाम का शख्स घूमने और लग्जरियस लाइफ जीने के लिए जाना जाता है लेकिन यह जानकर आपको हैरानी होगी कि न्यूयार्क में रहने वाले इस आदमी को सारी लग्जरियस सुविधाएं फ्री में मिल ही जाती हैं। इसके लिए यह अनोखे तरीके अपनाता है। कभी यह फ्लाइट के खाने को एलर्जिक बताता है तो कभी होटल के इंटरनेट कनेक्शन को गलत बताता है। इससे डिस्काउंट मिलने के साथ ही फ्री सर्विस मिल जाती हैं। यह अपनी लग्जरियस लाइफ की फोटोज इंस्टाग्राम पर रेग्युलर शेयर करता है। रोस ली चीटिंग में एक्सपर्ट है और वह फ्री अपग्रेड पाने का कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेता है। अब तक वह शंघाई, मुंबई और टोक्यो में लग्जरियस सुइट में रूकना और फर्स्ट क्लास में सफर करने का फ्री तरीका निकाल चुका है।वह फेक बिजनेस कार्ड बनवाकर डिसकाउंट भी लेता है कुछ दिन पहले एक वीडियो के लीक होने से ली खबरों में आ गया था जिसमें वह ट्रैवल एंड हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के लूप होल्स और अपने कॉन्ट्रोवर्शियल सीक्रेट बता रहा था। ली कहता है कि मैं इसे क्राइम नहीं मानता। मैं लॉ को फॉलो करता हूं लेकिन अपने रूल खुद बनाता हूं। ली ट्रैवल एक्सपर्ट है और उसकी एक कंपनी भी है।

सुंदर व स्टाइलिश दिखने पर सिर्फ युवतियों का ही कॉपी राइट नहीं है, युवा लड़के भी सुंदर और स्टाइलिश लग सकते हैं। असल में स्टाइलिश मैन बनने के लिए आपको अपनी बॉडी शेप के अनुसार कपड़े पहनने की जरूरत होती है। यह जान लेना चाहिए कि बॉडी पर क्या सूट करता है।

कैसे बनें स्टाइलिश मैन...?

18 से 25 साल के युवा पर्सनल केयर और और स्मार्ट लुक के लिए महिलाओं से अधिक पैसा खर्च कर रहे हैं। और इस बात का ही प्रमाण है कि पिछले पांच साल में युवाओं के प्रयोग में आने वाले प्रोडक्ट्स की बिक्री का बाजार 42 फीसदी बढ़ गया है। यह सच है कि पहचान बनाने के लिए काम के साथ-साथ आपका पहनावा भी काफी मायने रखता है। ड्रेसिंग स्टाइल में जरा-सी लापरवाही आपकी पर्सनालिटी को बिगाड़ सकती है। फैशन के जानकारों के मुताबिक भारतीय युवाओं को परिधानों के मामले में मार्गदर्शन की बहुत ज्यादा जरूरत है, फैशन के नियम युवाओं के लिए रहस्यमय रहे हैं लेकिन वाकई ये कारगर हैं। आप कितने ही अच्छे कपड़े पहन लें, लेकिन जब तक आपको इन्हें पहनने के नियम नहीं पता तब तक आप स्टाइलिश मैन नहीं बन सकते। जब बात ड्रेसिंग की हो तो आपके मन में बस लेटेस्ट फेड ही नहीं होना चाहिए। असल में स्टाइलिश मैन बनने के लिए आपको अपनी बॉडी शेप के अनुसार कपड़े पहनने की जरूरत होती है। आपको यह जान लेना चाहिए कि बॉडी पर क्या सूट करता है। अगर आप यहां बताए गए शेप्स में से किसी शेप के हैं तो फिर उन कपड़ों को चुनें जो आप पर फबते हैं।

इनवर्टेड ट्रायंगल

इनवर्टेड ट्रायंगल बॉडी वाले युवाओं का ऊपरी भाग चौड़े चेस्ट और कन्धों के साथ ट्रापेजोइड की तरह होता है लेकिन कूल्हे और कमर इनकी तुलना में नैरो होते हैं। इसलिए ऊपरी भाग निचले भाग से थोड़ा चौड़ा होता है। ऐसी बॉडी टाइप उन युवाओं की होती है जिनकी बॉडी एथलेटिक फ्रेम वाली होती है या जो बॉडी बिल्डिंग करते हैं। इस बॉडी स्ट्रक्चर वाले पुरुष हिप एरिया को पॉकेट्स और बेल्ट्स से डिटेलिंग दे सकते हैं। साथ ही वी नैक टी शर्ट्स भी अच्छा ऑप्शन हैं, क्योंकि इससे ध्यान नीचे की तरफ जाएगा। ट्रॉऊजर्स में स्लिम कट और स्ट्रैट फिट बेस्ट होते हैं। ध्यान रहे आपको लोगों का ध्यान शरीर के ऊपरी भाग से हटाना होता है, तो कॉलर के साथ स्ट्रक्चर जैकेट्स और स्कूपिंग नैकलाइन वाले टॉप्स न पहने।

रेक्टेंगल शेप्स

रेक्टेंगल शेप्स बॉडी टाइप उन युवाओं की होती है जिनके कंधे कमर के बराबर चौड़े होते हैं। तो जब आपको ड्रेसअप होना हो तो मकसद कंधों को चौड़ा और कमर और हिप्स को थोड़ा नैरो दिखाना होना चाहिए। यह शारीरिक तौर पर तो संभव नहीं है लेकिन कुछ कट्स और टाइप्स की वजह से आप यह कर सकते हैं। आप ऐसे जैकेट्स पहन सकते हैं जो कंधों से पैडेड हो और अंडरआर्म से नैरो हों। दूसरा विकल्प है कि समझदारी से लेयरिंग की जाए। औपको डबल ब्रेस्टेड पीसेज जो आपके रेक्टंगुलर शेप को और उभारेगा तो इनसे दूर रहना है।

ओवल शेप

ओवल शेप के युवाओं के शोल्डर नैरो, मध्य ओवल और लोअर लेग स्लिम होते हैं। इस श्रेणी में आने वाले युवाओं को अपने टोरसो को लंबा दिखाकर खुद को स्लिम लुक देना चाहिए। साथ ही कंधों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है। डेफिनेशन को ऐड करने के लिए वर्टीकल स्ट्राइप्स या पिन स्ट्राइप्स का चुनाव करें, जिनसे बॉडी को लेंथ मिलती है। गहरे रंग के टेक्सचर लें और फिट लेकिन लूज टेपरड ट्रॉउजर का चुनाव करें ताकी टांगें लंबी दिख सकें। हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स और स्टेटमेंट या कलर्ड बेल्ट्स को छोड़ें क्योंकि यह सबका ध्यान कमर की ओर खींचता है जो बॉडी का वाइडेस्ट प्वाइंट है।

ये नियम हैं काम के

फैशन में टाई की नोंक शर्ट के आखिरी बटन को ढंकती हुई होना चाहिए नाकि बेल्ट के नीचे। बेल्ट से नीचे टाई की नोंक का होना एक बहुत बड़ी गलती की तरह बहुत भद्दी दिखती है। जब भी घर से निकलें तो ध्यान रहे कि आपकी कॉलर पर सिलवटें न आ रही हों। कॉलर की सिलवटें आपके व्यक्तित्व पर बुरा असर डालती हैं। जीन्स के साथ पहनने के लिए आपके पास हमेशा अलग से ब्लेजर होना चाहिए। यह देखने में ज्यादा स्टाइलिश लगता है। अगर आप दाढ़ी रखने के शौकीन हैं या फिर आपने फ्रेंच दाढ़ी रखी हुई है, तो भी नियमित अंतराल पर इसकी सेटिंग करवाते रहें। जब भी आप घर से कहीं बाहर जाएं, तो अपने कानों के पीछे और दोनों कलाई पर परफ्यूम का स्प्रे जरूर छिड़कें। परफ्यूम लगाने का एक तरीका होता है। इसके लिए सबसे पहले आपने हाथों को सीधा करें इसके बाद अपनी चेस्ट पर परफ्यूम छिड़कें। इस तरह से परफ्यूम लगाने से इसकी खूशबू लंबे समय तक बनी रहती है। यह भी ध्यान रखें कि अच्छा दिखने में आपकी बॉडी लैंग्वेज इंपॉर्टेंट रोल प्ले करती है। आप कितने ही अच्छे कपड़े पहन लें, लेकिन आपकी बॉडी लैंग्वेज सुस्त है तो सब बेकार। हमेशा कमर को सीधा और छाती को थोड़ा बाहर निकालकर चलें। कंधों को कभी झुकाकर न चलें और चेहरे पर हमेशा मुस्कान रखें। इससे आपकी पर्सनालिटी हमेशा आकर्षक लगेगी।

बॉडी मेकअप

वास्तव में तो लड़कियों से ज्यादा बॉडी मेकअप की जरुरत लड़कों को होती है। शरीर की त्वचा और लुक को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको भी स्पा, बॉडी मसाज, मेनीक्योर और पैडीक्योर करना चाहिए।

ट्रेंडी ब्रेसलेट

ट्रेंडी ब्रेसलेट पूरी दुनिया में युवाओं के बीच मशहूर हैं। स्टाइलिश युवाओं के लिए बहुत सारी एक्सेसरीज मार्केट में उपलब्ध भी है। लैदर कफ से लेकर वुडेन बीड्स तक युवाओं के लिए बहुत से विकल्प हैं, जिनमें से वे अपनी पसंद के ब्रेसलेट चुन सकते हैं। मेटल ब्रेसलेट, नौटिकल ब्रेसलेट तथा बीडेड ब्रेसलेट्स कुछ अच्छे विकल्प हैं।

हेयर ट्रीटमेंट

आपका हेयरकट परफेक्ट दिखें इसके लिए जरूरी है कि बालों का भी खास खयाल रखा जाए। खासतौर पर डैंड्रफ और बाल झड़ने जैसी समस्याओं को सुलझा लें। बालों को ऑयल मसाज, हेयर स्पा और रेगुलर कट दें। अगर आप दाढ़ी रखने के शौकीन हैं या फिर आपने फ्रेंच दाढ़ी रखी हुई है, तो भी नियमित समय पर इसकी सेटिंग करवाते रहें।

शू कलेक्शन

कहते हैं की किसी इंसान को उसके जूतों से पहचाना जा सकता है। आपके जूते आपको भीड़ से अलग दिखने में बहुत मदद करते हैं। अगर आप बिना पॉलिश के घिस चुके जूते जो आपके पहनावे से भी मैच नहीं करते, पहन कर कहीं बाहर जा रहे हैं तो ये उम्मीद छोड़ दीजिए कि कोई आपके ड्रेस की तारीफ नहीं करेगा, चाहे आपके कपड़े कितने भी अच्छे क्यों न हो। जूतों का सलेक्शन इवेंट के हिसाब से करें। अपने स्टाइल को हमेशा अच्छे शू कलेक्शन से अपग्रेड करते करें। इसके लिए आप ब्राउन या ब्लैक कलर की ड्रेस को ध्यान में रखते हुए शूज खरीद सकते हैं, जो किसी भी स्टाइल से आसानी से मैच हो जाते हैं। अगर आप कॉलेज ब्वाय हैं तो आप लोफर का चयन कर सकते हैं, वो जीन्स और ट्राउजर किसी के साथ भी काफी फबते हैं।

सिंप्लिफाइ योर लुक

जितना हो सके अपने लुक को सिंपल और एलिगेंट रखें। क्योंकि ज्यादा एक्सेसरीज आपको किसी रॉकस्टार या किसी बैंड वाले का लुक दे सकती हैं। तो अगर आप एक्सेसरी पहने के बारे में सोच भी रहे हैं तो कोशिश करें कि वह ज्यादा न हो और आपकी ड्रेस को ओवरपॉवर न करे।

फिटिंग का रखें ध्यान

ध्यान रखें कि जो भी आप पहनें वह आपके साइज का हो। खुले कपड़े पहनना आपको और मोटा दिखा सकता है। तो ऐसे स्लिम फिट शर्ट, सूट और टीशर्ट से परहेज नकरें। फिट कपड़े पहनें और अपने आप को फिट करने की कोशिश करें।

ब्रैंड पर ध्यान न दें

कपड़े लेते वक्त हर समय ब्रैंड पर ध्यान न दें। क्योंकि कई बार ब्रैंड्स में आपको अच्छे फैब्रिक नहीं मिलते। ऐसे में किसी शर्ट या ट्राउजर के लिए 5000 या 6000 रुपए खर्च करने की कोई जरूरत नहीं है हमेशा एक तरह के लुक में ना रहें। समय-समय पर अपने हेयर स्टाइल या ड्रेसिंग सेंस में बदलाव लाकर लुक को बदलने की कोशिश करें।

छोटी-छोटी चीजें

कई बार छोटे-छोटे स्कार्फ, ब्रेसलेट या पेंडेंट भी आपके लुक को और स्मार्ट बना देते हैं। ऐसे में इन चीजों को खरीदने के बारे में भी सोचें। क्योंकि वॉर्डरोब में हों तो कभी-कभी बड़े काम की होती हैं ये चीजें।

मौके का ध्यान रखें

कपड़ों का चुनाव हमेशा मौके के हिसाब से करें। कहीं जाने से पहले वॉर्डरोब खोलें और कपड़े निकालने से पहले सोचें कि आप इन कपड़ों को पहनकर कहां जाने वाले हैं। फैशन और लेटेस्ट स्टाइल टिप्स से अपडेटेड रहने के लिए फैशन मैग्जीन जरूर पढ़ें। मैग्जीन में आपको हर तरह के स्टाइल कैलेंडर से अपडेट करती हैं। इनसे आपको बड़े डिजाइनर्स और मॉडल्स के अनुभव के बारे में भी पता चलता है।

समय लें

कुछ भी पहनने से पहले टाइम लें और सोचें। हमेशा लड़कियां ही कपड़ें सलेक्ट करने में टाइम लेने के चलते बदनाम रहती हैं लेकिन यह आदत सही है। आप भी कपड़े पहनने से पहले सोचें और फिर कोई फैसला लें। तैयार होने के बाद अपने दोस्तों से फीडबैक जरूर लें। लेकिन ध्यान रहे कि आप केवल उन्हीं से पूछें जो आपको सही सलाह दें। कई बार दूसरों की राय लेकर भी हमें अपने में सुधार करने का मौका मिलता है।

उम्र के तीसवें पड़ाव से पहले...

हम सभी जीवन में कुछ चीजें तय करते हैं, और हम सभी की एक विश लिस्ट भी होती है जिसमें हम तय करते हैं कि हमें क्या क्या करना है , पर कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं जो आपको करनी ही चाहिए चाहे विश लिस्ट में हो या नहीं ! और ये जरूरी नहीं कि यह टू डू लिस्ट जिंदगी भर के लिए हो, ऐज फैक्टर भी होना जरूरी है, आज हम आपको ऐसी ही बातों को बता रहे हैं जो आपको तीस साल की उम्र से पहले जरूर कर लेनी चाहिए।

एक विदेशी भाषा सीखें

आप इस पड़ाव से पहले कम से कम एक विदेशी भाषा जरूर सीखें, यह अंग्रेजी से अलग होनी चाहिए, इससे आपके व्यक्तित्व में एक अलग तरह का फैलाव आता है।

अकेले यात्राएं करें

इस उम्र तक आते आते आपको यह जरूर सीखना पड़ेगा कि बिना हमसफर के सफर कैसे करें। लंबी यात्राएं काफी उबाऊ होती हैं, और उस पर भी आप अकेले गए तो आपको खुद के साथ बिताने के लिए एक लंबा समय मिलता है, जो कि आपके जीवन के लिए काफी कुछ नया ला सकता है।

एक लंबी रोड ट्रिप करें

उम्र के तीसवें पड़ाव से पहले आपको एक लंबी दूरी की रोड ट्रिप जरूर आजमानी चाहिए। यह एक युवा का एडवेंचर होता है, इसके बाद तो बस तीर्थ यात्राएं रह जाती हैं।

रियल पर्सनालिटी

अब यह समय है कि आप अपनी स्टाइल को अपना लें, अभी तक हम सब पहनावे में प्रयोग करते आ रहे हैं, मगर अब जरूरी है किसी एक लुक को अपनी पहचान बनाने का। तो वह पहने जो आपकी रियल पर्सनालिटी हो, न कि वो जो कि दूसरों जैसा दिखने के लिए हो।

अपनी जड़ों को पहचानें

हम सबके लिए अपने अतीत और अपनी जीवन पद्धति को अपनाना जरुरी है, अब तक की उम्र हमें यह छूट देती थी कि या तो हम किसी भी जीवन शैली में ढालें या बदल जाएं, मगर अब जिम्मेदार होकर एक रास्ता चुनना आवश्यक है।

एक बार मैराथन जरूर दौड़े

यूं तो मैराथन में बच्चे बूढ़े सभी हिस्सा लेते हैं। मगर जो जीतने के लिए दौड़ते हैं वे युवा होते हैं, इसलिए तीस का होने से पहले एक बार मैराथन जीतने के लिए जरूर दौड़े।

खाना खुद बनाना सीखें

यह एक जरुरी काम है, आप हमेशा अपने पार्टनर पर निर्भर न रहें। हर इंसान को अपना खाना खुद बनाना आना चाहिए अब आप किशोर और लड़के नहीं रहे अब आप वयस्क हो रहे हैं तो यह आपको सीखना चाहिए।

बचत करना सीखें

जीवन में आर्थिक रूप से सुरक्षित होने के लिए बचत करना सीखना ही होगा, और यह आपको 30 का होने से पहले शुरू करना होगा। आखिर में सबसे जरूरी बात इस उम्र से पहले आपको अपनी सभी इन्द्रियों और स्वयं की गारंटी लेनी होगी क्योंकि अब जो गलतियां होंगी उन्हें समाज अपराध ही मानेगा इसलिए मन को नियंत्रण में कर जिम्मेदार बनें।

वेडिंग सीजन का लेटेस्ट ब्राइडल फैशन

क्लासी लुक के साथ ही पाएं परंपरागत डिजाइन

इन दिनों शादियों का दौर चल रहा है। वेडिंग सीजन में पुराने अम्ब्रेला कट घाघरा व चोली बिलकुल आउट है। उनकी जगह ले ली है नए वेडिंग लुक ने। इन दिनों लहंगों की जगह ले ली है स्लीम लांग स्कर्ट्स ने, जिन्हें फिगर हगिंग लॉन्ग स्लीव्स ब्लाउजेस के साथ मैच किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ब्राइडल विअर में ड्रेपिंग भी इन है व इस वजह से साड़ी को लहंगों के साथ भी मिक्स एंड मैच किया जा रहा है। साड़ी गाउन भी काफी चलन में है। अगर आप भी भावी दुल्हन के लिए पोशाक चुनने बाजार का रुख कर रहे हैं तो जरा इन बातों पर भी ध्यान दे दीजिए। कह सकते हैं कि 21 सेंच्यूरी की ब्राइड्स का लुक अब इंटरनेशनल लुक व फील लिए हुए है और वेस्टर्न फैशन से भी काफी हद तक प्रभावित है। तो आज हम आपको बताएंगे कि क्या फैशन में है क्या नहीं।

नेट, वेलवेट भी फेवरेट लिस्ट में शामिल

लहंगों के फेब्रिक की बात करें तो उसमें भी ब्राइड्स की चॉइस केवल सिल्क तक लिमिटेड नहीं रही, बल्कि नेट, वेलवेट भी ब्राइड्स की फेवरेट लिस्ट में शामिल है। ब्लॉक प्रिंट, एम्ब्राइडरी आदि के साथ विभिन्न फेब्रिक्स और पैटर्न्स के साथ मिक्स एंड मैच करे हुए लहंगे चुनने में भी ब्राइड्स बिलकुल नहीं हिचकिचा रही। डिजाइनर साड़ियों की बात करें तो इनमें भी ज्यादा ध्यान ऑर्नेट ब्लाउजेस पर दिया जा रहा है। साड़ी हो या लहंगा, इनकी चोलियों की डिजाइनिंग को खास तवज्जो दी जा रही है। चोलियों की स्वील्स, बेक, फ्रंट, नेक सभी की डिटेलिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। कुछ समय पहले तक जहां स्लीव्स को केप स्लीव्स रखा जाता था, वहीं अब इन्हें शॉर्ट, थ्री-क्वार्टर से लेकर लांग तक रखा जा रहा है।

जापानीज क्रेंस है चलन में

जो लोग थोड़ा हैवी लुक पसंद करते हैं वे चमक-दमक वाले विक्टोरियन गाउंस चुन सकते हैं। इन दिनों कारीगरी में जापानीज क्रेंस और चैरी ब्लॉसम्स बहुत चलन में है, जो लहंगे में चार-चांद लगा रहे हैं। इसके साथ थीम को मैच करते किमोनो स्टाइल के ब्लाउज भी खास चलन में हैं। ब्राइडल आउटफिट्स में होने वाली एम्ब्राइडरी अब थीम से इंस्पायर्ड हो गई है। परशियन कारपेट्स, रोज, क्रिस्टल्स, चैरी ब्लॉसम्स जैसी थीम्स बहुत 'इन' है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)